RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 27
नई दिल्ली, शुक्रवार, 29 नवंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैंने नग्नता को बढ़ावा दिया: किम करदाशियां

विविध-16

महाराष्ट्र में छोटे सरकार का राज

उद्धव ठाकरे ने बाला साहब और छत्रपति शिवाजी की छत्रछाया में ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

बाघ-बकरी का साथ

- शिवसेना से एकनाथ शिंदे-सुभाष देसाई, राकांपा से जयंत पाटिल-छगन भुजबल, कांग्रेस से बाला साहब थोराट व नितिन राउत ने ली मंत्री पद की शपथ
- महामंच पर विपक्ष का महामेला, तल्खियां भूल बड़े भाई के बुलावे पर राज ठाकरे भी पहुंचे
- प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई, सोनिया और राहुल ने उपस्थित न होने के लिए जताया खेद

मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद जनता का अभिवादन करते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

भगवा कुर्ता और माथे पर लंबा तिलक लगाए उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को शिवसेना संस्थापक और अपने पिता बाला साहब ठाकरे एवं मराठा आनबान के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की छत्रछाया में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मराठी में शपथ लेते उद्धव ने जैसे ही मी उद्धव बाला साहब ठाकरे..कहा, शिवसैनिकों के जबर्दस्त उद्घोष से शिवाजी पार्क का कोना-कोना गूंज उठा। जितना बड़ा अवसर था उतना ही शानदार आयोजन और उससे भी भव्य था वह मंच जो प्रदेश में नए राजनीतिक युग की शुरुआत के प्रत्येक क्षण का मूक गवाह बना। 6000 वर्ग फुट का महामंच हूबहू मराठाओं के शक्ति केंद्र शनिवार वाड़े जैसा दिख रहा था जिस पर शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता और विधायक बैठे थे। शिवाजी का सिंहासन और उनकी राजमुद्रा भी मंच पर रखी गई थी। ठाकरे परिवार के पहले मुख्यमंत्री और अपने भाई के शपथ ग्रहण (शेष पेज 10)

नई सरकार किसानों का पूर्ण कर्ज माफ करेगी, 80 फीसदी नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन ने गुरुवार को कहा कि राज्य में महाराष्ट्र विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि नौकरियों में 80 फीसदी आरक्षण युवाओं और स्थानीय निवासियों के लिए हो। राकांपा नेता जयंत पाटिल और नवाब मलिक, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने यहां एक मीडिया कार्यक्रम में न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीएमपी में राज्य में किसानों की पूर्ण कर्ज माफी के साथ ही पूरे राज्य में एक रुपए के क्लीनिक खोले जाएंगे जो शुरुआती स्वास्थ्य देखभाल के केंद्र बनेंगे। विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान शिवसेना ने 10 रुपए में भरपेट खाने का वादा किया था जिसकी खूब चर्चा भी हुई थी। इसे भी न्यूनतम साझा कार्यक्रम में जगह दी गई है। सीएमपी के मुताबिक स्थानीयामूल निवासी युवाओं को 80 फीसदी नौकरियों की पेशकश के लिए कानून बनाने का भी फैसला किया गया है।

शनिवार वाड़ा जैसा दिखा मंच

मुंबई। उद्धव ठाकरे ने जिस महामंच पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली उसे मराठाओं के शक्ति केंद्र रहे शनिवार वाड़ा की तर्ज पर डिजाइन किया गया था। शनिवार वाड़ा का निर्माण बाजीराव ने कराया था जो मराठा शासक छत्रपति साहूजी के प्रधान पेशवा थे। चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके मशहूर आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई ने महामंच का डिजाइन तैयार किया और इसे उसी तरह सजाया जैसा छत्रपति शिवाजी महाराज का सिंहासन हुआ करता था। नितिन ने ही 1995 में शिवसेना-भाजपा की पहली गठबंधन सरकार के लिए भी मंच की सजावट की थी।

प्रज्ञा को नहीं मिला भाजपा का साथ बल्कि सजा मिली

गोडसे विवाद

- विपक्ष के हंगामे पर राजनाथ ने लोस में की साध्वी के बयान की निंदा, भाजपा ने किया बैन
- कांग्रेस, यूपीए के अन्य घटक दल निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी में

प्रज्ञा ठाकुर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में अपनी सांसद प्रज्ञा ठाकुर द्वारा गोडसे के संबंध में दिए गए बयान से उपजे विवाद के बाद भाजपा ने गुरुवार को उन्हें संसदीय पार्टी की बैठक में शामिल होने रोक दिया तथा रक्षा मामले की सलाहकार समिति से हटा दिया। वहीं कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हमला तेज कर दिया है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह भाजपा और आरएसएस की आत्मा है जिसे वे छिपा नहीं सकते। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश के संसद के इतिहास में एक दुखद दिन है।

कांग्रेस और यूपीए के अन्य घटक दलों ने ठाकुर के खिलाफ लोकसभा में निंदा प्रस्ताव लाने के लिए के लिए नोटिस दिया है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसदों तथा यूपीए के घटक दलों के सदस्य, जिसमें द्रमुक, एनसीपी, राजद, आईयूएमल और अन्य पार्टियां शामिल हैं, के हस्ताक्षर शामिल हैं। लोकसभा स्पीकर कार्यालय के निकट सूत्रों ने निंदा प्रस्ताव का नोटिस मिलने की पुष्टि की है।

चौतरफा हमले से घिरी भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने अपना बचाव करते हुए कहा कि लोकसभा में उनकी विवादित टिप्पणी क्रांतिकारी उधम सिंह के अपमान के खिलाफ की गई थी। उन्होंने कहा, कभी कभी झूठ का बवंडर इतना गहरा होता है कि दिन में भी रात (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	22.0°C (-4)
न्यूनतम	16.2°C (+6)

बाजार

सेंसेक्स	41,130	↑	109
निफ्टी	12,151	↑	50
सोना	38,535	↓	03 /10g
चांदी	45,293	↓	91 /kg

क्विक न्यूज

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे श्रीलंका के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वीपीय देश में सत्ता की बागडोर संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। शुक्रवार को वह दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों में और प्रगाढ़ता लाने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विस्तृत बातचीत करेंगे। पिछले सप्ताह भारत ने कहा था कि वह श्रीलंका के नए राष्ट्रपति के साथ काम करने की दिशा में आशान्वित है और उम्मीद जताई कि यह सरकार (राजपक्षे सरकार) देश में तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

भाजपा को 3-0 से पटक कर ममता ने मजबूत की पकड़

विस उपचुनाव

- उत्तराखंड की पिथौरागढ़ सीट पर भाजपा जीती

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, देहरादून

पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा उपचुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सभी तीनों सीटों पर जीत दर्ज की है। राज्य में लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भाजपा इस उपचुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई और उसे खड़गपुर सदर सीट का नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, उत्तराखंड की पिथौरागढ़ सीट पर हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपना कब्जा बरकरार रखा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उपचुनाव में जीत के बाद कहा कि मतदाताओं ने भाजपा को उसके सत्ता के अहंकार के लिए सबक सिखाया है। इन सभी जगहों पर सोमवार को मतदान हुआ था। गुरुवार को आए विधानसभा उपचुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की कालियागंज और खड़गपुर सदर और करीमपुर सीट पर जीत दर्ज की है। पश्चिम बंगाल में सबसे चौंकाने वाले परिणाम खड़गपुर सदर सीट से रहा है। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में राज्य की 18 सीटें जीतने वाली भाजपा के विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवार प्रेमचंद्र झा को तृणमूल कांग्रेस के प्रदीप सरकार ने हराकर भगवा पार्टी से यह सीट छीन ली। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने भाजपा उम्मीदवार को 20788 मतों के अंतर से हराया।

खड़गपुर सदर सीट पर भाजपा की हार पार्टी के लिए एक झटका है जिसके प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष मेदिनीपुर से लोकसभा चुनाव जीतने से पहले वहां से विधायक थे। खड़गपुर सदर मेदिनीपुर लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाला एक विधानसभा क्षेत्र है। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार बिमलेंदु सिन्हा रॉय ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार जयप्रकाश मजूमदार को 24,073 मतों से हराकर करीमपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव जीता। उन्होंने इस सीट पर अपनी पार्टी का कब्जा बरकरार रखा। तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा ने पिछले विधानसभा चुनाव में करीमपुर सीट पर जीत दर्ज की थी, (शेष पेज 10)

उल्फा पर लगा प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ाया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने असम स्थित उग्रवादी संगठन उल्फा पर लगा प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि उल्फा विभिन्न अवैध और हिंसक गतिविधियों में लिप्त रहा है जिसका मकसद असम को मुक्त कराने के उद्देश्य से भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाना है। अधिसूचना के अनुसार, इसलिए, गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा-3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों के तहत केंद्र सरकार ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के साथ-साथ उसके सभी गुटों, मोर्चों और संगठनों को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है।

करोड़ों का नहीं अरबों का है होमगार्ड हाजिरी घोटाला

- आरोपी बीओ ने उगले कई राज, पुलिस ने शुरू की जांच

रिंकू यादव। नोएडा

होमगार्ड हाजिरी घोटाले में लखनऊ से गिरफ्तार ब्लॉक ऑर्गेनाइजर (बीओ) राजकुमार वर्मा ने कई राज उगले हैं। उसने दावा किया है कि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलीभगत कर प्रदेशभर में करोड़ों नहीं अरबों का घोटाला किया है। पुलिस ने राजकुमार के लिखित बयान के पर जांच शुरू कर दी है। नोएडा में होमगार्ड हाजिरी घोटाले का खुलासा होने के बाद 19 नवंबर को सूरजपुर स्थित जिला होमगार्ड कमांडेंट कार्यालय में आगजनी हुई थी। आगजनी के दौरान वर्ष 2014 से अब तक का अधिकतर हाजिरी रिकॉर्ड जल गया था। इसके बाद पुलिस ने फर्जीवाड़े में मंडलीय कमांडेंट अलीगढ़ राम नारायण चौरसिया तत्कालीन जिला कमांडेंट गौतमबुद्धनगर, सहायक जिला कमांडेंट सतीश, प्लाटून कमांडर मोंटू, सतवीर यादव और शैलेंद्र को गिरफ्तार किया था। फिर रिकॉर्ड में आग लगाने वाले अस्थायी प्लाटून कमांडेंट राजीव कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद हरकत में आई लखनऊ पुलिस ने ब्लॉक ऑर्गेनाइजर (बीओ) राजकुमार वर्मा को गिरफ्तार किया था। राजकुमार ने पुलिस को जानकारी दी कि प्रदेशभर में हाजिरी में फर्जीवाड़ा करके अरबों रुपये का घोटाला किया गया है। हाजिरी घोटाले के इस खेल में लखनऊ स्थित मुख्यालय के कई अधिकारियों पर भी गाज गिरना तय है। प्राथमिक जांच में पता चला कि फर्जी हाजिरी के बारे में विभाग के मुख्यालय में कार्यरत कई वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी थी। अधिकारियों और जिलास्तर के कर्मचारियों की मिलीभगत से ही अरबों रुपये का खेल किया गया।

ड्यूटी एक और हाजिरी दो: पुलिस की जांच में सामने आया था कि ड्यूटी पर भेजे बिना ही मस्टर रोल में होमगार्ड की फर्जी हाजिरी लगा दी जाती थी। मगर फर्जीवाड़े की एक और कड़ी सामने आई है। निलंबित बीओ राजकुमार ने पुलिस को बताया कि कई जिलों में एक ही होमगार्ड की दो जगहों पर ड्यूटी दिखाकर फर्जी तरीके से वेतन लिया गया जबकि वह सिर्फ एक ही जगह ड्यूटी करता था।

उसने ऐसा फर्जीवाड़ा करने वाले कई होमगार्ड और विभाग के अधिकारियों के नामों की भी जानकारी दी है। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने अपने बैंक खाते के बजाए दूसरों के खातों में घोटाले की रकम ट्रांसफर करवाई। (शेष पेज 10)

अनुपयोगी फुटओवर ब्रिजों को उपयोगी बनाने की तैयारी

गायत्री मनि। नई दिल्ली

राजधानी भर में जर्जर हो चुके फुटओवर ब्रिज (एफओबी) और उपयोग में नहीं आ रहे अंडरपासों को नया रूप दिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इन एफओबी और अंडरपासों बेहतर बनाने के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक अध्ययन कराएगा तथा पैदल चलने वाले इनका इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहे हैं, इसकी भी जानकारी लेगा। इसके लिए एक विशेष टीम तैनात की जाएगी और इन्हें पैदल यात्रियों के अनुकूल बनाने का प्रयास किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी की टीम ने सर्वे में पाया कि अधिकांश एफओबी और अंडरपास 2012 से पहले बनाए गए हैं।

2019 की शुरुआत में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के निर्देश पर योजना विभाग ने पूरे शहर में 74 एफओबी तथा 18 सबवे का सर्वे कराया और पीडब्ल्यूडी को अपनी

रिपोर्ट सौंपी। सर्वे के दौरान पाया गया कि खराब रखरखाव, सुरक्षा, रोशनी, रैंप, लिफ्ट और एस्केलेटर के अभाव में पैदल यात्री इनका इस्तेमाल नहीं करते। योजना विभाग की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 74 एफओबी में से केवल नौ में लिफ्ट है और दिव्यांग लोगों के लिए इनमें से 57 में लिफ्ट या रैंप की सुविधा नहीं है। कई अन्य की स्थिति खराब और जर्जर है।

पायनियर ने भी रियलटी चेक के दौरान पाया कि कई एफओबी और सबवे नशेड़ियों के अड्डे हैं। यहां कूड़ा करकट पड़ा रहता है। ब्रिज पर दुकानें, पान की पीक के निशान यहां-वहां दिखाई देते हैं। इसके अलावा साइकिल और बाइक भी पार्क जाती हैं। कई स्थानों पर अल सुबह यहां लोगों को शराब पीते हुए भी देखा गया। सर्वे के दौरान पाया गया कि कुल 461074 लोगों ने सड़क पार करने के लिए एफओबी का इस्तेमाल किया जबकि 188951 लोगों ने इसका इस्तेमाल न करते हुए जान जोखिम में डालकर सड़क पार किया। शहर में बने कुल एफओबी में केवल 64 फीसदी एफओबी पर छत है। 42 फीसदी एफओबी में रैंप है और इसमें से 52 फीसदी दक्षिण, 16 फीसदी उत्तर तथा 32 फीसदी पूर्वी जोन में हैं। अध्ययन में कहा गया है कि 31 फीसदी एफओबी में ड्रेनेज सिस्टम है और इनमें से अधिकांश उत्तरी जोन में हैं। उचित ड्रेनज व्यवस्था न होने से इन पर पानी जमा हो जाता जो इनका इस्तेमाल करने वालों को दिक्कत पेश आती है। (शेष पेज 10)

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 45 युवक-युवती गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर सेल, कोतवाली नॉलेज पार्क और सेक्टर 58 पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस की संयुक्त टीम ने नोएडा सेक्टर-6 में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुख्ता सूचना मिलने पर पुलिस ने इस फर्जी कॉल सेंटर पर देर रात दबिश दी और यहां से 45 युवक-युवतियों को गिरफ्तार

ऑलाइन शापिंग में छूट का झांसा देकर करते थे ठगी

किया है। पुलिस ने छापे में यहां से 16 वॉकी टॉकी फोन, 29 मोबाइल और 2 कंप्यूटर सिस्टम बरामद किए हैं।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि कई दिन से सूचना मिल रही थी कि नोएडा में एक कॉल सेंटर से लोगों को ठगा जा रहा है। इस मामले में साइबर सेल टीम को लगाया तो पता चला कि आरोपी लोगों को कैशबैक, सिक्योरिटी मनी और लकी ड्रॉ के नाम पर ठगने का काम करते हैं। इसके लिए फ्लिपकार्ट, मंत्रा और अन्य प्रमुख ऑनलाइन शॉपिंग साइटों का इस्तेमाल करते हैं।

एसएसपी ने कहा कि सेक्टर 6 में संचालित फर्जी कॉल सेंटर से नामी कमर्शियल कंपनी में छूट सहित अन्य प्रकार का झांसा देकर लोगों से ठगी हो रही थी। इसमें फर्जीवाड़ा कर लोगों को झांसा देकर आरोपित अपने अकाउंट में पैसे जमा करा लेते थे।

शिकायत के आधार पर जांच के दौरान बुधवार रात छापेमारी की गई है। देर रात तक पुलिस टीम जांच में जुटी रही। एसएसपी ने बताया कि ये गिरोह अब तक हजारों लोगों से ठगी कर चुका है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से व्यापक पूछताछ की जा रही है। शुरूआती पूछताछ के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली की 13 टाप फ्लोर सै. 6 नोएडा व डी 156 टाप फ्लोर सै. 7 नोएडा में काल सेन्टर चलाया जा रहा था, दोनो काल सेन्टर का मालिक दिलीप सरोज निवासी न्यू अशोक नगर दिल्ली है, व डेटा उपलब्ध कराने वाला नन्दन, नाम व पता अज्ञात है जो फरार है।

एसएसपी ने बताया कि पूरी पूछताछ के बाद अन्य मामलों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पता लगाया जा रहा है कि इस गैंग का मास्टरमाइंड कौन है व यह फर्जीवाड़ा कितने समय से चल रहा था। पुलिस टीम छानबीन कर रही है। पूछताछ के बाद फर्जीवाड़े के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में फर्जी कॉल सेंटर के भंड़ाफोड़ होने के बाद मीडिया को जानकारी देते एसएसपी वैभव कृष्ण, साथ में गिरफ्तार युवक-युवती।

दो पक्षों में मारपीट के दौरान हुई पत्थरबाजी कई लोग जख्मी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी रामगढ़ गांव में बृहस्पतिवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों की ओर से ईंट-पत्थर भी फेंके गए। इस दौरान इलाके के कई लोग घायल हो गए। साथ ही आधा दर्जन मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

बताया गया कि वहां पहले से ही किसी निर्माण कार्य को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार शाम के वक्त एक स्थानीय लड़की रास्ते से कहीं जा रही थी। इसी बीच कुछ लोगों ने उसके ऊपर पानी डाल दिया। इसके बाद रात में उसी युवती के माता-पिता पर पथराव कर दिया। इसी के कारण वहां के दो गुटों के बीच विवाद भड़क गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। फिलहाल 19 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

रणदीप भाटी गिरोह का कुख्यात बदमाश एके-47 के साथ धरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एके-47 लेकर घूम रहे रणदीप भाटी गिरोह का कुख्यात अपराधी उमेश पंडित को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में बदमाश के दोनों पैर में गोली गली है। मुठभेड़ में एसटीएफ का कांस्टेबल विकास कुमार भी घायल हो गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उमेश पर हत्या के सात सहित 18 मुकदमे दर्ज हैं। वह साहिबाबाद शूटआउट व चमन भाटी हत्याकांड में लिप्त रहा है। उमेश पर 50 हजार रुपये का इनाम था।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि यूपी एसटीएफ की ओर जानकारी दी गई कि 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश उमेश पंडित नोएडा या ग्रेटर नोएडा में है। इस पर एसटीएफ, बिसरख थाना पुलिस और सेक्टर-24 थाना पुलिस ने मिलकर संयुक्त रूप से ऑपरेशन

7 हत्याओं में था वांछित

किया। पुलिस ने उसकी घेराबंदी की उस समय वह एक कार में सवार था। उसे रोकने की कोशिश की गई तो उसने पुलिस पर फायरिंग की।

पुलिस ने बताया कि उमेश ने भागने की कोशिश की। पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए उस पर जवाबी गोलीबारी की जिसमें उमेश के दोनों पांवों में गोलियां लगीं और वह जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसके पास से एक एके 47 रायफल बरामद की है।

इंद्रधनुष योजना के बारे में जानकारी देते सीएमओ अनुराग भार्गव।

दो दिसंबर से शुरू होगा पीएम मातृ वंदना योजना अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सप्ताह का शुभारंभ 2 दिसंबर से किया जाएगा। यह अभियान 8 दिसंबर तक चलेगा। शासन से निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा। इस अभियान की शासन स्तर पर प्रतिदिन समीक्षा एवं मूल्याकंन भी किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनुराग भार्गव ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके अंतर्गत गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को तीन चरणों में 5000 रुपये मानदेय के रूप में दिये जाते हैं। शासन ने जिले के लाभार्थियों का लक्ष्य 23130 निर्धारित किया गया है। क्रियान्वयन की अवधि से अब तक लगभग 19036 लाभार्थियों को योजना से लाभान्वित किया जा चुका है। इसमें गति प्रदान करते हुए विशेष अभियान के अंतिम दिन 8 दिसंबर तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लेने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया गया है।

योजना के जिला कार्यक्रम समन्वयक पारस गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के दौरान एएनएमए आशा की ओर से गर्भवती और धात्री मात्राओं से निर्धारित प्रपत्र, फार्म भरवा दिये गये हैं। इस अभियान के तहत तीन चरणों में चयनित महिलाओं को पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, इस योजना का लाभ उठाने के लिए गर्भवती महिलाएं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ब्लाक नंबर आठ पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पारस गुप्ता ने बताया कि अगर किसी भी लाभार्थी को योजना के तहत किसी भी नंबर से फोन आता है तो लाभार्थी उसे अपने खातों की जानकारी न दें।

डेयरी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई, सबमर्सिबल उखाड़े

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी में अधिकारियों के निर्देश पर बृहस्पतिवार को नगर पालिका परिषद की दो कॉलोनियों में डेयरी संचालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान आठ डेयरी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर इनके सबमिर्सबल उखाड़े गए।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने बताया कि शहर की आवासीय कॉलोनियों में बड़ी संख्या में अवैध रूप से दुग्ध डेयरियां संचालित की जा हरी हैं। उन्होंने बताया कि ये डेयरी संचालक पशुओं के गोबर को सबमर्सिबल चलाकर नालियों में बहा देते हैं। जिससे आए दिन नाले और नालियां जाम हो जाते है और मार्गो पर पानी फैलता है। साथ ही लोगों को अवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा कई बार डेयरी संचालकों से नालियों में गोबर न बहाए जाने और एक स्थान पर एकत्र करने की बात कही गई थी लेकिन, डेयरी संचालकों के न मानने पर बुहस्पतिवार को शहर के वार्ड 25 जवाहर नगर और वार्ड 14 तिलक राम कॉलोनी में आठ डेयरी संचालकों पर कार्रवाई की गई।

गाजियाबाद में 1 घंटे में 2 मुठभेड़, 3 इनामी बदमाश दबोचे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पुलिस ने एक घंटे के दौरान दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मुठभेड़ के बाद तीन इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दोनों ओर से की गई फायरिंग में तीनों बदमाश व एक हेडकांस्टेबल भी जख्मी हहो गए जिन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

पुलिस क्षेत्राधिकारी द्वितीय आतिश कुमार ने बताया कि थाना कविनगर पुलिस मनन धाम पर चेकिंग कर रही थी तभी बाईक पर सवार दो बदमाश आते दिखाई दिए उन्हें रोकने का ईशारा किया पर दोनों नहीं रुके। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर दोनों को घेर लिया। अपने आप

गोली लगने से जख्मी दोनों बदमाश

को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में शहनवाज सैफ़ी उर्फ भोला पुत्र मोइनुद्दीन निवासी इस्लाम नगर कैला भट्टा व अंकित गर्ग पुत्र मुकुट लाल निवासी सेक्टर-23 संजय नगर गोली लगने से घायल हो गए जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस मुठभेड़ में एक हेड

तीनों बदमाश और एक हेडकांस्टेबल घायल

कांस्टेबल सुखबीर भी घायल हो गया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से दो पिस्टल 32 बोर, बिना नंबर की अपाचे बाइक व कारतूस बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों अभियुक्तों पर थाना कविनगर में मु0अ0स0-2156/19 धारा 302 भादवि (विनोद उर्फ भज्जी नामक व्यक्ति की हत्या) में वांछित व 12,500-12500 रुपए का इनाम घोषित है।

इसके अलावा ट्रोनिका सिटी पुलिस द्वारा खानपुर शमशान घाट के पास से मुठभेड़ के बाद विकास पुत्र राजकुमार निवासी अशोक विहार थाना लोनी गाजियाबाद गोली लगने से घायल हो गया, जिसको गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गिरफ्तार बदमाश का एक साथी मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा। उसकी गिरफ्तारी हेतु कॉम्बिंग की जा रही है। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, 03 जिन्दा कारतूस, 1 मोटरसाइकिल व 1 चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्त थाना ट्रोनिका सिटी के मु0अ0स0-688/19 धारा 380 भादवि में वाँछित व 12000 रुपये का इनामी है।

लग्जरी गाड़ियां चुराने वाले चार अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना लिंक रोड पुलिस एवं स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र 4 से एक महिला सहित चार अंतर्राज्यीय वाहन चोरों को गिरफ्तार कर 5 लग्जरी कारें और चार लाख नकद के अलावा दो चाकू बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर स्वाट टीम के प्रभारी इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह एवं थानाध्यक्ष लिंक रोड देवेंद्र सिंह बिष्ट की टीम ने डाबर कंपनी गेट के पास से एक महिला समेत चार शातिर बाहन चोरों को गिरफ्तार कर इनकी

निशानदेही से नकद चार लाख रुपये, दो चाकू तथा 5 लग्जरी कारें औद्योगिक पुलिस चौकी क्षेत्र के यूरोपार्क से बरामद की गई हैं। गिरफ्तार वाहन चोरों में महिला के अलावा अविनाश सिंह पुत्र रूपसिंह चंदेल राजपूत निवासी 229/24 रेलवे कॉलोनी मंडावली दिल्ली, निखिल उर्फ सन्नी कुंद्रा पुत्र स्वर्गीय कृष्ण कुमार निवासी 16/8 सेकंड फ्लोर गीता कॉलोनी दिल्ली तथा पुलकित कुंद्रा पुत्र मुकेश गोंदा निवासी 3337 सेकंड फ्लोर रानी बाग दिल्ली हैं। इन्हें बुधवार रात मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया था। वहीं इनके चार साथी मौके से भागने में कामयाब हो गए।

सीओ चतुर्थ डॉक्टर राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि फरार वाहन चोरों को गिरफ्तार करने के लिए दो टीमें बनाई गई हैं और जल्दी ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस गिरोह से पूछताछ जारी है तथा अब तक कितनी और गाड़ियां चोरी की है उसका पता लगाया जा रहा है । यह गिरोह अपनी साथी महिला की मदद से लक्जरी कारें चोरियां करता था और इनके निशाने पर हमेशा लग्जरी गाड़ियां ही होती थी।

हाईकोर्ट ने साया गोल्ड एवेन्यू का स्टे हटाया, जल्द मिलेगा कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कई सालों से शिप्रा सनसिटी के सनटावर आरडब्लूए द्वारा जीडीए, साया होम्स और शिप्रा के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका में चल रहे केस पर 27 नवंबर को हाईकोर्ट ने साया होम्स के साया गोल्ड एवेन्यू प्रोजेक्ट पर स्टे को आगे नहीं बढ़ाया है और अपना फैसला रिज़र्व रखा है।

गौरतलब है कि इस मामले में कुछ महीनों पहले हाईकोर्ट ने साया गोल्ड एवेन्यू प्रोजेक्ट पर स्टे लगाया था जिसमें किसी भी प्रकार का ओसी या सीसी के लिए अप्लाई नहीं किया जा सकता था।

अब हाईकोर्ट ने अपने रिज़र्व फैसले के साथ प्रोजेक्ट पर लगे स्टे को आगे नहीं बढ़ाया है तो जल्द ही इसकी ओसी के लिए बिल्डर अथॉरिटी में अप्लाई कर सकेंगे। इस प्रोजेक्ट में लगभग 1620 यूनिट्स हैं। जनपद की सबसे ऊंची इमारत कुल 1225 करोड़ रुपये के निवेश से बनकर तैयार हुआ है। इसमें एडेलविज जैसे बड़ी निवेशक और फाइनेंसियल कंपनियों ने फंड लगाया है।

नवीनीकरण के एवज में रिश्वत लेने वाला हैड क्लर्क निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। गाजिबाद

अल्ट्रासाउंड मशीनों के नवीनीकरण व नए नर्सिंग होम के पंजीकरण करने की एवज में अनुचित लाभ लेने के आरोप पर जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने चिकित्सा विभाग के एक हेड क्लर्क को निलंबित करने के आदेश दिए हैं जबकि सहायक उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी को हटाने के लिए कहा है। साथ ही उन्होंने इससे संबंधित सभी पत्रावलियां भी तलब की हैं

डीएम ने बताया कि चिकित्सा विभाग में नर्सिंग होम के पंजीकरण व अल्ट्रासाउंड मशीनों के नवीनीकरण करने की एवज में कुछ लोगों से अनुचित लाभ मांगा जा रहा था। जिसकी शिकायत उनसे की गई तो जांच में मामला सही पाया गया।

इसके बाद हेड क्लर्क आलोक कुमार को उन्होंने सस्पेंड करने के लिए सीएमओ को लिखा है साथ ही उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी विश्राम सिंह को हटाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि विभाग में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खाद्य निरीक्षक ने विधायक पर लगाया हमले का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बुधवार को लोनी विधायक

नंदकिशोर गुर्जर, उनके प्रतिनिधि ललित शर्मा और सहयोगी सुमित सहित एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिकारी (फूड इंस्पेक्टर) आशुतोष सिंह पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष सिंह ने इस घटना की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को देते हुए रिपोर्ट लोनी थाने में दर्ज करा दी।

एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने कई संगीन आपराधिक धाराओं में रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी। जादौन ने बताया कि जिसने भी खाद्य सुरक्षा अधिकारी पर हमला किया है उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस को दी गई तहरीर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष ने बताया है कि वह नियम संगत कार्य कर रहे हैं। बुधवार को विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने उन्हें यह कहकर बुलाया कि वो उनसे किसी मामले को लेकर वार्ता करना चाहते हैं। जब वह विधायक के पास पहुंचे तो कुछ देर बात होने के बाद विधायक नंदकिशोर गुर्जर, उनके प्रतिनिधि ललित शर्मा और सुमित आदि ने अपने हथियारबंद निजी अंगरक्षकों और एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उन पर प्राणघातक हमला कर दिया। दूसरी ओर इस घटना के बारे में विधायक का कहना है कि उन्होंने कोई हमला नहीं किया।

वहीं विधायक नंदकिशोर गुर्जर का इस प्रकरण में कहना है कि उनके खिलाफ बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर उन्हें घेरने की साजिश के तहत ही उनके खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि फूड इंस्पेक्टर आशुतोष सिंह खुद उनके ऑफिस में आए थे। उन्हें ऑफिस में बुलाया नहीं गया था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब जिला अध्यक्ष का चुनाव हो रहा है, उनके खिलाफ मुकदमा दायर कर राजनीतिक रूप में उन्हें घेरने की साजिश रची जा रही है। इस साजिश के पीछे कई लोगों का हाथ है, हालांकि उन्होंने बड़े नेताओं का नाम लेने से इंकार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

आर्थिक गणना के संबंध में बैठक

गाजियाबाद। डीएम अजय शंकर पाण्डेय ने सातवीं आर्थिक गणना को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने बैठक में बताया कि आर्थिक गणना ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में कराई जा रही है। आर्थिक गणना के लिए 888 प्रगणकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है अब समस्त परिवारों, उद्यमियों का सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के सुपर विजन के लिए 320 पर्यवेक्षक कार्य करेंगे। सातवीं आर्थिक गणना 2019 के लिए मोबाइल एप पर समस्त परिवारों व संस्थाओं की सूचनाएं ली जाएंगी। इस गणना में घरेलू प्रतिष्ठानों, जो उत्पादन या माल सेवाओं, गैर कृषि क्षेत्र में लगे हुए हैं उन्हें इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण कार्य मोबाइल एप द्वारा जनसुविधा केन्द्रों के माध्यम से कराया जाएगा। बैठक में सीडीओ अस्मिता लाल, डीपीआरओ एके त्रिपाठी, डीएसटीओ वीर सिंह, जनसेवा केन्द्र के जिला प्रबंधक आशुतोष साहू, जिला कोर्डिनेटर अभिषेक कुमार आदि मौजूद रहे।

महात्मा ज्योतिबाफूले की जयंती मनाई

गाजियाबाद। महात्मा ज्योतिबा फुले सेवा संस्था की गाजियाबाद इकाई द्वारा बृहस्पतिवार को यहां मालीवाड़ा स्थित कार्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले को समिति से जुड़े सभी पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सोनू सैनी प्रधान ने कहा कि महात्मा जी ने हमेशा सत्य का मार्ग दिखाकर लोगों का मार्गदर्शन किया हमें भी उनके बताए रास्तेचलकर मानवता रूपी इस अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए। इस दौरान सीमा कुशवाहा, अनिल गर्ग, महेंद्र कुमार, प्रेमचंद सैनी, आकाश गौतम, सुमित सैनी आदि मौजूद रहे।

पांच कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का केस

गाजियाबाद। मोदी स्टील के पांच कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इन कर्मचारियों पर एक व्यक्ति से स्क्रैप का ठेका देने का वादा करके लगभग दो करोड़ रुपए कथित तौर पर लेने और उसके बाद ठेका किसी अन्य कंपनी को देने का आरोप है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने सोमवार को पुलिस को इस मामले में मोदी स्टील के एक महाप्रबंधक और चार अन्य कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी मंगलवार को दर्ज की गई थी।

वेंडर्स को 10 दिसंबर तक उपलब्ध कराएं जगह: सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

वेडिंग जोन पालिसी के तहत 10 दिसंबर तक वेंडर्स को उनके आवंटित जगह पर स्थापित करा दिया जाए। जिन आवंटियों को अब तक आवंटन पत्र नहीं मिल सके हैं वर्क सर्किल द्वारा सभी को आवंटन पत्र दिए जाएं और सात दिसंबर तक वेंडर्स से वांछित धनराशि प्राधिकरण के पक्ष में जमा कराने का कार्य पूरा कर लिया जाए। यह निर्देश मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने वेंडिंग जोन की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

उन्होंने कहा कि अब तक वर्क सर्किल-1,3,4,5,6,7,8 एवं 9 में कुल 2472 आवेदकों के पक्ष में ड्रॉ की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। जिनका आवंटन पत्र वर्क सर्किल के माध्यम से मौके पर वेंडर को रिसीव

समीक्षा बैठक में वेंडर जोन के संबंध में जानकारी लेतीं सीईओ रितु माहेश्वरी।

कराया जाए। वर्क सर्किल-2 क्षेत्र में वेंडर के पक्ष के अब तक ड्रा की कार्यवाही नहीं की गई है। इस संबंध में सर्किल-2 को निर्देश दिए कि आवश्यक रूप से स्थल चिन्हित कर सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध करा दिया जाए। यही नहीं 3 दिसंबर तक पात्र आवेदकों के पक्ष में ड्रा करा दिए जाए। सभी सर्किल को निर्देश दिए कि वेंडर जोन के अगले फेज के लिए स्थलों की तलाश की जाए। इसके लिए उस सेक्टर के आरडब्ल्यूए व एनईए आदि संस्थाओं से वार्ता की जाए तथा उनके सुझाव लेकर वेंडर्स के लिए स्थल चिन्हित किए जाएं।

अतिक्रमण नहीं बर्दाश्त

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने निर्देश दिए कि वेंडर्स को उनके आवंटित स्थान पर ही स्थापित किया जाए। इसके अलावा कहीं भी रेहड़ी-पटरी या अन्यत्र दुकानें मिलीं तो उनको अतिक्रमण के दायरे में रखा जाएगा और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सर्किल अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अब तक शहर के मुख्य मार्गों, मार्केट, एक्सप्रेस वे आदि पर भी दुकानें लगाई जा रही हैं। प्राधिकरण द्वारा निर्मित शौचालयों, ड्रेन पर अतिक्रमण किया गया है। इन सभी को चिन्हित कर अगले सप्ताह तक अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग, आमरण अनशन कल से

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए जगद्गुरु परमहंसाचार्य महाराज कल 30 नवंबर से आमरण अनशन पर बैठेंगे। आमरण अनशन शिवशक्ति धाम डासना में होगा। आरडीसी में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जगद्गुरु परमहंसाचार्य ने यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि देशहित में जल्दी से जल्दी कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि जनसंख्या पर अंकुश लग जाए तो देश की ज्यादातर समस्याएं खुद ही हल हो जाएंगी । उन्होंने कहा कि उन सभी राष्ट्रभक्तों को बल देने के लिये और सरकार को इसी शीतकालीन संसद सत्र में यह कानून बनाने के लिये विवश करने को वह कल 30 नवंबर से डासना के शिवशक्ति धाम में आमरण अनशन करेंगे। इसके बारे में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर सूचित भी कर दिया है।

बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय संत परिषद के राष्ट्रीय संयोजक यति नरसिंहानन्द सरस्वती ने कहा है कि यह हम सभी के लिये गर्व की बात है की जगद्गुरु परमहंसाचार्य जी महाराज जैसे संत ने इस पवित्र उद्देश्य के लिए शिवशक्ति धाम डासना को तपस्थली के रूप में चयनित किया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

केंद्र से दिल्ली सरकार की मांग

15.60 रु किलो की दर से मुहैया कराए प्याज

केंद्रीय मंत्री पासवान को खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इमरान हुसैन

प्याज की आसमान छूती कीमतों के बीच दिल्ली सरकार ने केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान को पत्र लिखकर राजधानी में सस्ता प्याज मुहैया कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने सितम्बर 2019 से नाफेड द्वारा सप्लाई किये जा रहे प्याज का राजधानी में खुदरा बिक्री का जिम्मा संभाला हुआ है। ऐसा प्याज के दाम और आपूर्ति के सही प्रबंधन के लिए किया गया है। अभी तक नाफेड प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड के तहत 15 रुपये 60 पैसे प्रति किलो की दर से प्याज सप्लाई कर रहा था जिसे आप सरकार 23. 90 पैसे की खुदरा दर पर मुहैया करा रही थी। ऐसा प्याज के बढ़े हुए दामों से लोगों को राहत देने के लिए किया जा रहा था।

खाद्य एंव आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान को लिखे पत्र के माध्यम से बताया कि वह उनका ध्यान राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन फेडरेशन ऑफ इंडिया (नाफेड) द्वारा दिल्ली में बेचने के लिए सप्लाई किये जा रहे प्याज के मुद्दे की की तरफ ध्यान दिलाना चाहते हैं। नाफेड ये प्याज केंद्रीय भण्डार से दिल्ली सरकार को मुहैया करा रहा है। आप सरकार ने आम लोगों को आसानी से और उचित मूल्यों पर प्याज मुहैया कराने के लिए पर्याप्त प्रबंध किया हुआ है। इसके लिए मोबाइल गाड़ियों और लोगों का पूरा इंतजाम है। मोबाइल गाड़ियों के अलावा दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाई कारपोरेशन और खाद्य और आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों को भी प्याज के वितरण के काम में लगाया गया है।

ऐसी व्यवस्था के बावजूदए हाल में ही हुई एक समीक्षा बैठक में नाफेड द्वारा बताया गया है कि प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड के तहत मुहैया कराये जा रहे प्याज की सप्लाई रोक दी गयी है। ऐसा केंद्र सरकार के कहने पर किया गया है। नाफेड ने ये भी बताया की वह अलवर की मंडी से प्याज की आपूर्ति करवा सकता है। इसके बाद मिश्र (इजिप्ट) से आयात किये जाने वाली प्याज की खेप से आपूर्ति की जायेगी।

हालांकि इस प्याज को मौजूदा खरीद दर पर दिया जायेगा। इस पर ढुलाई लागत भी देना होगा। इसके अलावा भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव ने 23 नवंबर 2019 को लिखे एक पत्र में ये भी बताया है कि प्याज यहां पहुंचने के पांच दिनों के बाद दिल्ली में 60 रुपए प्रति किलो की दर पर उपलब्ध होगा।

अगर इस दर पर प्याज सप्लाई किये गए तो ये आम लोगों की पहुँच के बाहर होगा। केंद्र सरकार का इस महंगे दर पर प्याज मुहैया कराना प्याज की सप्लाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। सरकार को इस तरह रोजमर्रा की एक आवश्यक चीज को महंगे दर पर बेचकर मुनाफा कमाने की मंशा नहीं रखनी चाहिए। इसलिए इस मुद्दे की तुरंत समीक्षा कर केंद्र द्वारा प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड को फिर से लागू करने की जरूरत है।

साथ ही नाफेड को भी जनहित में प्याज फिर से 15.60 रुपये प्रति किलो की दर से सप्लाई करने के निर्देश दिए जाएं ताकि इसे 23.90 रूपये की दर पर आराम से खरीद सके। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर नाफेड को निर्देश देने को कहा कि ताकि वह जनहित में पहले कि तरह 15.60 रूपये प्रति किलो की दर से प्याज सप्लाई करते रहें।

बढ़ती कीमतों के खिलाफ धरना देंगे विजय गोयल

नई दिल्ली। प्याज की बढ़ी कीमत के खिलाफ भाजपा सांसद विजय गोयल शुक्रवार को धरना देंगे। इसके लिए उन्होंने केजरीवाल का प्रदूषण, गंदे पानी के बाद, 100 रुपये किलो प्याज के नारे के साथ अजमेरी गेट में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

गोयल ने बताया की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हमेशा की तरह जनता को फिर गुमराह करने में लगे हुए हैं। बुधवार को सीएम ने आरोप मढ़ा था कि प्याज की सप्लाई केंद्र सरकार ने बंद की है जिससे प्याज का दाम आसमान छू रहा है जबकि सच्चाई यह है की खुद दिल्ली सरकार ने नाफेड को पत्र लिखकर कहा था कि अब दिल्ली सरकार को प्याज कि सप्लाई ना की जाए। प्याज के लिए आगे की खरीद के लिए भी वे केंद्र सरकार को नया आर्डर देने के लिए तैयार नहीं हैं।

गोयल के अनुसार गत 23 नवंबर को केंद्र सरकार ने पत्र लिखकर केजरीवाल सरकार से पुछा था कि उन्हें कितना प्याज चाहिए। दिल्ली सरकार ने इसका कोई जवाब नहीं दे रही जबकि और राज्यों ने भी केंद्र सरकार से अपने राज्यों के लिए प्याज की मांग की है। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार मिस्र से 6000 टन प्याज निर्यात कर रही है ताकि प्याज कि बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाया जा सके।

निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिले की रेस आज से

- पहली सूची 24 जनवरी और दूसरी 12 फरवरी को जारी होगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के करीब 1600 निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिले की दौड़ शुक्रवार से शुरू होगी। स्कूलों को पूरी प्रक्रिया के बारे में अभिभावकों को जानकारी देनी होगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। कई स्कूल अपनी दाखिला प्रक्रिया के बारे में जानकारी वेबसाइट पर डाल चुके हैं।

हालांकि बड़े स्कूलों में अभिभावकों को और भी कई प्रक्रियाओं से गुजरना होगा, क्योंकि उनमें दाखिले के लिए अधिक मारामारी रहती है। नर्सरी समेत केजी और क्लास एक के लिए प्रवेश फॉर्म 29 नवंबर से 27 दिसंबर तक भरे जाएंगे। पहली सूची 24 जनवरी और दूसरी 12 फरवरी को जारी होगी। पूरी प्रक्रिया 16 मार्च तक पूरी हो जाएगी।

यह स्पष्ट है कि दूरी का पैमाना दाखिले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यानी घर से जितना करीब स्कूल, दाखिले का मौका उतना ही ज्यादा होगा। सीट पक्की करने के लिए डिस्टेंस के साथ सिबलिंग और अल्मनाई जैसे पॉइंट काफी अहम होंगे। अलग-अलग स्कूल दोनों के लिए 10 से लेकर 30 पॉइंट तक रखते हैं। ज्यादातर स्कूलों ने 100 पॉइंट सिस्टम में नेबरहुड को सबसे ज्यादा पॉइंट दिए हैं। खासतौर पर सरकारी जमीन पर बने 400 से ज्यादा स्कूलों में इसे 40 से 80 पॉइंट दिए हैं।

नर्सरी, केजी और कक्षा एक में दाखिले के लिए 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए आरक्षित होंगी।

सौ और आधुनिक बसें सड़क पर, मुख्यमंत्री ने दिखाई झंडी

बसों को उद्घाटन करते अरविंद केजरीवाल, साथ में मंत्री कैलाश गहलोत।

- सीसीटीवी, पैनिक बटन, दिव्यांगजनों के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट जैसी सुविधाओं से हैं लैस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली की सड़कों पर सौ और नई बसें उतर गई हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने राजघाट डिपो में इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएनजी आधारित ये स्टैंडर्ड फ्लोर बसें आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इन बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, दिव्यांगजनों के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट सहित कई आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इस मौके पर सीएम ने कहा कि आने वाले समय में दिल्ली के लोगों को परिवहन व्यवस्था पर भी गर्व होगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री 25 अक्टूबर को भी 104 नई बसों को द्वारका सेक्टर 22 डिपो से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। उसके बाद 7 नवंबर को राजघाट डिपो से 100 बसों को रवाना किए थें। इस तरह पिछले चार माह में 329 नई बसें दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में शामिल हो गई हैं जिससे राजधानी की सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल रही है।

बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बृहस्पतिवार से 100 बसें दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। पिछले कुछ महीने में काफी बसें सड़कों पर आई हैं। आने वाले समय में कई बसें और आएंगी। इससे पिछले कुछ साल से जो बसों की किल्लत थी।

वह धीरे-धीरे दूर होगी। जिस तरह से राजधानी को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए देश दुनिया में जाना जा रहा है, जिस तरह परिवहन व्यवस्था को भी आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनेगा और आने वाले समय में लोगों को अपने ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर भी गर्व होगा।

डिजिटल मैपिंग 31 तक होगी पूरी : केंद्रीय मंत्री

अनधिकृत कॉलोनी निवासी संपत्ति अधिकार मान्यता विधेयक पर लोस में बहस

- चुनावी स्टंट बताते विपक्ष ने की काम जल्द निबटाने की मांग, भाजपा ने किया पलटवार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1731 अनधिकृत कॉलोनियों की डिजिटल मैपिंग का काम इस साल 31 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इस संबंध में एक पोर्टल बनाया गया है, जिसमें सारे मैप डाले जाएंगे। करीब 600 मैप तैयार हो चुके हैं। शेष दिसंबर अंत तक पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। इसके बाद आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों को इन पर प्रतिक्रिया देने के लिए 15 दिन मिलेंगे। किसी भी तरह की शिकायत के लिए एक और पोर्टल बनाया गया है जिस पर रजिस्ट्री के लिए आवेदन कर सकते हैं।

विधेयक पर बहस के दौरान कांग्रेस और आप ने जहां भाजपा नीत केंद्र सरकार पर चुनावी साल में कॉलोनियों को नियमित करने का बिल लाने का आरोप लगाया, वहीं भाजपा ने इस मामले में देरी के लिए आप और कांग्रेस दोनों को जिम्मेदार ठहराया। निचले सदन में राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली (अनधिकृत कॉलोनी निवासी संपत्ति अधिकार मान्यता) विधेयक, 2019 को पारित करने के लिए रखते हुए पुरी ने कहा कि 11 साल पहले ही अनधिकृत कॉलोनियों की मैपिंग की प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए थी, जो अब भाजपा सरकार पूरी कर रही है।

उन्होंने कहा कि 2008 में दिल्ली की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक अधिसूचना जारी की थी और 760 कॉलोनियों को चिन्हित किया था, लेकिन इसके बाद प्रयास धीमे हो गए। पिछले 11 साल में इस दिशा में आधू-अधूरे प्रयास हुए और संपूर्णता के साथ काम नहीं किया गया। गौरतलब है कि 2008 में दिल्ली में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा दिल्ली सरकार ने केंद्र को बताया कि जिन एजेंसियों को कॉलोनियों की मैपिंग का काम दिया गया है, वे पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसके बाद केंद्र सरकार ने फैसला किया कि लोगों को उनके मकानों का मालिकाना हक देंगे। केंद्र ने अब आगामी 31 दिसंबर से पहले कॉलोनियों के डिजिटल मैपिंग के काम को पूरा करने का फैसला किया है। इस विधेयक में इन अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें पॉवर ऑफ अटॉर्नी, विक्रय करार, वसीयत, कब्जा पत्र और अन्य ऐसे दस्तावेजों के आधार पर मालिकाना हक देने की बात कही गई है जो ऐसी संपत्तियों के लिए खरीद का प्रमाण हैं। इसके साथ ही ऐसी कॉलोनियों के विकास, वहां मौजूद अवसंरचना और जन सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रावधान भी विधेयक में किया गया है। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के एआर रेड्डी ने कहा कि अगले कुछ महीने में दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में सरकार का यह फैसला केवल राजनीतिक कदम बनकर नहीं रह जाना चाहिए। भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले कई साल में कभी दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनियों में छोटे-छोटे मकानों में रहने वाले लोगों की चिंता नहीं की और मौजूदा आम आदमी पार्टी सरकार ने भी इस दिशा में कुछ नहीं किया।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली के लोगों का दिल एक बार फिर जीत लिया और आने वाली पीढ़ियां उन्हें याद रखेंगी। भाजपा के सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने यह विधेयक लाकर एक बार फिर सबका साथ-सबका विकास की बात को साबित किया है। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जिस योजनाबद्ध शहर की कल्पना देश के लोगों ने की थी, दिल्ली का विकास पिछले सात दशकों में वैसा नहीं हो पाया। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मंत्री ने विधेयक को दूरदर्शी क्रांतिकारी कदम बताया है लेकिन यह चुनाव को ध्यान में रखकर उठाया गया कदम है। उन्होंने पूछा कि इन कॉलोनियों के नियमित होने के बाद मास्टर प्लान को कैसे लागू किया जाएगा।

श्रेय बटोरने में जुटी आप, छेड़ा आक्रामक अभियान

अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण के मुद्दे पर आप ने भाजपा की घेराबंदी की। पार्टी का कहना है कि भाजपा अनाधिकृत कॉलोनियों के नाम पर झांसा दे रही है। 40 लाख निवासियों में से केवल 100 लोगों को रजिस्ट्री देने की बात सामने आ रही है। राघव चड्ढा ने कहा कि कैबिनेट ने अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का फैसला किया और 12 नवंबर को दिल्ली सरकार ने अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का पूरा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा। दुर्भाग्य से, केंद्र सरकार पिछले चार वर्षों से फाइल दबाकर बैठी रही।

दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार, 20 पिस्तौल व 100 कारतूस बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग जगहों से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

इनमें अक्षरधाम मंदिर के पास से दबोचा गया व्यक्ति मध्य प्रदेश का रहने वाला है जो हथियारों की तस्करी करता है। उसके कब्जे से 20 पिस्तौल और 100 कारतूस बरामद किए गए हैं। दूसरे बदमाश पर 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित था जिसे सागरपुर से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर में गैंगेस्टर एक्ट में नामजद सत्य कुमार के बारे में सूचना मिली थी कि वह पश्चिमी दिल्ली के सागरपुर की गांधी मार्केट में आने वाला है। गैंगस्टर एक्ट में नामित इस बदमाश के खिलाफ ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में धोखाधड़ी का केस भी दर्ज है और पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का ईनाम रखा है। गुप्त सूचना पर पुलिस ने उसे धर दबोचा।

दूसरे मामले में गिरफ्तार हथियारों के तस्कर की पहचान मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के रहने वाले राजू देशी के रूप में हुई है। स्पेशल सेल के डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह के अनुसार देशी दो-तीन वर्षों से दिल्ली में हथियारों की तस्करी कर रहा था।

संक्षिप्त समाचार

स्वीडन के राजा-रानी दो दिसंबर से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के न्योते पर स्वीडन के राजा कार्ल गुस्ताफ और रानी सिल्विया 2-6 दिसंबर 2019 तक भारत के राजकीय दौरे पर होंगे। दौरे का मकसद स्वीडेन और भारत संबंध को प्रगाढ़ बनाना है और स्वीडेन-भारत सहयोग को बढ़ावा देना है। संयुक्त कार्य योजना, इनोवेशन पार्टनरशिप और मौजूदा सहमति करार के तहत ये प्रयास किए जाएंगे। यह दौरा भारत के तीव्र विकास में मुख्य साझेदार बनने के लिए स्वीडेन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त स्वीडेन जलवायु परिवर्तन/ पर्यावरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध और स्वास्थ्य जैसी आम चुनौतियों में भारत का साथ देने को प्रतिबद्ध है। इस दौरे से स्वीडेन और भारत दोनों देशों की कंपनियों में परस्पर निवेश को बढ़ावा मिलेगा। दौरा 5 दिनों का है। इसमें राजा और रानी के नई दिल्ली, मुंबई और उत्तराखंड देखने की योजना है।

मंत्रालय के बाहर जेएनयू छात्रों का प्रदर्शन आज

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ शुक्रवार को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन करेगा और विश्वविद्यालय का सुगम संचालन बहाल करने के लिए गठित समिति की सिफारिशें सार्वजनिक करने की मांग की जाएगी। गौरतलब है कि एचआरडी मंत्रालय ने विश्वविद्यालय के सामान्य कामकाज को बहाल करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इसने अपनी रिपोर्ट मंगलवार को मंत्रालय को सौंप दी। छात्र संघ इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और छात्रावास शुल्क वृद्धि पूरी तरह वापस लेने की मांग कर रहा है।

महिलाओं के लिए कैंसर का विशेष स्क्रीनिंग कैंप

नई दिल्ली। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) नीति बाग द्वारा फाइट अगेंस्ट कैंसर के तहत महिलाओं के लिए विशिष्ट स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया है। 30 नवंबर तक चलने वाले इस कैम्प में कैंसर से पार पाने के लिए नियमित स्क्रीनिंग पर जोर दिया जा रहा है, क्योंकि नियमित जांच के चलते कैंसर को पर्याप्त इलाज से पूर्ण रूप से समाप्त किया जा सकता है। आरजीसीआईआरसी में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सलाहकार डॉ लीना डडवाल ने बताया कि कैंप के माध्यम से हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग, बीमारी को शुरुआती स्तर पर पहचानने के लिए सर्वाधिक प्रभावी तरीकों में से एक है और यह न्यूनतम इलाज के साथ कैंसर को नियंत्रित करने में मदद करता है। स्वत: परीक्षण: भी काफी महत्वपूर्ण है।

पायलट की पगड़ी उतरवा कर जांच, की शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को बताया कि स्पेन के मैड्रिड शहर के हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के एक पायलट को सुरक्षा जांच के दौरान कथित रूप से पगड़ी उतारने के लिए कहा गया।

डीएसजीएमसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने जयशंकर से हाल ही में पायलट सिमरनजीत सिंह गुजराल के साथ हुई इस घटना को स्पेन सरकार के समक्ष उठाने का अनुरोध किया।

सिरसा ने जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि मैड्रिड एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उनसे पगड़ी उतारकर उसकी जांच कराने के लिए कहा जो सिखों की नजर में अपराध है। मेटल डिटेक्टर से पूरी जांच किए जाने के बावजूद कैप्टन गुजराल के साथ यह सब हुआ। घटना से सिख समुदाय के लोगों में रोष का माहौल है।

बारिश-ठिठुरन, दो महीने में पहली बार चली अच्छी हवा

- एक्यूआई 106 पर दर्ज किया गया, 2.5 का स्तर भी 37.5 रहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लगातार दो दिन तक बारिश होने और तेज हवा झोंको से राजधानी दिल्ली के वातावरण में घुला प्रदूषण काफी हद तक छंट गया।

पिछले करीब दो महीनों में गुरुवार को पहली बार साफ हवा चली और एक्यूआई 106 पर दर्ज किया गया। बीते पांच अक्टूबर को यह 98 पर था लेकिन उसके बाद से पराली के धुएं ने राजधानी के लोगों का सांस लेना मुहाल कर दिया। कई दिन तक यह 500 से ऊपर भी दर्ज किया गया और हेल्थ इमरजेंसी स्कूल बंद करने पड़े थे। दिल्ली और एनसीआर में बुधवार को तेज हवा के साथ बारिश हुई थी। कई जगह ओले भी पड़े थे। गुरुवार सुबह फिर ज्यादातर इजाकों में वर्षा हुई। पूरे दिन तेज हवा से मौसम काफी खुशनुमा हो गया और हल्की सर्दी ने ठिठुरन पैदा कर दी। राजधानी की आबोहवा पर इस बारिश का सकारात्मक असर पड़ा। बीते मंगलवार को एक्यूआई 272 पर था जो बुधवार को 134 तथा गुरुवार को और गिरकर 106 पर आ गया। यह संतोषजनक श्रेणी में आता है। प्रदूषण के लिहाज से बेहद घातक पीएम 2.5 का स्तर 37.5 दर्ज किया गया जो 0 से 60 की सुरक्षित श्रेणी में आता है। यह स्थिति इससे पहले 5 अक्टूबर को ही दर्ज की गई थी।

गुरुवार को राजधानी में वायु निगरानी के 37 केंद्रों में से ज्यादातर पर हवा की गुणवत्ता संतोषजनक स्तर पर रही। मालूम हो कि एक्यूआई 0 से 50 की श्रेणी में अच्छा, 51 से 100 पर संतोषजनक माना जाता है। मौसम विशेषज्ञों और सफर के अनुसार शुक्रवार को हवा की गति कुछ कम होगी, इससे प्रदूषण का स्तर मामूली रूप से बढ़ सकता है। यह मध्यम या खराब स्तर पर रहेगा।

नगर निगमों को फंड जारी कराने के लिए मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा निगम का फंड रोकने के विरोध में उत्तरी, दक्षिणी एवं पूर्वी नगर निगम के निगम के 186 पार्षदों ने सिविक सेंटर से रोष मार्च निकालकर आईटीओ पर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे निगम पार्षद हाथ में तख्ती लेकर 9195.95 करोड़ रूपये निगम को वापस देने की मांग करते हुये नारे लगा रहे थे केजरीवाल शर्म करो, निगमों का फंड जारी करो। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया ने किया।

भाटिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार भी शीला दीक्षित सरकार की तरह निगमों को पंगु बनाने पर तुली हुई है। लोकल एरिया हेड, प्लान हेड, नॉन प्लान हेड और सफाई कर्मचारियों का एरियर रोक कर केजरीवाल का दलित विरोधी चेहरा भी लोगों के सामने आ चुका है। केजरीवाल के फंड रोकने से निगम के स्कूलों, अस्पतालों और सफाई के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सफाई कर्मचारियों का धरना हुआ समाप्त

उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह व उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश ने सफाई कर्मचारियों का धरना समाप्त कराया। इस अवसर पर दक्षिणी दिल्ली की महापौर सुनीता कांगडा व उत्तरी दिल्ली गर निगम के अधिकारी भी उपस्थित थे। तीनों निगम के सफाई कर्मचारियों की 37 यूनियनें पिछले कुछ समय से धरने पर बैठी हुई थी। सफाई कर्मचारी निगम की रीढ की हड्डी और सफाई कर्मचारियों की सभी मांगो के प्रती निगम गंभीर है। सफाई कर्मचारियों की 37 यूनियन के साथ सभी मुद्दो पर विस्तार से चर्चा कि गई है।

मानहानि केस में भाजपा के तीन सांसदों को समन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ओर से दर्ज कराए गए मानहानि मामले में दिल्ली की रॉउज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी के तीन सांसदों मनोज तिवारी, प्रवेश वर्मा और हंसराज हंस को समन जारी किया है।

उपमुख्यमंत्री का आरोप है कि इन नेताओं ने उनके ऊपर स्कूलों के निर्माण में 2000 करोड़ का घपला करने का झूठा आरोप लगाया, जिससे जनता के बीच उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। अदालत ने तीनों सांसदों को 18 दिसंबर को पेश होने का आदेश दिया है। राजधानी के स्कूलों की छवि बदलने के लिए आप सरकार ने पिछले पांच साल में नए कमरे बनवाने से लेकर विकास के तमाम काम कराए हैं।

इन्हीं कामों में भाजपा सांसदों ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर भ्रष्टाचार के आरोप जड़े थे। उस समय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सिसोदिया ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था लेकिन वे मामले को कोर्ट नहीं ले गए थे। सिसोदिया ने दो दिन पहले ही भाजपा नेताओं के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
अधिशासी अभियंता (विद्युत)/डब्ल्यूजेड का कार्यालय
पुराना जोनल भवन, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027
नि.आ.सू. सं. ईई/इलैक्ट्रिकल/वेस्टजोन/2019-20/27 दिनांक 28/11/2019
निविदा आमंत्रण सूचना
लाइन नं.-01, कार्य का नाम:- पश्चिम जोन के अंतर्गत एसी-30 जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर इसके सहायक उपकरणों (एक्सेसरीज) सहित 12एम सेमी हाई मास्ट पोल उपलब्ध करवाना एवं लगाना।
निविदा दस्तावेज को वेबसाइट www.tenderwizard.com/SOUTHDMC ETENDER से डाउनलोड किया जा सकता है।
-हस्ता/-
R.O. No.120/DPI/S/2019-20 अधिशासी अभियंता (ई)/डब्ल्यूजेड

कुत्ते पालने का शौक है तो लाइसेंस पड़ेगा बनवाना

गुरुग्राम की फर्रूखनगर नगर पालिका ने जारी किया फरमान

ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के गले नहीं उतर रहा पालिका का यह फरमान

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के खंड फर्रूखनगर नपा कार्यालय में टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्यों की बैठक लेतीं नपा उपाध्यक्ष जयंती जाटव।

फिल्म घातक का एक डायलॉग है- अगर मर्द बनने का इतना शौक है तो कुत्तों का सहारा लेना छोड़ दे कातिया...। इसी से मिलता कोई डायलॉग तो नहीं लेकिन हम आपको हकीकत ही बताते हैं कि अगर कुत्ते पालने का शौक है तो लाइसेंस बनवा लो। जी हां, यहां कुत्ते पालने के लिए आपको लाइसेंस बनवाना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो आपके खिलाफ कार्रवाई होगी। यह फरमान जारी किया है गुरुग्राम जिला के खंड फर्रूखनगर की नगर पालिका ने।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत फर्रूखनगर नपा क्षेत्र में घरों में पालतु कुत्तों पर नपा अधिकारियों की नजर पड़ गई है। नपा क्षेत्र में पालतु कुत्तों के नपा द्वारा लाइसेंस बनाये जाने की तैयारी चल रही है। अब नपा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति घरों में बिना लाइसेंस के कुत्ते नहीं पाल सकें।

इस बात की जानकारी नगर पालिका सचिव केके राव ने गुरुवार को नगर पालिका फर्रूखनगर में उपाध्यक्ष जयंती जाटव की अध्यक्षता में आयोजित टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में दी। कुत्तों के लाइसेंस बनवाने के पीछे का तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि कुत्ते पालने वाले लोग नपा की साफ-सुथरी गलियों में कुत्ते घुमाकर गंदगी को बढ़ावा देते हैं। उनपर रोक लगाने के लिए भी नपा द्वारा यह कदम उठाया जा रहा है, जिस भी कुत्ते का लाइसेंस नहीं हुआ तो उसके मालिक पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रेहड़ी वालों की सूची तैयार, पांच स्थान निर्धारित

बैठक में मौजूद टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्यों ने फर्रूखनगर के बस अड्डे, दिल्ली गेट, बाजार आदि में रेहड़ी लगाकर जाम जैसे हालात पर काबू पाने के लिए रेहड़ी लगाने वाले 64 लोगों की सूची तैयार करके उनके लिए पांच स्थान निर्धारित किए है। सभी रेहड़ी लगाने वाले दुकानदारों को नपा द्वारा न केवल पहचान पत्र, बल्कि स्थान पर दिया जाएगा। अगर कोई रेहडी लगाने वाला स्थान परिर्वतन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नपा सचिव ने बताया कि रेहड़ी वालों के लिए दिल्ली गेट से वाल्मीकि मोहल्ला वाले रास्ते, राजीव चौक, चांद नगर ढ़ाणी रोड पर बाला जी अस्पताल के पास, राजकीय उच्च विद्यालय झज्जर रोड, सब्जी मंडी सहित पांच स्थानों का चयन किया गया है।

डीएपी खाद के प्रति बैग पर किसानों को 50 रुपये की छूट

गुरुग्राम। किसानों को हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन महासंघ समिति (हैफेड) द्वारा डीएपी खाद के प्रति बैग पर 50 रूपए की छूट दी जा रही है। यह छूट किसानों को 31 मार्च 2020 तक दी जाएगी। हैफेड के अध्यक्ष सुभाष कत्याल ने बताया कि पहले किसानो को खाद का बैग 1200 रूपए में मिलता था, वही अब किसानों को खाद का बैग 1150 रूपए में मिलेगा। उन्होंने बताया कि किसान इस छूट का लाभ 31 मार्च 2020 तक उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि हैफेड किसानों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले डीएपी और यूरिया उर्वरक उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि खाद केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण स्तर और सहकारी विपणन समितियों में खाद बैग उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रैप के उल्लंघन पर 2.75 लाख रुपये का जुर्माना

गुरुग्राम। नगर निगम द्वारा ग्रेडिड रैस्पांस एक्शन प्लान की अवहेलना करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 10 उल्लंघनकर्ताओं पर 2 लाख 75 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। निगम टीमें ग्रैप की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए रात-दिन कार्य कर रही हैं। टीमों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से कचरा डालने के मामले में दो व्यक्तियों पर 1000 रूपए, कचरा जलाने के मामले में 5 व्यक्तियों पर 25 हजार रूपए तथा प्रदूषण बढ़ाने वाली अन्य गतिविधियां करने वाले 3 व्यक्तियों पर 1500 रूपए का जुर्माना लगाया गया है। नगर निगम गुरूग्राम के आयुक्त एवं जिला उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि ग्रैप की पालना में मुख्य सड़कों एवं पेड़ों पर पानी का छिड़काव जारी है। इस कार्य के लिए 17 टैंकर तथा 4 दमकल वाहन तैनात हैं, जो सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट के शोधित पानी का छिड़काव लगातार कर रहे हैं। मुख्य सड़कों की सफाई रात्रि के समय 4 स्वीपिंग मशीनों द्वारा की जा रही है।

एबीवीपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बने हितेश

गुरुग्राम। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के लिए हाल ही में आगरा (उत्तर प्रदेश) में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में हितेश यादव को कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह घोषणा 65वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस सुबैया (चेन्नई) द्वारा आगरा नगर में अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन में की। हितेश यादव मूलत: रेवाड़ी जिले के करनावास गांव से है। उनकी शिक्षा एमए तक हुई है। वर्ष 2010 से अभाविप के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वर्ष 2015 से अभाविप के पूर्णकालिक कार्यकर्ता है। पूर्व में रेवाड़ी नगर इकाई सह-मंत्री, झज्जर जिला संगठन मंत्री, गुरुग्राम व नूंह द्वि-जिला संगठन मंत्री रहे हैं। वर्तमान में दो वर्ष से हरियाणा प्रदेश सह-मंत्री व साथ में करनाल व पानीपत के द्वि-जिला संगठन मंत्री है।

पॉक्सो एक्ट के मामले में आरोपी को 20 साल की कैद

गुरुग्राम। पॉक्सो एक्ट के मामले की सुनवाई करते हुए वीरवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज गुप्ता की फास्ट ट्रैक अदालत ने आरोपी को 20 साल की कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की धनराशि में से 40 हजार रुपए पीड़िता को देने के आदेश भी अदालत ने दिए हैं। बता दें कि सेक्टर-44 क्षेत्र स्थित झुग्गी में रहने वाले एक व्यक्ति ने 30 अप्रैल 2016 को सुशांत लोक पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने परिवार के साथ रहता है। क्षेत्र में ही चाय की दुकान चलाता है। एक युवक जोकि क्षेत्र स्थित एक शराब के ठेके के अहाते में काम करता है। वह युवक दुकान पर चाय पीने आता रहता था। वह गत शाम उसकी सात वर्षीय पुत्री को दही लेने के बहाने अपने साथ ले गया था। थोड़ी देर में उसे सूचना मिली कि उसकी पुत्री कन्हई गांव स्थित सब्जी मंडी में पड़ी हुई है। वह उसे लेकर चिकित्सकों के पास गया। उन्होंने बताया था कि लड़की की हालत गंभीर है, उसके साथ गलत काम किया गया है। मासूम को सिविल अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया। पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जिसकी पहचान मध्यप्रदेश मूल के अंबरीश के रुप में हुई थी। मामला अदालत में चला। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध होना पाते हुए अदालत ने आरोपी को 20 साल कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

एक दर्जन आरोपी बरी

गुरुग्राम। सरकारी काम में बाधा डालने व भड़काऊ भाषण देने की आपराधिक धाराओं में दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मधुर बजाज की अदालत ने सबूतों व गवाहों के अभाव में एक दर्जन आरोपियों को बरी कर दिया है। जानकारी के अनुसार 4 दिसम्बर 2014 को पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन कराने के लिए आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र स्थित शीतला कालोनी में अवैध निर्माण को तोड़ने के लिए नगर निगम व प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे थे। जब उन्होंने अवैध निर्माण तोड़ने के लिए तोड़फोड़ दस्ते ने वायुसेना की दीवार तोड़कर कालोनी में जाने का रास्ता बनाना शुरु किया तो क्षेत्र के काफी लोग एकत्रित हो गए, जिस पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े थे। पुलिस ने आरोप लगाया था कि स्थानीय नेता भी आ गए और उन्होंने जनता को भड़काने के लिए भाषणबाजी शुरु कर दी तथा प्रशासन के काम में बाधा डालनी शुरु कर दी थी। अधिवक्ता ने बताया कि पुलिस ने क्षेत्र के गजे सिंह कबलाना, कुलराज कटारिया, राजबीर कटारिया, आनंद सिंह, बलवीर सिंह सैनी, कैलाश, सतीश, शमीम खान, कुलदीप जांघू, राजेंद्र कटारिया, उमेश तिवारी, पवन राठौड़, ललित, निर्मला देवी, शरबती सहित 16 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने इस मामले में 21 गवाह बनाए थे, लेकिन 9 गवाहों की गवाहियां अभियोजन पक्ष नहीं करा पाया, जिस पर अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के अभाव में गजे सिंह कबलाना, कुलराज कटारिया, राजबीर कटारिया, आनंद सिंह, बलवीर सिंह सैनी, कैलाश, सतीश, शमीम खान, कुलदीप जांघू, राजेंद्र कटारिया, ललित, शरबती को आरोपों से बरी कर दिया है।

एसडीएम ने किया अस्पताल का दौरा, गायब मिला डाक्टर

नूंह। पुन्हाना उपमंडल की नवयुक्त उपमंडल अधिकारी वैशाली शर्मा ने लोगों की समस्याओं को देखते हुए बुधवार को पिनगवां सीएचसी का दौरा कर जायजा लिया। इस मौके पर सीएचसी का मैन डाक्टर डयूटी से गायब मिला पूछने पर कर्मचारियों ने डाक्टर को मांडीखेड़ा अस्पताल मीटिंग में बताया। इसके अलावा एसडीएम ने सीएचसी के कमरे, वार्ड, गायनी वार्ड, डिस्पेंसरी का भी जायजा लिया और वहां पर खड़ी हुई एंबुलेंस की भी जांच की। सीएचसी में नियुक्त कर्मचारियों ने एसडीएम को बताया कि यहां पर हर रोज दो सौ से अधिक लोगों को देखा जाता है, जिसके लिए डाक्टरों की भी कमी है साथ में जर्जर बिल्डिंग की भी कर्मचारियों ने एसडीएम से शिकायत की और सामने बनी हुई सीएचसी की बिल्डिंग को जल्द चालू कराने की मांग की, जिस पर एसडीएम वैशाली शर्मा ने सीएचसी के लिए बनकर तैयार हुई बिल्डिंग का भी दौरा किया।

गुरुग्राम में खेड़कीदौला टोल प्लाजा पर 10 फास्ट टैग लेन पर हुआ ट्रायल

एक दिसम्बर से नकदी की बजाय फास्ट टैग से होगा टोल का भुगतान

सभी टोल प्लाजाओं पर की जा रही हैं तैयारियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकार द्वारा देश के टोल प्लाजाओं पर कैश रूप में टोल टैक्स का भुगतान बंद करके केवल फास्ट टैग के माध्यम से ही भुगतान का नियम एक दिसम्बर 2019 से लागू हो जायेगी। इसमें मात्र एक दिन बाकी बचा है। इसलिए टोल प्लाजा संचालक इसकी तैयारियों में जुटे हैं। यहां खेड़कीदौला टोल प्लाजा पर फास्ट टैग वाले वाहनों के लिए 10 लेन तैयार की गई हैं। यह टोल प्लाजा दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गुरुग्राम में खेड़कीदौला गांव के पास बना है।

कल यानी 30 नवम्बर की आधी रात के बाद जैसे ही एक दिसम्बर 2019 यानी साल 2019 का आखिरी महीने का पहला दिन शुरू होगा, वैसे ही देश के टोल प्लाजाओं पर टोल टैक्स के रूप में नकद भुगतान लेना बंद कर दिया जायेगा। केवल फास्ट टैग के जरिये ही भुगतान ऑनलाइन होगा। इसके लिए गुरुग्राम के खेड़कीदौला टोल प्लाजा प्रबंधन काफी सक्रियता दिखा रहा है।

दिल्ली-जयपुर हाइवे होने के चलते इस टोल प्लाजा पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रहती हैं। जो कि जाम का प्रमुख कारण बनती हैं और यहां पर लगने वाले जाम की गूंज दिल्ली तक जाती है। अब फास्ट टैग के जरिये टोल का भुगतान शुरू होने के बाद उम्मीद है कि यहां से जाम की स्थिति पूरी तरह से बदल जायेगी और वाहन बिना किसी बाधा के निकल सकेंगे। इस टोल पर फास्ट टैग की तैयारियों का जायजा लेने को गुरुवार को प्रबंधन की ओर से ट्रायल किया गया। दोनों तरफ की पांच-पांच लेन को केवल फास्ट टैग की लेन बनाया गया। इस दौरान सामने आने वाली खामियों को भी बारीकी से परखा गया, ताकि एक दिसम्बर से पहले ही इनको दूर कर लिया जाये।

बता दें कि खेड़कीदौला टोल प्लाजा पर दोनों तरफ की मिलाकर 25 लेन हैं। इन सभी लेन में वैसे तो पहले से ही फास्ट टैग सिस्टम लगे हैं। फिर भी वाहन चालकों से पेमेंट नकदी रूप में भी ली जा रही थी। अब चूंकि सरकार ने नकदी लेन-देन को बंद करने का निर्णय लिया है तो यहां पर सभी फास्ट टैग से ही भुगतान लिया जायेगी। यहां के सिस्टम को भी अपग्रेड किया जा रहा है।

नि:शुल्क फास्ट टैग बनवाने को घंटों का इंतजार

नेशनल हाइवे अथॅरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की ओर से 30 नवम्बर तक निशुल्क फास्ट टैग वाहनों पर लगाये जा रहे हैं। इसलिए इनको लेने के लिए वाहन चालकों की भीड़ उमड़ी रही है। निशुल्क फास्ट टैग लगवाने को लोग घंटों तक इंतजार भी कर रहे हैं। बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपनी ड्यूटी व अन्य काम छोड़कर फास्ट टैग लगवाने को दिन भर यहां मौजूद रहे। इस बारे में खेड़कीदौला टोल प्लाजा के परियोजना हेड राजेंद्र सिंह का कहना है कि उनकी ओर से ट्रायल भी किया गया। इस दौरान जो भी थोड़ी सी खामियां नजर आई, उन्हें दुरुस्त करने के लिए इंजीनियर्स को गाइडलाइंस दी गई। यह महत्वपूर्ण और अतिव्यस्त टोल प्लाजा है। इसलिए इस पर अतिरिक्त ध्यान दिया जा रहा है।

गुरुग्राम-बादशाहपुर के विधायक बोले, शहर की सुंदरता को योजना तैयार करें अधिकारी

गुरुग्राम के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में निगम अधिकारियों की बैठक लेते गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद।

पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में ली निगम अधिकारियों की बैठक

गुरुग्राम। गुरुग्राम को गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला तथा बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अपने सुझाव दिए और नगर निगम के कार्यों पर अधिकारियों से मंत्रणा व चर्चा की।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला तथा बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने कहा कि हमें गुरूग्राम को स्वच्छ, सुंदर और बेहतरीन शहर बनाना है। विशेष रूप से बागवानी में काफी कार्य करने की आवश्यकता है। अधिकारी पूरे शहर के लिए योजना तैयार करें। अगर किसी मामले में उनके सहयोग की आवश्यकता पड़ती है, तो उन्हें बताएं। सरकार के स्तर पर हरसंभव सहायता वे करवाएंगे। विधायक राकेश दौलताबाद ने बताया कि वे जल्द ही सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंसेंटिव देने वाला बिल पेश करेंगे, ताकि निजी संस्थानों की तरह सरकारी संस्थानों में भी बेहतर कार्य करने वालों को इंसेंटिव मिल सके। बैठक में पहुंचने पर नगर निगम के अतिरिक्त निगमायुक्त मुनीष शर्मा तथा एडिशनल म्यूनिसिपल कमिशनर वाईएस गुप्ता ने दोनों विधायकों का स्वागत किया। दोनों विधायकों के समक्ष वाईएस गुप्ता ने प्रॉपर्टी टैक्स व अन्य कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम सीमा में पूर्व सर्वे के आधार पर 392435 यूनिट पंजीकृत हैं।

रैन बसेरा न होने पर दिव्यांग महिला ने बस स्टैंड पर बच्चों के साथ रात गुजारी

नरेश कुमार। सोहना

सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर शहर में रैन बसेरा स्थापित न होने के कारण दिव्यांग महिला यात्री अपने मासूम बच्चों के साथ रात गुजारती हुई।

सर्दी का प्रकोप अपने ठिठरन की और बढ़ने लगा है। लेकिन सोहना नगरपरिषद ने अभी तक भूले-बिछड़े यात्रियों को रात में ठहरने के लिए रैन बसेरे का प्रबंध शहर में नहीं किया है। रैन बसेरा का सहारा न होने के कारण बुधवार की रात दिव्यांग महिला ने अपने चार मासूम बेटों के संग बस स्टैंड पर बना टिकट बूथ काउंटर में छुपकर काटी। गुरूवार की सुबह उक्त महिला अपने बेटों को लेकर चली गई।

सर्दी शुरू होने के साथ ही नगरपरिषद शहर रात के समय में दूर से आने व दूर जाने वाले यात्रियों को वाहन न मिलने की सूरत में रातभर ठहरने के लिए रैन बसेरे की सुविधा करती है। लेकिन नवंबर माह बीतने को जा रहा है। लेकिन नगरपरिषद द्वारा अभी तक रैन बसेरे की सुविधा भूले-बिछड़े यात्रियों के लिए अभी तक नहीं की है। बुधवार की रात को सीकर राजस्थान से अपने चार बेटों के संग सोहना पहुंची दिव्यांग महिला ने घर जाने के लिए वाहन न मिलने की सूरत में सामान्य बस स्टैंड के अंदर बना टिकट बूथ काउंटर का 4 गुणा 4 फुट के लंबे-चौड़े काउंटर में ही काटी। उक्त दिव्यांग महिला के पास मात्र दो ही सर्दी की गर्म शॉल थी। जिनमें अपने आपको व अपने चार मासूम बेटों को रात भी सर्दी से छुपाकर रखा। रात के समय में बस स्टैंड पर शराबियों और आवारा घूमने वाले बच्चों का आना जाना लगा रहता है। ऐसे लोगों से बचाव करते हुए गुड्डी ने रात भर पलक नहीं मारी। अपने बेटों को बस अपने पास छुपाकर रखा। गुरूवार की सुबह उक्त महिला अपने चारों बेटों को लेकर पति के पास चली गई।

आर्थिक तंगी के कारण बस स्टैंड पर काटी रात

राजस्थान सीकर की रहने वाली दिव्यांग गुड्डी नामक महिला अपने चार बेटा (7 वर्ष, 5 वर्ष, 3 वर्ष और 1 वर्ष) बेटों को लेकर जिस ऑटो में सोहना पहुंची थी। उस ऑटो वालों को देने के लिए किराए के लिए रूपये भी नहीं थे। वह रूपये भी शहर के एक समाज सेवी ने दिए थे। गुड्डी को सोहना से मात्र चार किलोमीटर दूर सांप की नंगली गांव में जाना था। रात के आठ बज चुके थे। पति को फोन किया तो उसने लेने आने का भरोसा देते हुए बातें काट दी। लेकिन गुड्डी का पति नहीं पहुंचा। गुड्डी पति के पास जाने के लिए वाहन सुविधा नहीं थी, क्योंकि उसे कम से कम एक किलोमीटर पैदल चलना था। जो वह दिव्यांग होने के कारण चल नहीं सकती थी।

क्या कहते हैं अधिकारी

सोहना एसडीएम डॉक्टर चिनार ने बताया कि नगरपरिषद को जल्द से जल्द रैन बसेरा स्थापित करने के आदेश जारी किए जा रहे है। ताकि सर्दी के प्रकोप से बेसहारा यात्री को सहारा मिल सके। उन्होने बताया कि इसके साथ-साथ फुटपाथ या खुले में सौने वाले बेसहाराओं को भी सर्दी से बचाव के लिए प्रयास किए जाएंगे।

मेवात में आसमानी बिजली गिरने से दो की मौत, दो घायल

घटना स्थल पर जमा लोग।

नूंह। जिले में गुरुवार को सुबह करीब नौ बजे हल्की बूंदा बांदी के चलते आसमान से कड़की तेज बिजली से नगीना के गांव इमामनगर में आस मोहम्मद उम्र करीब 75 वर्ष व सलीम पुत्र इब्राहीम उम्र 27 वर्ष निवासी ख्वाजलीकलां की मौत हो गई, जबकि ख्वाजलीकला में सलीम के अलावा वकील पुत्र हनीफ उम्र 18 वर्ष व मौसम पुत्र अय्यूब उम्र 26 वर्ष घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नूंह के नलहड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

ख्वाजलीकलां निवासी सलीम पुत्र इब्राहीम, मौसम पुत्र अय्यूब व वकील पुत्र हनीफ गांव से कुछ ही दूरी पर बोरिंग का काम कर रहे थे। जैसे ही बूंदा बांदी होने लगी तो वह एक पेड़ के नीचे बैठ गए। चंद मिन्ट बाद कुदरत के कहर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें सलीम की आसमानी बिजली से मौके पर ही मौत हो गई और मौसम व वकील घायल हो गए। जैसे ही आसमानी बिजली की कड़क लोगों को सुनाई दी तो तेज आवाज से लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाने में जुट गए, तब तक सलीम ने दम तोड़ दिया। इसके अलावा इमामनगर गांव का मृतक आस मोहम्मद अपने घर से जंगल में खेत देखने गया था, जिनकी आसमानी बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई।

बहरामपुर की सड़कों पर बह रहा है गंदा पानी, हो रही परेशानी

बहरामपुर-खटोला औद्योगिक क्षेत्र के मुख्य मार्ग का बुरा हाल

गुरुग्राम के गांव बहरामपुर-खटोला मार्ग पर बह रहे गंदे पानी का दृश्य।

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम मलीन होती जा रही है। यहां अधिकारियों, कर्मचारियों की उपेक्षा के चलते आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। यहां के बहराहमपुर-खटोला मार्ग का इतना बुरा हाल है कि वहां से पैदल निकलना दुभर हो गया है।

बहरामपुर-खटोला के औद्योगिक क्षेत्र की तरफ हम अधिकारियों का ध्यान दिलाना चाहते हैं। पिछले कई माह से यहां के मुख्य मार्ग पर इतना अधिक गंदा पानी बह रहा है कि लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। यहां से बदबू आ रही है। सड़क के साथ में बना नाला अटा पड़ा है, इस कारण से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। इस पानी के कारण चलने व बदबू की परेशानी के साथ बीमारियों फैलने का भी अंदेशा पूरा बना है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश पटेल की ओर से इस बाबत पूर्व में भी मांग उठाई गई थी। उस समय तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री राव नरबीर सिंह ने दो बार मौका मुआयना करके इस समस्या से निजात दिलाई थी, लेकिन अब फिर से वही परेशानी शुरू हो गई है। सर्दी का मौसम है। इसलिए यहां से पानी भी नहीं सूख रहा। यहां से दिन में हजारों श्रमिक व आम नागरिक गुजरते हैं। सभी ने मांग की है कि प्रशासन इस तरफ ध्यान दे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मांग की कि वे फिल्ड में दौरे करके जनता की इस समस्याओं पर एक्शन लें।

बीजेपी नेता ने उठाई अनुबंध आधार पर लगे अनुदेशकों को न्याय दिलाने की आवाज

गुरुग्राम। प्रदेश सरकार से प्रदेश की आईटीआई में लगे अनुबंध आधारित अनुदेशकों को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ के चेयरमैन जीएल शर्मा ने नियमित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर की आईटीआई में पिछले पांच-छह वर्षों से 1410 अनुबंधित अनुदेशक कार्यरत है। सरकार उन्हें नियमित होने का तोहफा प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि अगर बाहर का रास्ता दिखाया जाता है तो उनके सामने रोजगार एवं रोजी रोटी का बड़ा खतरा पैदा होगा। लिहाजा सरकार को 1410 परिवारों का ख्याल करते हुए इन अनुबंधित अनुदेशकों को तत्काल नियमित करने का प्रावधान करना चाहिए। बता दें कि आईटीआई अनुबंध अनुदेशक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जीएल शर्मा से उनके आवास पर मिला और नियमित भर्ती के दौरान अनुबंध पर लगे 1410 अनुदेशकों को नियमित करने की मांग की। संघ के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए जीएल शर्मा ने कहा कि निश्चित ही सरकार उन्हें नियमित करने का तोहफा प्रदान करेगी। उन्होंने तकनीकी शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर अनुबंध आधार पर लगे 1410 अनुदेशकों को नियमित भर्ती के दौरान नियमित करने की मांग की है। हाल ही में प्रदेश सरकार ने प्रदेशभर की आईटीआई में रिक्त पड़े अनुदेशकों के 3206 पदों पर नियमित भर्ती का विज्ञापन जारी किया है।

न्यू जेन मोबिलिटी समिट में नई तकनीक पर रहा जोर

मानेसर में आयोजित की गई न्यू जेन मोबिलिटी समिट-2019

गुरुग्राम के मानेसर में न्यू जेन मोबिलिटी समिट-2019 में लगी इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों का स्टाल।

गुरुग्राम। न्यू जेन मोबिलिटी समिट-2019 के दूसरे दिन गुरुवार को ऑटोमोबाइल क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिनिधियों ने 'इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम एंड ऑटोनोमस व्हीकल्स विषय पर अपने विचार रखे। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं के अलावा विभिन्न विषयों पर छह सैशन रखे गए थे, जिनमें वाहनों में फिट किए जाने वाली इंजन तकनीक सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

न्यू जेन मोबिलिटी समिट-2019 के दूसरे दिन नीति आयोग, एमएसआईएल, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, डिलॉयट, पॉलरिस सहित कई नामी कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित कई नामी कंपनियों ने भाग लिया। समिट में इलेक्ट्रिफिकेशन सिस्टम मॉडलिंग सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मंथन किया गया। इस अवसर पर ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आए प्रबुद्ध व्यक्तियों ने अपने विचार रखते हुए भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की। समिट में सड़क सुरक्षा संबंधी तथा नई तकनीक पर आधारित ट्रैक डेमो भी रखे गए थे।

माफिया ने पुलिस टीम पर की फायरिंग

रेत माफिया कर रहा था अवैध खनन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव शेरपुर मौजाबाद में बुधवार सुबह कुछ माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से यमुना नदी में खनन कर ट्रैक्टर ट्रालियों की मदद से रेत चुराने का काम किया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पुलिस को आते देख आरोपी रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रालियों को लेकर मौके से भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा करने पर आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। आरोपी फायरिंग करते हुए उप्र की सीमा में घुसकर भाग निकले।

थाना तिगांव में दर्ज मामले के मुताबिक एएसआई नरेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह इसी थाने में तैनात है। बुधवार सुबह करीब 11 बजे के आस-पास वह अपने साथी पुलिस कर्मचारियों के साथ सरकारी गाड़ी पर सवार होकर इलाके में गश्त पड़ताल कर रहा था। उसी दौरान एक मुखबिर ने मुलाकात कर सूचना दी कि कुछ रेत माफिया यमुना नदी के किनारे जेसीबी क्रैनों की मदद से अवैध खनन कर यमुना रेत निकाल रहे हैं।

आरोपी इस रेत को ट्रैक्टर ट्रालियों की मदद से चुराकर उप्र ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वह साथी पुलिस कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंच गया। जहां उन्होंने देखा कि आरोपियों ने छह सात ट्रैक्टर ट्रालियों में यमुना रेत भरी हुई थी।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को ललकारा, तो वह ट्रैक्टर ट्रालियों पर सवार होकर मौके से भागने लगे। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा करना शुरू कर दिया। पीछे करते देख आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। पुलिस टीम ने खुद को बचाते हुए काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन आरोपी बच निकलने में कामयाब हो गए। आरोपियों की पहचान उप्र निवासी सत्ते, बबली, इंदर और शेरू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास और सरकारी ड्यूटी में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

सोनल गोयल एक्शन में अफसरों को फटकारा

फरीदाबाद। नगर निगम आयुक्त सोनल गोयल बृहस्पतिवार की सुबह फुल एक्शन में दिखीं। उन्होंने कई इलाकों की सफाई व्यवस्था का दौरा कर हालात देखे और कमी पाए जाने पर अधिकारियों की जमकर फटकार लगाई और उन्हें अपने काम में सुधार लाने के निर्देश दिए। निगम के अधीक्षण अभियंता विरेन्द्र करदम, कार्यकारी अभियंता विजय ढाका व सहायक अभियंता जीतराम निगमायुक्त के साथ इस दौरे में शामिल थे। निगमायुक्त सबसे पहले वार्ड-19 के वार्ड कार्यालय पहुंची, जहां उन्होंने लोगों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित सहायक अभियंता तथा कनिष्ठ अभियंता को वार्ड कार्यालय की व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए।

हलवाइयों को खाद्य में मिलावट न करने की कसम दिलवाई

फरीदाबाद। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की तरफ से फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम का आयोजन बीके सिविल अस्पताल परिसर में किया गया। इस फास्टटैग कार्यक्रम में हलवाई और डेयरी मालिकों को खाद्य पदार्थों को सेफ, स्वच्छ और साफ रखने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान उन्हें खाद्य और पेय पदार्थों में हाइजीन कैसे रखें, इसके बारे में भी जागरूक किया गया और इस बारे में शपथ दिलाई गई।

फूड सेफ्टी कार्यालय के क्लर्क मनेंद्र ने बताया कि कार्यक्रम में सेफ्टी सुपरवाइजर ट्रेनिंग के ट्रेनर अजय

गोयल और उनकी टीम ने सभी को जागरूक किया। इस मौके पर डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राम भगत और फूड सेफ्टी के अकाउंटेंट राजीव के अलावा शहर के विभिन्न इलाकों में मिठाई की दुकान चलाने वाले और डेयरी संचालक समेत करीब 35 लोग शामिल रहे। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने खाद्य और पेय पदार्थों में मिलावट न करने की कसम खाई।

छात्राओं को करना होगा एक साल और इंतजार

सेक्टर दो कॉलेज की बिल्डिंग अधूरी, नचौली और मोहना का भवन अंतिम चरण में

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर दो में बन रहे कॉलेज में इस वर्ष दाखिला लेने का सपना देख रही छात्राओं को अभी एक वर्ष का और इंतजार करना पड़ेगा। इस भवन का निर्माण अभी पूरा नहीं हो पाया है और इसमें एक वर्ष लग जाएगा।

बल्लभगढ़ की ग्रामीण छात्राओं की परेशानियों को देखते हुए तीन महिला कॉलेज बनाने की घोषणा की गई थी, जिसमें सेक्टर-दो में एक महिला कॉलेज बनाए जाने की घोषणा के अलावा मोहना और नचौली में कॉलेज बनाए जा रहे थे। सेक्टर-दो में बन रहे कॉलेज की बिल्डिंग का काम आधे से ज्यादा अधूरा पड़ा है। हालांकि मोहना और नचौली में बन रहे कॉलेजों की बिल्डिंग का काम अंतिम चरण में है, लेकिन इनकी जांच के बाद इन्हें हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट को सौंपा जाएगा। ऐसे में तीनों कॉलेजों में छात्राओं को इस बार दाखिला लेना मुश्किल लग रहा है। अधिकारी मोहना और नचौली में नए सत्र में कॉलेजों में कक्षाएं लगाने के दावे कर रहे है। वहीं सेक्टर-दो के कॉलेज में आगामी वर्ष 2021-2022 में कक्षाएं लगाने की घोषणाएं की जा रही है। सेक्टर-दो में बन रहा कॉलेज पांच एकड़ जमीन पर 11 करोड़, 28 लाख रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इसका काम अप्रैल महीने में शुरू हुआ था। अधिकारियों के अनुसार दिसंबर 2020 के अंत में या फिर वर्ष 2021 की शुरूआत में इस कॉलेज की बिल्डिंग का निर्माण पूरा हो सकेगा, जिसके बाद यहां पर क्लासें लगना शुरू हो सकेंगी। बल्लभगढ़ महिला कॉलेज की क्लासें फिलहाल बल्लभगढ़-तिगांव रोड स्थित गर्ल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल में लगाई जा रही हैं। वहीं नचौली कॉलेज की कक्षाएं सेक्टर-16 स्थित महिला कॉलेज में लग रही हैं। पीडब्ल्यूडी एक्सईएन राहुल सिंह ने बताया कि बल्लभगढ़ में कॉलेज की बिल्डिंग का निर्माण पूरा होने में अभी एक साल का समय लगेगा। उसके बाद ही कॉलेज की बिल्डिंग को हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट को सौंपा जाएगा।

बाईपास के शराब ठेकों की सील टूटी

फरीदाबाद। एनजीटी के आदेश पर फोरेस्ट अफसर और स्टेट ऑफिसर की टीम ने बाईपास रोड पर शराब के 15 अवैध ठेकों को सील किया था। उन ठेकों की सील तोड़ दी गई है।

एनजीटी ने ग्रीनबेल्ट पर सभी अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए हैं। इसलिए बाईपास रोड की ग्रीनबेल्ट पर बने शराब के इन 15 ठेकों को प्रशासन ने सील किया था, लेकिन बृहस्पतिवार को इनकी सील टूटी पाई गई, जो एनजीटी के आदेशों का सरासर उल्लंघन है। इस बारे में स्टेट ऑफिसर विवेक कालिया का कहना है कि उन्होंने 15 सील ठेके में से पांच ठेकों को सामान दूसरी जगह पर शिफ्ट करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। उन्होंने बताया कि यह नियमानुसार किया है।

पीयूष बिल्डर्स के दो निदेशकों की जमानत खारिज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोगों से निवेश करवाने के नाम पर करोड़ों रुपये हड़पने के आरोप में नीमका जेल में बंद पीयूष बिल्डर्स के दो निदेशकों की तरफ से पिछले दिनों जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगभूषण गुप्ता की अदालत में जमानत याचिका दायर की गई थी। अदालत ने बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान इस जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

अदालत में पेश मामले के मुताबिक दिल्ली में रहने वाली सुमन चौधरी ने दो मई, 2018 को यह मामला थाना सेक्टर सात में दर्ज करवाया था कि उन्होंने पीयूष ग्रुप की कंपनी में 72 लाख रुपये निवेश किए थे और कंपनी के निदेशकों ने

मोटा मुनाफा अथवा कंपनी द्वारा तैयार किए जा रहे मॉल में 2500 वर्ग फुट जगह देने का वायदा किया था। बाद में कंपनी ने न तो उसे कोई मुनाफा दिया और न ही जगह दी। रुपये लौटाने की मांग करने पर कंपनी के निदेशकों की तरफ से उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। परेशान होकर उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी। इसके बाद पुलिस ने कंपनी के निदेशक अनिल गोयल, पुनीत गोयल और अमित गोयल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।

जांच के दौरान इस मामले में सात अन्य पीड़ित भी जुड़ गए। तीनों आरोपियों के खिलाफ इसी तरह के धोखाधड़ी के अन्य कई मामले दर्ज हैं, जिनमें तीनों ही फिलहाल नीमका जेल में बंद हैं। गत 22 नवंबर को अमित गोयल और पुनीत गोयल की तरफ से अदालत में जमानत याचिका दायर की गई थी। बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पीड़ित पक्ष के वकील की दलीलों को सुनने के बाद जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

खुदकुशी को विवश करने वाली पत्नी और प्रेमी कैद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जीवन नगर, गौंछी निवासी एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए विवश करने वाली मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जैसमीन शर्मा की अदालत ने सात सात साल की कैद और पांच पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत में पेश मामले के मुताबिक जवाहर कॉलोनी निवासी हरीश कुमार ने यह मामला 19 सितंबर, 2016 को थाना सूरजकुंड में दर्ज करवाया था कि उसका दूसरे नंबर का भाई भूपेश जीवन नगर गौंछी में पत्नी मिथलेश, 16 साल की बेटी और पांच साल का बेटे के साथ रहता था। भूपेश और उसकी पत्नी मिथलेश उर्फ सत्या अलग-अलग कंपनियों में काम करते थे। मिथलेश के अपने साथ काम करने वाले आदर्श नगर, बल्लभगढ़ निवासी जीतू उर्फ जितेंद्र के साथ अवैध संबंध स्थापित हो गए थे। इसके बाद मिथलेश लगातार उससे पीछा छुड़ाने के लिए नए नए बहाने बनाने लगी। मिथलेश की हरकतों की वजह से भूपेश को उस पर संदेह हो गया। भूपेश द्वारा खोजबीन करने पर मिथलेश और जितेंद्र के बीच चल रहे अवैध संबंधों का उसे पता चल गया।

बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए भूपेश ने मिथलेश को लगातार समझाने के प्रयास शुरू कर दिए। इसके बाद दोनों खुलकर अपने अवैध संबंध भूपेश के सामने रखने लगे। विरोध करने पर दोनों उसे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे थे। दोनों से परेशान होकर भूपेश ने सूरजकुंड इलाके में जाकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। भूपेश के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए जितेंद्र व मिथलेश को जिम्मेदार ठहराया था। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों को अदालत में पेश कर दिया था। मामला तभी से अदालत में विचाराधीन था। बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है।

अजय गौड़ के पिता सीपी गौड़ एडवोकेट को दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 12 स्थित कचहरी में मुख्यमन्त्री मनोहर लाल के नवनियुक्त राजनैतिक सचिव अजय गौड़ को बनाने पर वकीलों ने खुशी जाहिर करते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। अजय गौड़ के पिता सीपी गौड़ पूर्व सरकारी वकील हैं और उनके भाई विजय गौड़ इसी कचहरी में में फौजदारी की वकालत करते हैं। उनकी सीट पर जाकर बार काउंसिल के पूर्व मनोनीत सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट व अन्य अधिवक्ताओं ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी और मिठाईयां बांटी गई।

शिवदत्त वशिष्ठ ने कहा कि गौड़ पिछले एक साल से अधिक समय से सीएम ऑफिस का लगातार कामकाज देखते आ रहे हैं। सबसे ज्यादा खुशी अधिवक्ताओं को है, क्योंकि उनकी फैमली में अधिकतर वकील हैं। फिलहाल अजय गौड़ की नियुक्ति को औद्योगिक नगरी

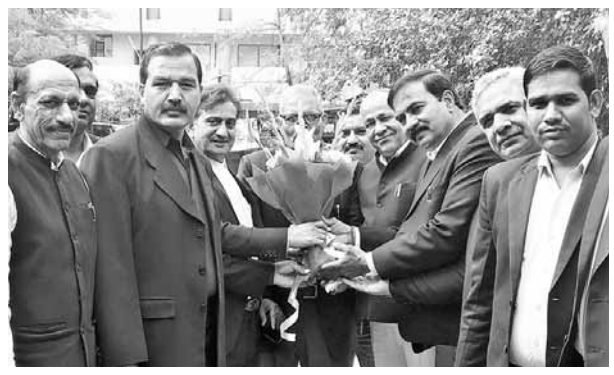

फरीदाबाद को एक नई कामयाबी माना जा रहा है। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान जेपी अधाना, एनके गर्ग ने कहा कि गौड़ के राजनीतिक सचिव बनने से फरीदाबाद के विकास में उन्नति होगी।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता सतेन्द्र भड़ाना, प्रदीप परमार, सुखराम जाखड़, रघुवेश सिंगल, महेश नागर, महेन्द्र कौशिक, सतपाल नागर, कमल भाटी, पवन कौशिक, ललित बैंसला, भारत चंदीला, मनमीत कौर, रविन्द्र रावत, भूपेन्द्र वत्स, मुबीन खान, कृष्ण पाल तेवतिया, कुलदीप जोशी, विजय यादव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

राहगीरी से लोगों को जागरूक करें: ओपी सिंह

फरीदाबाद ।मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी एवं एडीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित की जाने वाली राहगीरी के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों जागरूक करें। राहगीरी का मुख्य उद्देश्य प्रशासन, पुलिस और आम जनता एक साथ इकट्ठा होकर सरकार द्वारा चलाए गए सामाजिक उत्थान के कार्यक्रमों में लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करके कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता लाना है। राहगीरी में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और इसका सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करें। यह निर्देश एडीजीपी ओपी सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए। डीसीपी डॉ. अर्पित जैन ने राहगीरी की तैयारियों की जानकारी मुख्यमंत्री के स्पेशल ऑफिसर को दी। उन्होंने बताया कि आगामी एक दिसंबर को बल्लभगढ़ के सेक्टर दो राहगीरी का आयोजन किया जाएगा।

Chola चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनेंस कम्पनी लिमिटेड

शुद्धिपत्र

उपरिवर्णित कम्पनी हेतु वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। दिनांक 27-09-2019 को सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) के इस विज्ञापन में तोमर अपार्टमेंट, स्वास्थ्य विहार, दिल्ली-110092 में स्थित 7वें तल पर फ्लैट नंबर 702 परिमाप 1734 वर्ग फीट + बेसमेंट नबंर बी-11 में पार्किंग स्पेस के रूप में सम्पत्ति वर्णित की गई थी।

एतद्द्वारा हम सूचित करते हैं कि हमारा उक्त प्रकाशन दिनांकित 27-09-2019 प्रत्याहरित किया जाता है तथा निरस्त माना जाएगा, जबकि हमने समाचारपत्र में दिनांक 19-11-2019 को नई सूचना प्रकाशित की है।

स्थान : दिल्ली + एनसीआर
तिथि : 29-11-2019
हस्ता./-
(प्राधिकृत अधिकारी)
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that the share certificate(s) no(s) 58627, 124851, 192890. 263011 ordinary shares bearing distinctive No(s) 94365391 to 94366030 (640 Share), 2550615811 to 2550616130 (320 Share), 3919007389 to 3919008348 (960 Share), 8111233424 to 8111234383 (960 Share) of ITC Limited standing in the name(s) of Renu Wadhwa & Rakesh Wadhwa has/have been reported lost/stolen and that an application for issue of duplicate certificate(s) in respect thereof has been made to the company's investor service centre, ITC Limited 37, J L Nehru Road, Kolkata - 700071 to whom objection, if any, against issuance of such duplicate share certificate(s) should be made within 15 days from the date of publication of this notice.
The Public are cautioned against dealing in any manner with these shares.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that the below mentioned Share Certificates of M/s GHCL Ltd., GHCL House, Opp. Punjabi Hall, Navrangpura, Ahmedabed - 380009 have been lost. We have applied to the company for the issue of Duplicate Share Certificates.

Name of the Share Holder	Folio No.	No.of Shares	Certificate No.	Distictintive No.
Shanta Handoo & Renuka Reu	0171906	100	396303	1625016 to 1625115
Renuka Reu & Rameshwar Nath Reu	0171905	100	396304	27297616 to 27297715
Renuka Reu & Rameshwar Nath Reu	0171905	100	396305	27754716 to 27754815

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Home Finance | शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक की दूसरी मंजिल, वीडियोकॉन टॉवर, झंडेवालान एक्सट, नई दिल्ली -110055

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतरर्गत आईसीआईसीआइ होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ केई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआइ होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	प्रवीण जुनेजा/ बेला जुनेजा/ भा एसोसिएट-LBDEL00000968103	ई -47, ग्राउंड एंड फर्स्ट फ्लोर, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली/ 23 नवंबर, 2019	21 जुलाई, 2016 ₹ 45,76,317/-	दिल्ली / एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: नवंबर 29, 2019
स्थान: नई दिल्ली

हस्ते/
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लि.

ज्यादातर पुरुष मानते हैं रिवीलिंग क्लॉथ यौन उत्पीड़न को उकसाते हैं!

अक्षरा सेंटर ने जारी की 'बिग स्मॉल स्टेप्स' रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अक्षरा सेंटर द्वारा अपनी रिपोर्ट 'बिग स्मॉल स्टेप्स' का विमोचन किया गया, जो शहरी युवाओं, चेंजमेकर और भविष्य के नेताओं के बीच जेंडर समानता और जेंडर संबंधी मान्यताओं की स्वीकृति का आंकलन करती है। रिपोर्ट के मुताबिक 54.8 फीसदी पुरुष और 39.2 फीसदी महिलाएं आम तौर पर समाज में बने इस मिथक को मजबूती से मानती हैं कि रिवीलिंग क्लॉथ बलात्कार या यौन उत्पीड़न के लिए उकसाते हैं। महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा को पुरुषों और महिलाओं दोनों ने खारिज किया। हालांकि 42.6 फीसदी पुरुषों ने कहा कि अगर हिंसा होती है, तो महिलाओं को परिवार को एक साथ रखने के लिए इसे सहन करना चाहिए। एक 'असली' पुरुष कोई गृहकार्य भी नहीं करता है। केवल 1.5 फीसदी पुरुषों ने कहा कि खाना पकाने, सफाई और धुलाई करने के बुनियादी काम करने की जिम्मेदारी उनकी भी थी।

अक्षरा सेंटर ने 15-29 वर्ष की आयु के भीतर कुल 6428 युवाओं का सर्वेक्षण किया, जिनमें भारत के विभिन्न

राज्यों के आठ अलग-अलग शहरों के 3364 पुरुष और 3064 महिलाएं थीं। इस सर्वेक्षण में चार महानगरों मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता और चार शहरों विजयवाड़ा, लुधियाना, अहमदाबाद और भुवनेश्वर को शामिल किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक 79.2 फीसदी पुरुषों और 87.4 फीसदी महिलाओं ने कहा कि पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार मिलने चाहिए। अधिकांश युवा सामाजिक रूप से प्रगतिशील थे और उन्होंने पारंपरिक विचारों और सामाजिक मानदंडों को खारिज कर दिया था। वे (58.7 फीसदी पुरुष और 78.7 फीसदी महिलाएं) मंदिरों और मस्जिदों के गर्भगृह में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं देने वाली सामाजिक वर्जना से असहमत थे। वे (51.4 फीसदी पुरुष और 74.7 फीसदी महिलाएं) इस बात से भी सहमत नहीं थे कि माहवारी के दौरान महिलाओं को घर में खाना नहीं बनाना चाहिए। कुछ रिवाज दूसरों रिवाजों की तुलना में अधिक गहरे हैं। पुरुषों (48.8 फीसदी) का मानना था कि माता-पिता का अंतिम संस्कार बेटे द्वारा किया जाना चाहिए। सामाजिक रीति-रिवाजों में कुछ ही महिलाओं (31.3 फीसदी) का विश्वास था।

स्टैंड-अप कॉमेडियन-जैकी ठक्कर, काजोल श्रीनिवासन और पूजा रामचंद्रन ने दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में एक गैर-पारंपरिक फॉर्मेट में रिपोर्ट से कुछ महत्वपपूर्ण तथ्यों को पेश किया। हर व्यक्ति ने जेंडर के बारे में अपने अनौपचारिक विचार रखे।

अक्षरा सेंटर की सह निदेशक नंदिता गांधी ने कहा कि 'जब तक पुरुषों, महिलाओं और सभी जेंडर की अवसरों और संसाधनों तक समान पहुंच नहीं है, हम प्रगति और विकास नहीं कर सकेंगे, जो हमारा अधिकार होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमें बदलाव की आवश्यकता है, क्योंकि हमारा समाज एक बहुत ही असमान और भेदभाव से भरा हुआ समाज है, जिसमें एक समूह आगे की तरफ दौड़ रहा है और दूसरा पीछे छूटता जा रहा है। जब तक हम नहीं जानेंगे कि युवा लोग क्या सोच रहे हैं, हम बदलाव की बात कैसे कर सकते हैं?'

अभिनेता राहुल बोस ने कहा कि अक्षरा सेंटर जेंडर को लेकर एक न्याय संगत समाज बनाने के लिए अथक कार्य कर रहा है। यह रिपोर्ट हमारे लिए यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि जेंडर समानता को लेकर आज भारतीय युवा की सोच क्या है।'

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, दिल्ली : ऐक्सिस बैंक, भू तल, दुकान नंबर 03, 03 (ए), 04 एवं 05 मेगा सिटी मॉल, एमजी रोड गुड़गांव-122001 अन्य पता : ऐक्सिस बैंक लि., तृतीय तल, रेड फोर्ट कैपिटल पार्श्वनाथ टावर, माई वीर सिंह मार्ग, निकट गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001, खुदरा आस्ति केन्द्र, गाजियाबाद : बीएफ-1ए, 2, 3, प्रथम तल, आदित्य सिटी सेंटर, नीति खंड-1, इंदिरापुरम, गाजियाबाद-201012, खुदरा आस्ति केन्द्र, फरीदाबाद : ऐक्सिस बैंक लि., एससीओ-8, हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर-16, फरीदाबाद, हरियाणा-121002, खुदरा आस्ति केन्द्र, गुरूग्राम : ऐक्सिस बैंक लि., एससी गुरूग्राम , एसजी-107, डीएलएफ गैलेरिया कॉम्प्लेक्स, निकट डाक घर, डीएलएफ सिटी फेज-4, गुरूग्राम-122009, कार्पोरेट कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालय : "त्रिशूल", तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,

अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वाराकर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।

कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	1. मांग सूचना की तिथि 2. कब्जा की तिथि 3. मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
मैसर्स दिसा यार्न ऐण्ड फैब्रिक्स, पंजीकृत कार्यालय पता : 111, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 अन्य पता : मैसर्स दिसा यार्न ऐण्ड फैब्रिक्स, 65, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 1. श्रीमती दीप्ति गुप्ता पत्नी - कौशल गुप्ता स्वामी मैसर्स दिसा यार्न ऐण्ड फैब्रिक्स, निवासी 65 ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 अन्य पता : श्रीमती दीप्ति गुप्ता पत्नी - कौशल गुप्ता स्वामी मैसर्स दिसा यार्न ऐण्ड फैब्रिक्स, पता : 111, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 2. श्री कौशल गुप्ता (गारंटर), निवासी 65 ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 अन्य पता : श्री कौशल गुप्ता (गारंटर), पता : 111, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 3. श्रीमती इशिता अग्रवाल (गारंटर), पुत्री श्री कौशल गुप्ता, निवासी 65 ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 अन्य पता : श्रीमती इशिता अग्रवाल (गारंटर), पता : 111, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 4. श्री अर्जित अग्रवाल (गारंटर), पुत्र श्री कौशल गुप्ता, निवासी 65 ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092 अन्य पता : श्री अर्जित अग्रवाल (गारंटर), पता : 111, ए.जी.सी.आर. एन्क्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092	मैसर्स दिसा यार्न ऐण्ड फैब्रिक्स, स्वामी श्रीमती दीप्ति गुप्ता पुत्री श्री किशन गोपाल गर्ग के नाम में इंडस्ट्रियल एरिया, बेन अटारियां, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में स्थित प्लॉट नंबर 2बी, परिमाप 1125 वर्ग मीटर के सभी अंश एवं खंड। उत्तर : लीज डीड के अनुसार पूरब : लीज डीड के अनुसार दक्षिण : लीज डीड के अनुसार पश्चिम : लीज डीड के अनुसार	1. 26-जून-2019 2. 25-नवम्बर-2019 3. रू. 63,23,216.93 (रू. तिरेसठ लाख तेईस हजार दो सौ सोलह तथा पैसे तिरानवे मात्र) 04-मई-2019 तक लम्बित बकाया, जिसमें भावी ब्याज शामिल नहीं है।

एतद्द्वारा उपरि-वर्णित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

तिथि : 29-11-2019
स्थान : दिल्ली

हस्ता/-, प्राधिकृत अधिकारी,
ऐक्सिस बैंक लि.

29-16x2 Axis Bank (Hindi)
Bhandari

DHFL Changing Rules Changing Lives

दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

राष्ट्रीय कार्यालय : एचडीआईएल हाउस, आठवीं मंजिल, अनंत कानेटकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051.
शाखा कार्यालय : डीएचएफएल, ड्रीम्स मॉल, पहली मंजिल, एलबीएस मार्ग, भांडुप (पश्चिम), मुंबई 400078.

माँग सूचना

सिक्य

बुलेट से नहीं बैलेट से होगा विकास : शाह

भाषा। गढ़वा (झारखंड)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने गुरुवार यहां साफ शब्दों में कहा कि विकास बुलेट से नहीं बल्कि बैलेट से होगा क्योंकि जहां अशांति होती है वहां विकास नहीं होता विकास के लिए शांति का होना बहुत जरूरी है।

पांच चरणों में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव में 30 नवंबर के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने नक्सलवाद पर करारा हमला बोला। शाह ने भाजपा की रघुवर दास के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा, वर्तमान भाजपा सरकार ने 5 वर्ष के अपने कार्यकाल में झारखंड और विशेषकर पलामू में नक्सलवाद को समाप्त करने का काम किया है। उन्होंने हाल में चंदवा में हुए नक्सली हमले में चार जवानों के शहीद होने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा, मैं बता देना चाहता हूं कि राज्य में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है और हमारी सरकार नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने दोहराया, विकास बंदूक की गोली से नहीं होगा बल्कि विकास तब होगा जब जनता चुनावों में कमल के बटन पर अपनी अंगुली दबाएगी।

गुरुवार को चतरा जिले में झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले एक चुनावी रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि वर्षों तक राम मंदिर निर्माण कार्य को लटका कर रखा गया। इस मामले में उच्चतम न्यायालय में कांग्रेस ने अड़ंगा लगाकर फैसला नहीं होने दिया। लेकिन अब राम मंदिर पर फैसला आ चुका है। भव्य राम मंदिर बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, कांग्रेस वोट बैंक की वजह से जम्मू कश्मीर से जुड़े अनुच्छेद 370 और 35 ए पर कोई कार्यवाही नहीं कर रही थी। देश की जनता और झारखंड की जनता के प्रचंड बहुमत के बल पर 5 अगस्त 2019 को मोदी जी ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को समाप्त कर एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को सार्थक किया।

370 और 35ए हटाकर मोदी ने पूरे देश से आतंकवाद के खात्मे का श्रीगणेश किया

चतरा, झारखंड (भाषा)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने गुरुवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश से आतंकवाद के खात्मे का श्रीगणेश किया है। झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए प्रथम चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन केन्द्रीय गृह मंत्री ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने यह बात कही। शाह ने कहा, भारतीय जनता पार्टी से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर पूरे देश से आतंकवाद के खात्मे का श्रीगणेश किया है। उन्होंने जनता से पूछा, देश सलामत रहे इसकी झारखंड वालों की जिम्मेदारी है कि नहीं है? आप चाहते हैं या नहीं कि देश सलामत रहे? दस साल तक मौनी बाबा मनमोहन सिंह की सरकार थी। पाकिस्तान से आलिया, मालिया, जमालिया घुस जाते थे। बम धमाके करते थे। सरकार मौन खड़ी रहती थी।

शाह ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार आई, उरी में किया, पुलवामा में किया, दस ही दिन के अंदर एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक कर के पाकिस्तान में घर में घुसकर आतंकवादियों का खात्मा करने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस पिछले 70 सत्तर साल से आतंकवाद की जड़ अनुच्छेद 370 और 35ए को वोट बैंक की राजनीति के लिए संभाल कर रखे हुए थी। लेकिन जैसे ही आप ने नरेन्द्र मोदी जी को झारखंड की 14 में से 12 सीटें दे दीं। भाजपा की बहुमत की सरकार बनी। वह प्रधानमंत्री बने और पांच अगस्त को नरेन्द्र मोदी जी ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को खत्म कर दिया। शाह ने कहा, ऐसा करके नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश से आतंकवाद के खात्मे की शुरुआत कर दी। लेकिन कांग्रेस कहती है कि झारखंड का क्या लेनदेन 370 से? मुझे बताएं युवा कश्मीर हमारा है या नहीं है? कश्मीर भारत का हिस्सा है या नहीं है? उन्होंने दो टूक कहा, सुन लो राहुल गांधी झारखंड की जनता कहती है, कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और वह भारत के साथ है और उसे भारत से कोई छीन नहीं सकता है, यह झारखंड वालों का संकल्प है।

सीबीआई ने मजदूर संघ नेता दत्ता सामंत की हत्या की जांच शुरू की

नई दिल्ली (भाषा)। सीबीआई ने प्रसिद्ध श्रमिक संघ नेता दत्ता सामंत की 1997 में मुंबई में हुई हत्या की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि इसमें जेल में बंद गैंगेस्टर छोटा राजन का हाथ होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि एजेंसी द्वारा 1992 से 14 वर्षों तक छोटा राजन के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली, हत्या और धमकी से जुड़े 10 मामलों में यह मामला भी दर्ज है। अधिकारियों ने कहा कि प्रभावशाली मजदूर संघ नेता सामंत की 16 जनवरी 1997 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस वक्त वह अपनी जीप से मुंबई के पंत नगर इलाके में स्थित अपने दफ्तर जा रहे थे। मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने श्रमिक नेता पर 17 गोलियां दागी थीं। दत्ता सामंत 1981 में मुंबई में कपड़ा मिल कर्मियों की एक साल तक चली हड़ताल के लिए जिम्मेदार थे।

येदियुरप्पा ने सिद्धरमैया, कुमारस्वामी को विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी

भाषा। बेंगलुरू

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता के. सिद्धरमैया और जदएस नेता एच डी कुमारस्वामी के बयानों को लेकर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी। इन बयानों में आरोप लगाया गया था कि अयोग्य ठहराए गए 17 विधायकों को उनकी पार्टी ने खरीदा था।

येदियुरप्पा ने करवार में संवाददाताओं से कहा, मैं एक मानहानि का मामला दायर करने की योजना बना रहा हूं। मैं उनके बयानों की सभी प्रतियां एकत्रित कर रहा हूं। येदियुरप्पा ने यह बात सिद्धरमैया के इस बयान को लेकर पूछे गए सवाल का उत्तर देते हुए कही कि अयोग्य ठहराए गए विधायकों को धनबल का इस्तेमाल करते हुए खरीदा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, हम सिद्धरमैया और कुमारस्वामी के खिलाफ उनके मानहानिकारक और गैर जिम्मेदार बयानों के लिए जल्द ही मानहानि का एक मामला दायर करेंगे।

येदियुरप्पा उपचुनाव में एल्लापुर से भाजपा के उम्मीदवार शिवराम हेब्बार के लिए प्रचार के लिए करवार गए थे। एदियुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस और जदएस के दोनों नेताओं को उनके अपमानजनक बयानों के लिए सबक सिखाने का समय आ गया है। हेब्बार पहले कांग्रेस में थे लेकिन उन्होंने विधानसभा से इस्तीफ दे दिया और उन्हें 16 अन्य के साथ अयोग्य ठहरा दिया गया था। सत्रह विधायकों के इस कदम से गत जुलाई में जदएस-कांग्रेस गठबंधन सरकार गिर गई और भाजपा ने सरकार बना ली थी। उच्चतम न्यायालय द्वारा उपचुनाव लड़ने की इजाजत दिए जाने के बाद हेब्बार भाजपा में शामिल हो गए।

येदियुरप्पा ने चुनाव प्रचार में कहा कि उन्होंने सभी 15 विधानसभा क्षेत्रों में एक दौर का चुनाव प्रचार पूरा कर लिया है और उनके दूसरे दौर का प्रचार करवार जिले के एल्लापुर विधानसभा क्षेत्र से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह दूसरे दौर का अपना चुनाव प्रचार तीन दिसम्बर तक पूरा कर लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने भाजपा की जीत का विश्वास जताते हुए कहा, हमारी उम्मीद से कहीं अधिक माहौल हमारे पक्ष में है। हम सभी 15 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। येदियुरप्पा ने दावा किया कि कांग्रेस और जदएस के नेता विकास के बारे में बातें नहीं कर रहे हैं।

लालू को अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी की घोषणा कर देनी चाहिए : रामविलास पासवान

भाषा। पटना

केंद्रीय मंत्री और लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान ने गुरुवार को कहा कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद सहित देश के अन्य वयोवृद्ध राजनेताओं को नई पीढी को मौका देते हुए अपने-अपने राजनीतिक उत्तराधिकारियों की घोषणा कर देनी चाहिए।

पटना के बापू सभागार में लोजपा के स्थापना दिवस पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए रामविलास ने अपने पुत्र चिराग पासवान के पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और भतीजा प्रिंस राज को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें शुभकामना दी, खुशी का इजहार किया और कहा हम तो दूसरे लोगों को भी कहेंगे भईया नया जेनरेशन है, छोड़ते (पार्टी पद) क्यों नहीं हो। लालू जी जेल में बंद हैं। अपने ही बच्चों में बनाना है (राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष)। चाहे तेजस्वी, तेजप्रताप या मीसा को बनावें। किसी को भी बना दें। झारखंड में सीबू सोरेन भी अपना (झामुमो प्रमुख का पद) पकड़े हुए हैं। मुलायम सिंह यादव को जबतक अखिलेश यादव ने नहीं हटाया तबतक पकड़े रहे। उधर देवगौडा जी 93 साल के हो गए हैं। उधर अकाली दल के हैं सभी जगह। उन्होंने कहा, नया जेनरेशन आ गया है। अपने जीते जी देख लो कि हमने जिस पौधे को लगाया है वह पौधा फल फूल रहा है। हमारी जो आगे आने वाली पीढी है। हर बाप को चाहत होनी चाहिए कि हम जितनी दूरी पर पहुंचे हैं, हमारी संतान चाहे बेटा हो या बेटी उससे भी आगे बढे। इसलिए पढाईए लिखाईए अपना उत्ताधिकारी बनाकर उसे आगे बढाने का काम कीजिए। हमलोगों ने किया। परिवारवाद करने के आरोप के बारे में रामविलास ने कहा ऐसा कोई एक पीढी में कर सकता है।

क्विक न्यूज

एनआरसी के पूर्व संयोजक प्रतीक हजेला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गुवाहाटी (भाषा)। एनजीओ असम पब्लिक वर्क्स (एपीडब्ल्यू) ने एनआरसी के पूर्व संयोजक प्रतीक हजेला के खिलाफ सीबीआई की भ्रष्टाचार रोधी शाखा में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राज्य में एनआरसी अद्यतन करने में बड़े स्तर पर सरकारी धनराशि के गबन का आरोप लगाया। उच्चतम न्यायालय की निगरानी के तहत असम में एनआरसी को अपडेट करने के लिए शीर्ष न्यायालय में मूल याचिकाकर्ता एपीडब्ल्यू ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए एनआरसी के पूर्व राज्य संयोजक और उनके करीबी सहायकों द्वारा सरकारी धनराशि के गबन-भ्रष्टाचार मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया है। गैर सरकारी संस्था एपीडब्ल्यू के सदस्य राजीव डेका द्वारा दर्ज कराए गए मामले में कहा गया है कि केंद्र सरकार राज्य संयोजक के जरिए एनआरसी अद्यतन प्रक्रिया के लिए धनराशि प्रदान कर रही थी। शिकायत में कहा गया, सूचना के मुताबिक लगभग 1600 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके है और हमने धनराशि के इस्तेमाल की समूची प्रक्रिया की छानबीन कराने का अनुरोध किया है क्योंकि विभिन्न खर्चे के नाम पर कई गड़बड़ियां और वित्तीय अनियमितता हुई। एफआईआर की एक प्रति मीडिया को भी उपलब्ध कराई गई। इसमें दावा किया गया कि हजेला ने अपने सलाहकार के तौर पर कई सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों को नियुक्त किया और उन्हे नई गाड़ियां मुहैया कराई गई और आकर्षक वेतन दिए गए।

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में खुलेंगे एकलव्य विद्यालय

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने कहा है कि अनुसूचित जनजाति बहुल इलाकों में आदिवासी समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुविधा मुहैया कराने के लिए नवोदय विद्यालयों की तर्ज पर एकलव्य विद्यालय जल्द ही खोले जाएंगे। जनजातीय कार्य राज्यमंत्री रेणुका सिंह सरुता ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल के जवाब में बताया कि देश के सुदूरवर्ती इलाकों में एकलव्य आवासीय विद्यालय शुरु किए है। इसके तहत देश भर में स्वीकृत 438 एकलव्य मॉडल स्कूलों में से 282 स्कूल संचालित हो रहे है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी वाले जिलों या 20 हजार से अधिक आदिवासी आबादी वाले ब्लॉक में एकलव्य मॉडल विद्यालय खोले जाएंगे। सरुता ने बताया कि ऐसे 594 आदिवासी बहुल ब्लॉक चिन्हित कर लिए गए है और इनमें नवोदय विद्यालय की तर्ज पर अगले शैक्षिक सत्र से एकलव्य विद्यालय शुरु किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों, दूरदराज के पर्वतीय क्षेत्रों और नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में इन विद्यालयों के निर्माण के लिए राज्यों को दी जाने वाली राशि में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी कर प्रति स्कूल 20 करोड़ रुपए कर दिया है। एक पूरक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि झारखंड में 46 एकलव्य विद्यालय स्वीकृत किए गए है।

सिंधिया अगर नई पार्टी बनाते हैं तो उसमें शामिल होने वाला मैं पहला होऊंगा : कांग्रेस विधायक राठखेड़ा

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस के विधायक सुरेश राठखेड़ा ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया यदि नया राजनीतिक दल बनाते हैं तो वह उसमें शामिल होने वाले सबसे पहले व्यक्ति होंगे। हालांकि, इसके साथ ही सिंधिया के कट्टर समर्थक शिवपुरी जिले की पोहरी विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक राठखेड़ा ने सिंधिया द्वारा नई पार्टी बनाने की किसी भी संभावना से इंकार किया।

सिंधिया द्वारा अपने ट्विटर एकांउट के स्टेटस से कांग्रेस पार्टी का नाम हटाए जाने के बाद मध्यप्रदेश के राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह संगठन से नाखुश हैं। राठखेड़ा ने शिवपुरी में भाषा से बातचीत के दौरान कहा कि यद्यपि मेरे और महाराज (सिंधिया के समर्थक उन्हें इसी संबोधन से बुलाते हैं) के लिए पार्टी सर्वोपरि है। महाराज ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे। मेरे लिए सिंधिया इष्ट देव की तरह हैं। मैं उनका सेवक हूं। राठखेड़ा ने यह भी कहा, पत्रकारों के बार-बार कुरेदने पर बयान दिया है अन्यथा महाराज से मेरी ऐसी कोई बात नहीं हुई है। इससे पहले राठखेड़ा ने इस संबंध में एक बयान देते हुए कहा कि सिंधिया के छोड़ने की कहीं कोई संभावना नहीं है। वह किसी अन्य पार्टी में नहीं जाएंगे। श्रीमंत सिंधिया एक मात्र ऐसे नेता हैं जो खुद जब चाहेंगे, नई पार्टी खड़ी कर देंगे और यदि ऐसा होता है तो मैं पहला व्यक्ति होऊंगा जो उनके साथ खड़ा नजर आएगा।

सिंधिया के बारे में चल रही राजनीतिक चर्चा के बीच कांग्रेस के पूर्व नेता और पूर्व ओलंपियन असलम शेर खान ने कहा कि सिंधिया एक मजबूत नेता हैं और उनकी क्षमताओं का इस्तेमाल पार्टी की प्रदेश इकाई को करना चाहिए। बुधवार को हरदा में पत्रकारों से बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सिंधिया को खुलकर बोलने की सलाह भी दी। असलम ने कहा, पार्टी में सिंधिया के ऐसे समर्थकों की बड़ी संख्या है जो उनके लिए कुछ भी कर सकते हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में कांग्रेस को उनके प्रचार के कारण सफलता मिली। इससे कांग्रेस को प्रदेश में सरकार बनाने में मदद मिली।

इस बीच सिंधिया के करीबी माने जाने वाले प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि राठखेड़ा की टिप्पणियां उनके निजी विचार हैं। उन्होंने कहा, सिंधिंया ने कई बार स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस में हैं। विधायक के विचार एक काल्पनिक स्थिति पर आधारित हैं। ग्वालियर के पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने भी कहा कि सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने की अटकलें निराधार हैं। अग्रवाल ने कहा, सिंधिया कांग्रेस में हैं और हम सब उनके साथ हैं। अपने परिवार के गढ़ गुना लोकसभा सीट से इस साल की शुरुआत में चुनाव हार चुके सिंधिया भी कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को निराधार बताते हुए खारिज कर चुके हैं।

बाबरी मस्जिद विध्वंस की सालगिरह के मद्देनजर मदुरै में गुरुवार को पुलिस कर्मियों ने मीनाक्षी सुंदरश्वर मंदिर के परिसर का निरीक्षण किया

बालमोहन विद्यामंदिर में भी जश्न का माहौल

भाषा। मुम्बई

मध्य मुम्बई स्थित शिवाजी पार्क मैदान में गुरुवार को उद्धव ठाकरे के महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने को लेकर बालमोहन विद्यामंदिर में भी जश्न का माहौल है।

शिवसेना प्रमुख ठाकरे ही नहीं बल्कि मंत्री के तौर पर शपथ लेने जा रहे राकांपा नेता जयंत पाटिल भी इस स्कूल के पूर्व छात्र हैं। ठाकरे बालमोहन विद्यामंदिर के 1976 बैच के छात्र हैं। तीन दिन पहले उनका नाम महाराष्ट्र विकास आघाडी की एक बैठक में मुख्यमंत्री पद के लिए तय किया गया था। स्कूल के शिक्षकों, ट्रस्टी और वर्तमान एवं पूर्व छात्रों में खुशी और उत्साह है।

● इसी स्कूल में उद्धव और जयंत पाटिल ने की थी पढ़ाई

राज्य के शीर्ष पद के लिए ठाकरे का नाम तय होने के बाद उनके साथ पढ़ाई कर चुके कुछ पूर्व छात्र स्कूल पहुंचे। ठाकरे पहली बार सरकार में किसी पद पर आसीन होंगे, हालांकि जयंत पाटिल पूर्व में कांग्रेस..राकांपा सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। स्कूल में पाटिल ठाकरे से एक वर्ष कनिष्ठ थे। दोनों राजनीतिक परिवारों से आते हैं। उद्धव के पिता बाल ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की थी जबकि पाटिल के पिता राजाराम बापू पाटिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे।

यद्यपि किसी ने इसकी कल्पना भी नहीं की थी कि एक ही स्कूल में पढ़े दोनों नेता एक ही कैबिनेट में शामिल होंगे क्योंकि शिवसेना और राकांपा (कांग्रेस से अलग होकर बनी) राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ रही हैं। स्कूल के ट्रस्टी एवं निदेशक गुरुप्रसाद रेगे ने पीटीआई से कहा, यह स्कूल के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे छात्र (मंत्री) पद की शपथ लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद देश में ऐसा पहली बार हो रहा हो कि एक ही स्कूल के दो छात्र मंत्री बन रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी प्रसन्न हैं और निश्चित तौर पर इसका जश्न मनाएंगे। दोनों नेताओं के इस पद पर आसीन होने को देशनिर्माण में स्कूल के योगदान के तौर पर देखा जा सकता है।

देश में हर साल मारे जाते हैं औसतन 19,620 पैदल यात्री

भाषा। नई दिल्ली

देश में हर साल पैदल चलने वाले औसतन 19,620 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं और यह आंकड़ा सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों की कुल संख्या का औसतन करीब 12 प्रतिशत है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पेश किए गए सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्र के पुलिस विभाग से प्राप्त 2016 से 2018 के सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों से यह बात स्पष्ट हुई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2016 में देश में सड़क दुर्घटनाओं में 1,50,785 लोग मारे गए जिसमें 15,746 पैदल यात्री शामिल हैं। वर्ष 2017 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,47,913 लोग मारे गए जिसमें 20,457 पैदल यात्री शामिल हैं। साल 2018 में 1,51,417 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए जिसमें 22,656 पैदल यात्री शामिल हैं। इस प्रकार पिछले तीन वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में औसतन 19,620 पैदल यात्री मारे गए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एम श्रीनिवास के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में पिछले तीन वर्षों में औसतन सबसे अधिक पद यात्रियों की मौत के मामले तमिलनाडु में सामने आए। इसके बाद महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना जैसे राज्यों का स्थान आता है।

तमिलनाडु में 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 2966 पैदल यात्री , साल 2017 में 3507 पैदल यात्री, 2018 में 768 पैदल यात्री मारे गए। महाराष्ट्र में 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 2103 पैदल यात्री, साल 2017 में 1831 पैदल यात्री, 2018 में 2515 पैदल यात्री मारे गए। मध्य प्रदेश में 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 1627 पैदल यात्री, साल 2017 में 1280 पैदल यात्री, 2018 में 1504 पैदल यात्री मारे गए। केरल में 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 1246 पैदल यात्री, साल 2017 में 1332 पैदल यात्री, 2018 में 1250 पैदल यात्री मारे गए। आंध्र प्रदेश में 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 1251 पैदल यात्री , साल 2017 में 1379 पैदल यात्री, 2018 में 1569 पैदल यात्री मारे गए। उत्तर प्रदेश में 2018 में 1366 पैदल यात्री, पश्चिम बंगाल में 2618 पैदल यात्री, राजस्थान में 1448 पैदल यात्री, हरियाणा में 1471 पैदल यात्री सड़क हादसों में मारे गए।

गडकरी ने कहा कि फुटपाथ, फुटओवर ब्रिज एवं पैदल यात्रियों के लिए अन्य सुविधाओं और ग्रेड अलग करने सहित अन्य संरचनाओं आदि के प्रावधान एवं स्थल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एवं राजमार्गों को दो लेन वाला बनाने के लिए मानक एवं नियमावली तैयार की गई। पैदल यात्रियों की सुविधाओं के लिए दिशानिर्देश भी प्रकाशित किए गए हैं।

पेशेवर फोटोग्राफर से मुख्यमंत्री तक उद्धव ठाकरे का सफर

भाषा। मुंबई

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के 19 वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण किया। हालांकि, वह बिल्कुल अलग विचारधारा रखने वाली पार्टियों के साथ त्रिदलीय गठबंधन के नेता के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

मनोहर जोशी और नारायण राणे के बाद वह शिवसेना से राज्य के तीसरे मुख्यमंत्री हैं। जोशी और राणे 1990 के दशक में मुख्यमंत्री रहे थे। इसके अलावा, उद्धव देश के इस सबसे धनी राज्य में मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने वाले ठाकरे परिवार के पहले सदस्य भी हैं। मृदुभाषी और सौम्य स्वभाव वाले उद्धव (59) ने 24 अक्टूबर को आए विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के लिए अपने पूर्व सहयोगी भाजपा के साथ सौदेबाजी में उसी आक्रमकता का परिचय दिया जो उनके दिवंगत पिता बाल ठाकरे में दिखा करती थी। भाजपा के साथ मुख्यमंत्री पद ढाई-ढाई साल के लिए साझा करने के अपने रुख पर वह अडिग रहे और झुकने से इनकार कर दिया। उनके इस कदम के चलते करीब तीन दशक पुराना भगवा गठजोड़ टूट गया और राज्य की राजनीति ने नई करवट ली। भाजपा से नाता तोड़ने के बाद अब उद्धव को राज्य के नेतृत्वकर्ता के तौर पर खुद को साबित करना है, जो कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) जैसी बिल्कुल अलग विचाराधारा वाली पार्टियों के साथ एक नई राजनीतिक राह पर चल सके। शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दल हैं। हिंदुत्व की राजनीति के लिए जाने जानी वाली पार्टी (शिवसेना) अपने शुरूआती दौर से ही कांग्रेस-विरोधी रही है लेकिन अब उसने एक नए चरण में प्रवेश किया है जहां उसे बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में ठाकरे के नेतृत्व में एक नई राह पर चलना है।

मुंबई में 27 जुलाई 1960 को उद्धव का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बालमोहन विद्यामंदिर में प्राप्त की और बाद में जे जे स्कूल ऑफ आर्ट्स से स्नातक किया, जहां उनका मुख्य विषय फोटोग्राफी था। उद्धव ने राजनीति में लंबे समय तक कोई चुनाव नहीं लड़ा, ना ही किसी सार्वजनिक पद पर आसीन रहे और इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वह एक ऐसे राज्य में शासन की पतवार को कैसे थामते हैं जो आर्थिक महाशक्ति है और देश की वित्तीय राजधानी भी है। एक पेशेवर फोटोग्राफर के तौर पर उनके द्वारा ली गई तस्वीरें विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई और कई प्रदर्शनियों में देखने को मिलीं। हालांकि, उद्धव जनवरी 2003 में शिवसेना के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले बहुत हद तक अपने पिता के ही साए में रहे।

गुरुवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में अपने समर्थकों का अभिवादन करते हुए महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व उनके बेटे और युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे। साथ में पत्नी रश्मि ठाकरे

उद्धव ने शिवसेना प्रमुख का प्रभार औपचारिक रूप से 2012 में संभाला जब उनके पिता का निधन हो गया। राजनीतिक विशेश्लेषकों के मुताबिक मातोश्री (उपनगरीय बांद्रा में ठाकरे के आवास) से दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यमंत्री आवास वर्षा तक की यात्रा पूरी करने के बाद अब शिवसेना प्रमुख को खुद को फिर से गढ़ना पड़ेगा। उन्हें नए गठबंधन सहयोगियों से निपटने के लिए खुद में लचीलापन लाना होगा और राजनीतिक कौशल का परिचय देना होगा। उद्धव फिलहाल विधानमंडल के किसी सदन के सदस्य नहीं हैं इसलिए उन्हें शपथ ग्रहण के छह महीने के अंदर विधानसभा या विधानपरिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित होना पड़ेगा। शिवसेना की स्थापना दिवंगत बाल ठाकरे ने 1966 में की थी। शुरूआत में यह राज्य के मराठी भाषी लोगों का समाज कल्याण करने वाला संगठन भर था। लेकिन बाद में इसने हिंदुत्व की विचारधारा को अपना लिया और करीब 30 साल पहले गठबंधन के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। उद्धव के लिए फोटोग्राफी एक जुनून है। उन्होंने चौरंग नाम की एक विज्ञापन एजेंसी भी स्थापित की है। उन्हें फोटोग्राफी का शौक है और उनके द्वारा महाराष्ट्र के कई किलों की खींची गई तस्वीरों का संकलन जहांगीर आर्ट गैलरी में है। उन्होंने महाराष्ट्र देश और पहावा विट्ठल नाम से चित्र-पुस्तकें भी प्रकाशित की हैं। उन्होंने प्रदर्शनियों से मिले पैसे राज्य के विभिन्न हिस्सों के किसानों के लिए भी दान किए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अपनी मां इंदिरा गांधी की सहायता के लिए राजनीति में उतरने वाले राजीव गांधी की तरह ही उद्धव ठाकरे अपने पिता बाल ठाकरे की मदद करने के लिए उस वक्त राजनीति में उतरे।

निजता के अधिकार और डाटा संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्धः प्रसाद

भाषा। नई दिल्ली

नागरिकों के निजता के अधिकार और डाटा की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि यदि पड़ोसी देश, आतंकवादी या भ्रष्टाचारी लोग देश को डिजिटल आधार पर तोड़ने की कोशिश करेंगे तो सरकार उनसे कड़ाई से निबटेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार जल्दी ही डाटा संरक्षण विधेयक लेकर आएगी।

प्रसाद ने उच्च सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए विभिन्न दलों के सदस्यों द्वारा पूछे गए स्पष्टीकरण के जवाब में यह बात कही। व्हाट्सएप के माध्यम से कुछ व्यक्तियों के फोन डाटा से खिलवाड़ करने के लिए स्पाईवेयर पेगासस के कथित उपयोग मुद्दे पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर उनसे विभिन्न दलों के सदस्यों ने स्पष्टीकरण पूछे। प्रसाद ने कहा कि सरकार डाटा संप्रभुता के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी और अमेरिका सहित किसी भी देश के दबाव में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह सरकार डाटा संरक्षण विधेयक तैयार कर रही है। वह विधेयक जब संसद में आएगा तो वह इस विषय में विस्तार से बताएंगे। उन्होंने कहा कि यह एक मजबूत विधेयक होगा और इसे लेकर व्यापक विचार विमर्श किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि व्हाट्सएप पर कुछ लोगों के संदेशों और बातचीत की निगरानी करवाए जाने के मुद्दे पर इस मामले में आज तक उनके मंत्रालय के पास कोई शिकायत नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मीडिया में कुछ लोगों के नाम आए। किंतु इनमें से किसी ने भी अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं करवाई? उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज करवाई जाए तो सरकार सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत कार्वाई करेगी। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप ने अभी तक उन्हें 121 लोगों के नाम की सूची नहीं दी है। उन्होंने कहा कि क्या यह एक संयोग है कि जिन लोगों के नाम आए हैं, उनमें से अधिकतर (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी के प्रति स्थाई विचार रखते हैं। उन्होंने कहा, भारत अपनी डाटा संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करेगा। भारत आज दुनिया में एक डिजिटल अर्थव्यवस्था बन रहा है। बाहर से आने वाली कंपनियों का यहां स्वागत हैं। किंतु हमारी जो संवेदनशील सूचनाएं हैं, उनकी सुरक्षा को लेकर हम कोई समझौता नहीं कर सकते। प्रसाद ने कहा कि भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्या के मामलों में हिंसा को प्रोत्साहित करने के मकसद से सोशल मीडिया पर जारी किए जाने वाले संदेशों के बारे में सरकार ने व्हाट्सएप से बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि पाया गया कि जिस क्षेत्र में हिंसा की घटनाएं हुईं, वहां बहुत सारे मैसेज भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार की बात को मानते हुए व्हाट्सएप ने अब महज पांच संदेशों का नियम तय कर दिया है। इसी के साथ भारत में उन्होंने अपना शिकायत निवारण अधिकारी भी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि हिंसा से जुड़ी कोई घटना होगी तो व्हाट्सएप पर आने वाले किसी भी संदेश के मूल स्थल की पहचान बतानी होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में पता चला है कि ऐसे बहुत से संदेश की शुरुआत पड़ोसी देशों से होती है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, पड़ोस में कुछ ताकतें हैं जो देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, भारत की जनता की निजता और डिजिटल सुरक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी डिजिटल सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे।..यदि पड़ोसी देश, आतंकवादी या भ्रष्टाचारी लोग देश को डिजिटल आधार पर तोड़ने की कोशिश करेंगे तो सरकार उनके खिलाफ कार्वाई करेगी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने स्पष्टीकरण पूछते हुए मंत्री से जानना चाहा कि क्या सरकार ने कोई स्पाईवेयर खरीदा है? प्रसाद ने इसका सीधा जवाब नहीं देते हुए कहा कि सरकार की एक मानक परिचालन प्रकिया (एसओपी) होती है और सरकार उसी के तहत काम करती है। प्रसाद ने कहा कि भारतीय मीडिया में व्हाट्सएप के माध्यम से कुछ व्यक्तियों के फोन डाटा के साथ छेड़छाड़ के लिए स्पाइवेयर पेगासस के प्रयोग संबंधी खबरें आई थीं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने दो नवंबर को व्हाट्सएप को एक मेल भेजा। उन्होंने इस बारे में सरकार के संबंधित विभागों और एजेंसियों और व्हाट्सएप के बीच हुई बातचीत और इस दिशा में उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी। इससे पहले कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने सरकार से यह भी पूछा कि क्या उसने या उसकी किसी एजेंसी ने देश के नागिरकों के डाटा की जासूसी करवाई ? उन्होंने पूछा कि सरकार यह बताए कि उसने व्हाट्सएप के जरिए किन किन लोगों की निगरानी करवाई ? उन्होंने सरकार से यह भी पूछा कि क्या उसने इस मामले में कोई आतंरिक जांच करवाई है ?

गुजरात में सांप्रदायिक तनाव अतीत की चीजः रूपाणी

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में सांप्रदायिक तनाव अतीत की बात हो गई है। रूपाणी ने यह भी कहा कि गुजरात में अपराध अनुसंधान की दर अन्य राज्यों से बेहतर है और उन्होंने कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस बल का आभार जताया। वह राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक वितरित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में पूर्व पुलिस महानिदेशक पीपी पांडे समेत 168 कर्मियों को इन पदों से नवाजा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, गुजरात पुलिस की प्रतिष्ठा समूचे देश में है। हमारी अपराध अनुसंधान की दर अन्य राज्यों से बेहतर है। गुजरात इसलिए विकसित हुआ क्योंकि हम कानून एवं व्यवस्था को बनाए रख पाए। रूपाणी ने कहा, गुजरात में सांप्रदायिक तनाव अतीत की चीज हो गई है और असामाजिक तत्व अब अपना सिर उठाने की हिम्मत नहीं कर सकते हैं। 27 फरवरी 2002 को गोधरा में ट्रेन जलने की घटना के बाद, गुजरात ने राज्य के इतिहास के सबसे भीषण सांप्रदायिक दंगे देखे जिसमें एक हजार लोगों की जान गई जिनमें अधिकतर अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले थे। रूपाणी के साथ गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा, पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा, मुख्य सचिव जेएन सिंह थे। जडेजा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 168 पुलिसकर्मियों को पदक से नवाजा गया जिसमें 18 को राष्ट्रपति पुलिस पद दिया गया जबकि 150 को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 2014 से 2019 के बीच स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पदकों का ऐलान किया था, लेकिन पुलिस कर्मियों को बृहस्पतिवार को पदकों से नवाजा गया। पूर्व डीजीपी को कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुलिस पद से सम्मानित किया गया।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास विदेश नीति का भी मूलमंत्रः एस जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि राष्ट्रीय विकास की प्रक्रिया को गति देने के लिए सरकार का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास ही विदेश नीति का भी मार्गदर्शी सिद्धांत है। जयशंकर ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के शुरुआती छह महीनों के दौरान विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की अब तक की उपलब्धियों का बृहस्पतिवार को राज्यसभा में ब्योरा पेश करते हुए यह बात कही।

जयशंकर ने संसद के पिछले सत्र के बाद तीन महीनों में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से सरकार की विदेश नीति को आगे बढ़ाने के प्रयासों से जुड़ा वक्तव्य उच्च सदन में पेश करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हमारे समक्ष एक बहुध्रुवीय परिदृश्य है जो पिछले एक दशक में सामने आया है। हमारी बढ़ती क्षमता और प्रभाव निश्चित रूप से इस परिवर्तन का हिस्सा है। जयशंकर ने दुनिया की भारत से लगातार बढ़ती अपेक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा, यह हमारे अपने राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का मामला नहीं है। दुनिया को हमसे जो अपेक्षाएं हैं, वे भी बहुत अधिक हैं। हमारे अपने क्षेत्र में यह पड़ोसी प्रथम दृष्टिकोंण के साथ साथ सागर सिद्धांत में भी दिखई देता है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के अलावा खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और दक्षिणी क्षेत्र के अन्य देशों के प्रति भारत अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास हमारी विदेश नीति का एक मार्गदर्शी सिद्धांत भी है। उन्होंने सदन को पिछले तीन महीनों के दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं का विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा कि इन यात्राओं के माध्यम से सरकार ने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों और सभी के कल्याण की दिशा में भारत के प्रयासों से विश्व समुदाय को अवगत कराया है। जयशंकर ने जी-7, कोप, आसियान और ब्रिक्स शिखर सम्मेलनों सहित संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भी भारत ने इस दृष्टिकोंण को स्पष्ट किया है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना विश्व समुदाय के साथ आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और तकनीकी क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका को विश्व समुदाय ने स्वीकार किया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ वाइको का प्रदर्शन

नई दिल्ली। एमडीएमके के नेता वाइको और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के भारत आगमन से पूर्व उनके खिलाफ बृहस्पतिवार सुबह जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। वाइको ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राजपक्षे के साथ मेलजोल बढ़ा रही है जो 2009 में श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान देश के रक्षामंत्री थे। चेन्नई में पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार श्रीलंका सरकार के साथ मेलजोल बढ़ा रही है। यह तमिलों के साथ विश्वासघात के सिवाय कुछ नहीं है। श्रीलंका में तमिल डरे हुए हैं और वे बहुत दहशत में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना लगातार निशाना बनाती रहती है। उन्होंने कहा, पिछले 30 वर्ष में 580 से अधिक तमिल मछुआरे मारे गए हैं और उनकी नौकाएं जब्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि कई मछुआरे श्रीलंका में जेल में बंद हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि यह प्रदर्शन केंद्र सरकार के निमंत्रण पर राजपक्षे की भारत यात्रा के खिलाफ है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। अधिकारी ने बताया, चार महिलाओं समेत 125 से अधिक प्रदर्शनकारियों को करीब चार घंटे तक संसद मार्ग पुलिस थाने में हिरासत में रखा गया था। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। राजपक्षे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर बृहस्पतिवार को अपनी पहली भारत यात्रा पर यहां पहुंचेंगे।

मुम्बई के शिवाजी पार्क में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान नारेबाजी करते समर्थक

नई दिल्ली में श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का हवाई अड्डे पर स्वागत करते केंद्रीय मंत्री वी.के. सिंह

आगामी सत्र में पानी का अधिकार कानून पेश कर सकती है मध्य प्रदेश सरकार

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश की कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 17 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पानी का अधिकार कानून पेश कर सकती है। यह जानकारी मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सुखदेव पांसे ने बृहस्पतिवार को दी।

अपने विभाग का पिछले 11 महीने की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पर्याप्त पानी, पीने योग्य पानी और पहुंच में पानी। इसी मूल मंत्र के साथ हमने राईट-टू-वॉटर एक्ट (पानी का अधिकार कानून) का ड्राफ्ट, विषय विशेषज्ञों एवं सभी संबंधित विभागों से सामंजस्य स्थापित कर तैयार किया है। उन्होंने कहा, हम आगामी विधानसभा सत्र (17 दिसंबर से 23 दिसंबर तक चलने वाले) में इस एक्ट को प्रस्तुत करने की हर संभव कोशिश करेंगे। पांसे ने बताया कि यदि आगामी सत्र में इसे पेश नहीं किया जा सका, तो इसे बजट सत्र में अवश्य पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस एक्ट के दृष्टिगत इस वित्तीय वर्ष के बजट में भी 1,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। पांसे ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ जी को इस बात का गौरव हासिल होने वाला है कि वे देश के पहले मुख्यमंत्री होंगे जो अपने प्रदेशवासियों को पानी का कानूनी अधिकार देंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में 5.88 करोड़ आबादी ग्रामीण क्षेत्रों की 1,28,231 बसाहटों में निवास करती है। हमारी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता को लेकर जब जानकारी एकत्र की तो ज्ञात हुआ कि राज्य के मात्र 12 फीसदी ग्रामीण घरों में नल के माध्यम से पानी पहुंच रहा है। तब हमने संकल्प लिया कि हम प्रदेश के प्रत्एक परिवार को उसकी पानी की आवश्यकता के अनुरूप जल उपलब्ध कराएंगे और इसी के दृष्टिगत हम पानी का कानूनी अधिकार लेकर आने वाले हैं। पांसे ने बताया कि मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता को लेकर हमने 68,000 करोड़ रूपए की एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमने 19 समूह जल योजनाओं के कार्य पूर्ण कर 802 गांवों की लगभग 11.45 लाख जनसंख्या को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जलापूर्ति शुरु कर दी है। पांसे ने बताया कि इसके अतिरिक्त 6,672 करोड़ रूपए लागत वाली 39 योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं का काम अगले दो साल में पूरा होने की संभावना है। इससे 6,091 गांवों की लगभग 64 लाख आबादी लाभान्वित होगी।

उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा विभिन्न जिलों के 14,510 ग्रामों की 45 समूह जल प्रदाय योजनाओं की डीपीआर तैयार कर ली गई है, जिसकी लागत 22,484 करोड़ रूपए है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से लगभग एक करोड़ आबादी लाभान्वित हो सकेगी। पांसे ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि जहां एक ओर मध्यप्रदेश कांग्रेस सरकार पूरी दृढ़इच्छा शक्ति के साथ प्रदेश की पानी की आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति के लिए समुचित प्रयास कर रही है, वहीं भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आगामी पांच वर्षों में सम्पूर्ण देश के प्रत्एक घर को नल कनेक्शन देने के बड़े-बड़े वादे तो किए, मगर अब तक उन्होंने इसकी न तो गाईड लाईन जारी की न ही कोई राशि की व्यवस्था की है।

महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश ने मध्यप्रदेश में प्याज के दाम आसमान पर पहुंचाए

इंदौर। प्रमुख प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश के प्रकोप के बाद मध्यप्रदेश में इस सब्जी के दामों में तेजी देखी जा रही है। सूबे की आर्थिक राजधानी इंदौर के खुदरा बाजारों में बृहस्पतिवार को प्याज के दाम 90 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए। शहर की देवी अहिल्याबाई होल्कर फल-सब्जी मंडी मध्यप्रदेश में प्याज की खरीद-फरोख्त का सबसे बड़ा केंद्र है। इस मंडी के जरिए मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सरीखे पड़ोसी राज्यों में भी प्याज की आपूर्ति की जाती है। इस मंडी में प्याज की सबसे ज्यादा आवक महाराष्ट्र से होती है, जहां पिछले दिनों बेमौसम बारिश ने फसलों पर कहर बरपाया है। मंडी के प्याज के थोक कारोबारी संदीप सचदेवा ने पीटीआई-भाषौ को बताया कि महाराष्ट्र में पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के चलते प्याज की नई फसल को नुकसान पहुंचा है। नतीजतन इंदौर में भी इसकी आपूर्ति खासी प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर प्याज के दामों पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय मंडी में इन दिनों मध्यप्रदेश के साथ ही इसके पड़ोसी राज्यों की प्याज की मांग भी बढ़ी है। कारोबारी सूत्रों ने बताया कि शहर के खुदरा बाजारों में नई फसल का नमीयुक्त प्याज 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रहा है, जबकि पुरानी फसल के अच्छी गुणवत्ता वाले सूखे प्याज के दाम 90 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। सूत्रों के मुताबिक मांग की तुलना में कम आपूर्ति के चलते प्याज की कीमतों में तेजी अगले 20 दिनों तक बनी रह सकती है।

भाजपा के एक नेता को अभिवादन का जवाब देने का शिष्टाचार भी नहीं है...

भाषा। कोलकाता

● ममता बनर्जी ने राज्यपाल पर कहा

पश्चिम बंगाल विधानसभा में ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ के बीच अभिवादन नहीं होने को लेकर जारी विवादों के बीच मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल आए भाजपा के एक नेता को अभिवादन का जवाब देने का शिष्टाचार भी नहीं है। राज्य विधानसभा में मंगलवार को संविधान दिवस पर विशेष सत्र के दौरान धनखड़ और तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच कड़वाहट दिखी थी। इस दौरान राज्यपाल और बनर्जी एक ही मंच पर थे, लेकिन उनके बीच अभिवादन तक नहीं हुआ। इसके बजाए दोनों ने एक-दूसरे को निशाना बनाया। धनखड़ ने बुधवार को कहा कि बनर्जी के प्रति उनके मन में काफी सम्मान है और किसी के प्रति भी शिष्टाचार के संबंध में कोई समझौता नहीं करेंगे। बनर्जी ने एक बांग्ला समाचार चैनल से कहा, ऐसे राज्यपाल रहे हैं, जिनके साथ मैंने 2011 से मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। के एन त्रिपाठी के साथ मुझे कभी दिक्कत नहीं हुई और उनके साथ अच्छा कामकाजी संबंध था। लेकिन, अब एक भाजपा नेता (धनखड़) राज्य आए हैं, जो अभिवादन भी नहीं करते। पूर्व में धनखड़ को भाजपा का मुखपत्र बता चुकीं मुख्यमंत्री ने कहा, वह विधानसभा के अंदर हमारे साथ बुरा व्यवहार कर रहे हैं। मैं उनके (धनखड़) जीवन और करियर में अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करती हूं। राज्यपाल के प्रति आलोचना जारी रखते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। मैं सात बार संसद के लिए चुनी जा चुकी हूं, दो बार मैंने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने सुपर 30 के संस्थापक के खिलाफ याचिका बंद करने का आदेश दिया

भाषा। गुवाहाटी

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार के खिलाफ चार छात्रों द्वारा दायर जनहित याचिका पर आगे की कार्यवाही बृहस्पतिवार को बंद करने का आदेश दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कुमार ने सुपर 30 में दाखिला दिलाने के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी की।

अदालत ने याचिकाकर्ता आईआईटी गुवाहाटी के चारों छात्रों को हालांकि उस अदालत में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी जिसके क्षेत्राधिकार में पटना आता है। अदालत ने इसके बाद याचिका वापस लिया हुआ मानकर मामले को बंद करने का आदेश दिया। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा एवं न्यायमूर्ति ए एम बुजरबरुआ की खंडपीठ ने कुमार के खिलाफ दायर जनहित याचिका में कही गई बातों, आनंद कुमार, बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक अभयानंद और अन्य छात्रों द्वारा दायर हलफनामे को ध्यान में रखते हुए यह आदेश दिया। याचिका में छात्रों ने यह दावा किया कि कुमार ने सुपर 30 के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी की। आदेश का अनुपालन करते हुए आनंद कुमार गुवाहाटी उच्च न्यायालय में पेश हुए और पहले के निर्देशानुसार मंगलवार को पीठ के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर पेश नहीं होने के लिए अदालत से माफी मांगी। कुमार ने उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बिहार के इन छात्रों एवं उनके अभिभावकों के लिए 50,000 रुपए जमा कराए। इसी खंडपीठ ने 19 नवंबर को कुमार को पेश होने का आदेश दिया था और 26 नवंबर को कहा था कि अगर वह पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। कुमार की संस्था हर साल आर्थिक रूप से कमजोर तबके के 30 छात्रों का चयन करती है और आईआईटी में दाखिला के मकसद से जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए उन्हें प्रशिक्षित करती है। आईआईटी-जी के चार छात्रों की ओर से पेश हुए वकील अमित गोयल ने कहा कि छात्रों ने अदालत के समक्ष आरोप लगाया है कि कुमार ने 2018 में उनके सुपर 30 से आईआईटी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 26 छात्रों के नाम का खुलासा नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आनंद कुमार के गलत जानकारी देने के कारण हर साल देश के विभिन्न हिस्सों से कई छात्र पूरी निष्ठा से उनके पास जाते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह आईआईटी उत्तीर्ण करने में उनकी मदद करेंगे। याचिका के अनुसार आईआईटी में उत्तीर्ण करने के आकांक्षी ए छात्र पटना पहुंचकर उनके कोचिंग इंस्टीट्यूट रामानुजम स्कूल ऑफ मैथेमैटिक्स में दाखिला लेते हैं और हर किसी से 33,000 रुपए लिया जाता है। याचिका में अन्य प्रतिवादी सुपर 30 के सह-संस्थापक एवं बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक अभयानंद ने उच्च न्यायालय में दायर अपने हलफनामे में कहा कि उन्होंने समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सुपर 30 के नेक कार्यक्रम का विचार किया था।

मनाली में भारी बर्फबारी के बाद बर्फ से ढकी सड़क पर धीरे-धीरे चलते वाहन

सफल अंतरिक्ष अभियान

अभी तय करनी है लंबी दूरी

चंद्रमा की सतह पर प्रोब उतारने में विफल रहने के बावजूद भारत ने अंतरिक्ष खोज में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। लोगों को याद होगा कि काफी समय पहले भारत के राकेट हर दूसरे प्रक्षेपण में विफल हो जाते थे, पर अब हमने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए चंद्रमा व मंगल पर अंतरिक्ष मिशन भेजे हैं। अगले पांच वर्षों में मानव को अंतरिक्ष में भेजने की योजना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान-इसरो का नवीनतम अभियान उल्लेखनीय है। भारत में पीएसएलवी राकेट ने 49वीं उड़ान में न केवल नया इमेज-मैपिंग उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़ा, बल्कि 13 नैनो-उपग्रह भी छोड़े जो लगभग सजिल्द पुस्तकों के बराबर हैं। इनका प्रयोग छोटे देश तथा दुनिया भर के शोध संस्थान करते हैं जो अग्रणी वैज्ञानिक खोज में उल्लेखनीय कदम उठा रहे हैं। पीएसएलवी सी-47 ने 13 अमेरिकी उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े थे और अब तक भारत विदेशों के ऐसे लगभग 300 उपग्रह प्रक्षेपित कर चुका है। हालांकि, हम अभी अमेरिका, रूस या यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की वाणिज्यिक प्रक्षेपण क्षमताओं का मुकाबला नहीं कर सकते हैं, पर हमने सटीक तथा सस्ते प्रक्षेपण में अपने लिए एक विशेष स्थान अवश्य बनाया है। पिछले तीन वर्षों में इसरो ने 6,289 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया है। कार्टोसैट उपग्रह बड़े पैमाने पर शहरी नियोजन, ग्रामीण संसाधन व ढांचागत विकास तथा तटीय भूमि प्रयोग के क्षेत्रों में नियोजन के काम आएगा। इसके डेटा नीति-निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। हमें अमेरिका में निजी अंतरिक्ष

उद्यमियों जैसे इलोन मस्क व जेफ बेजोस तथा उनके संगठनों द्वारा किए असाधारण विकास पर गौर करना चाहिए। उन्होंने पुन: प्रयोग वाले अंतरिक्ष हार्डवेयर में उल्लेखनीय योगदान किया है। इससे अमेरिका के भावी अंतरिक्ष अभियानों को गति मिलेगी। ऐसे में दुनिया की जनता को नील आर्मस्ट्रांग द्वारा चंद्रमा पर पहली बार कदम रखने की 50वीं वर्षगांठ पर आश्चर्य है कि मानवजाति ने सुदूर अंतरिक्ष की खोज के और गहन प्रयास क्यों नहीं किए।

भारतीय अंतरिक्ष मिशनों को अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ गहन सहयोग करना चाहिए। 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में जाने के बाद किसी अन्य भारतीय नागरिक ने अंतरिक्ष में कदम नहीं रखा है। हालांकि, कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष यात्रा की थी, पर वे अमेरिकन नागरिक थीं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोई भारतीय या चीनी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नहीं गया, लेकिन यह एक वैश्विक समाचारपत्र में कार्टून का विषय बना। भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को अब भी नस्ली चश्मे से देखा जाता है। ऐसे में हमें अंतरिक्ष शोध में नए विचारों और तकनीक का स्वागत करना चाहिए। हालांकि, कुछ जोखिम हैं, लेकिन पहले ही दूसरे देशों द्वारा उत्कृष्ट बनाई तकनीकों की नकल करने में हजारों करोड़ रुपये खर्च करना निरर्थक है। कुछ लोगों को यह विचार विवादास्पद लग सकता है, लेकिन भारत को अंतरिक्ष खोज में चीन के साथ सहयोग करना चाहिए। चीन को पश्चिमी अंतरिक्ष दौड़ से बाहर रखा गया है। इसे देखते हुए हम कुछ संयुक्त परियोजनाओं का विकास कर सकते हैं। इसरो हमारे लिए गौरव का विषय है और पैसा कम खर्च करने की हमारी व्यावहारिकता स्वागत योग्य है। लेकिन हम अर्थव्यवस्था की सुस्ती के जिस समय में रह रहे हैं, वहां हमें खर्च पर नियंत्रण रखते हुए हर पैसे का लाभ उठाना होगा। ऐसे में अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में दूसरे देशों और निजी संगठनों से सहयोग बुरा विचार नहीं है।

भारत-बांग्लादेश के समक्ष चुनौतियां

काक्स बाजार एक सुंदर स्थान है, लेकिन यह संवेदनशील स्थान पर्यावरण खतरों तथा शरणार्थियों के बोझ का सामना कर रहा है। बांग्लादेश और भारत को संयुक्त रूप से इन चुनौतियों से निपटना होगा।

कुषाण मित्रा
लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

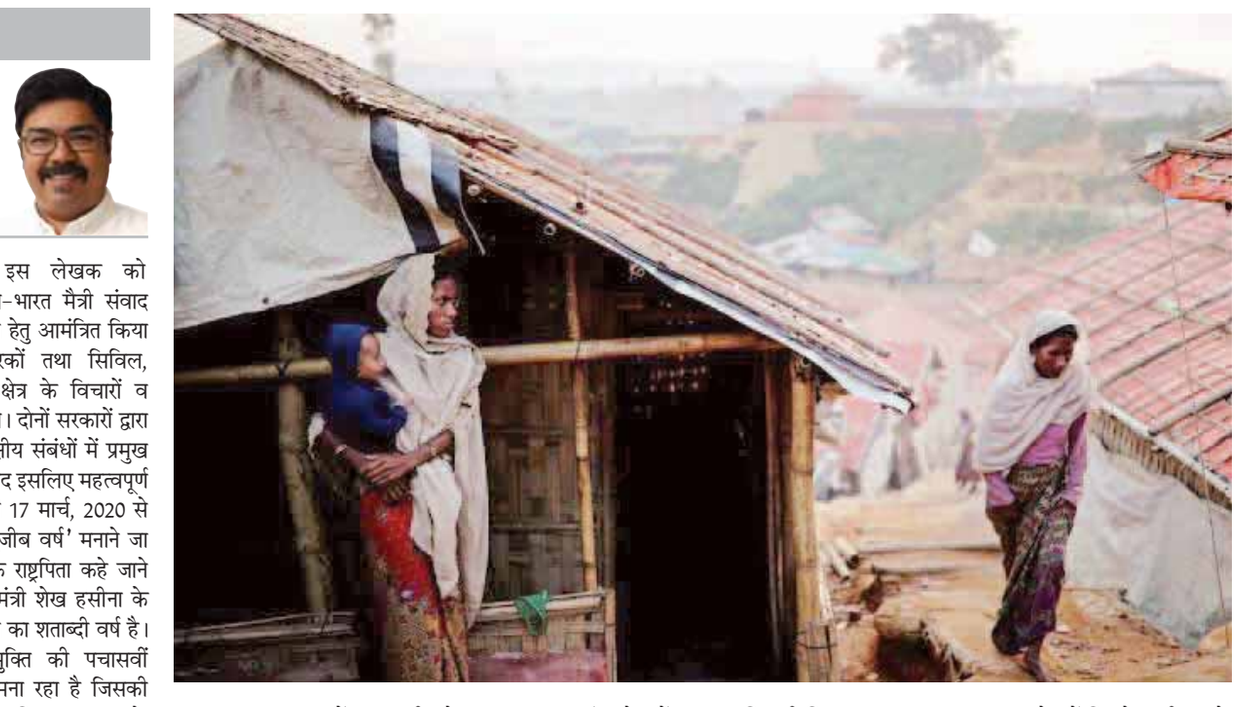

हाल ही में इस लेखक को बांग्लादेश-भारत मैत्री संवाद के नवें दौर में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया। यह युवा विचारकों तथा सिविल, राजनीतिक व बौद्धिक क्षेत्र के विचारों व नेताओं के बीच संवाद था। दोनों सरकारों द्वारा समर्थित यह संवाद द्विपक्षीय संबंधों में प्रमुख स्थान पर है। वर्तमान संवाद इसलिए महत्वपूर्ण है कि हमारा पूर्वी पड़ोसी 17 मार्च, 2020 से 17 मार्च, 2021 तक 'मुजीब वर्ष' मनाने जा रहा है। यह बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले तथा वर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान का शताब्दी वर्ष है। ढाका इसे बांग्लादेश मुक्ति की पचासवीं वर्षगांठ के रूप में भी मना रहा है जिसकी मुक्ति 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के पश्चात संभव हुई थी।

बांग्लादेश के अधिकांश नेताओं ने 1971 युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों का योगदान भुलाया नहीं है जब लगभग 2,000 भारतीयों ने उसकी धरती पर बलिदान दिया था। उस समय भावनायें अपने शिखर पर थीं और 'जय बांग्ला' के नारे कोलकाता की सड़कों पर गूंज रहे थे। यह समय दुनिया को यह याद दिलाने का भी है कि पाकिस्तानी सेना और उसके रजाकार सहयोगियों ने लगभग एक मिलियन बंगालियों का नरसंहार किया था जिसमें हिंदू व मुसलमान दोनों शामिल थे। उनको पाकिस्तानी राज्य तथा जनरल नियाजी व याहिया खान की सहमति से मौत के घाट उतारा गया था और इन हत्यारों को इन अपराधों की सजा नहीं मिली। हालांकि, इस 'युद्ध' से दोनों देशों के संबंध परिभाषित नहीं होने चाहिए, खासकर इसलिए कि दोनों देशों की जनसंख्या का आधा हिस्सा 35 वर्ष से कम आयु का है। आज अधिकांश युवा भारतीयों और बांग्लादेशियों के लिए दोनों देशों के बीच संबंध मुख्यत: क्रिकेट से परिभाषित होते हैं। वर्तमान टेस्ट सीरीज़ इसका प्रमाण है। बांग्लादेश द्वारा दिन-रात टेस्ट क्रिकेट में भाग लेना शुरू करने के बाद भारत उसे आमंत्रित करने वाला पहला देश है।

बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध व्यापार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण हैं जो पिछले साल 10 बिलियन डालर तक पहुंच गया। हालांकि, व्यापार 9:1 अनुपात में भारत की ओर झुका है। भारत से बांग्लादेश को सर्वाधिक निर्यात कपड़े और धागे का होता है जिसका लाभ उठा कर बांग्लादेश दुनिया भर में रेडीमेड कपड़ों का भारी निर्यात करता है। हमारा पड़ोसी भारतीय कृषि उत्पादों पर भी निर्भर है। इसलिए भारत द्वारा देश में प्याज की कीमतें बढ़ने पर अचानक प्याज निर्यात पर प्रतिबंध दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने में बड़ी बाधा बन गया है। यदि भारतीय सोचते हैं कि प्याज के दामों में 1,000 प्रतिशत की वृद्धि बुरी बात है तो पड़ोसी देश में यह वृद्धि 3,000 प्रतिशत है। इससे जनता को बहुत परेशानी हुई है तथा बांग्लादेश सरकार को विमानों से प्याज मंगाना पड़ रहा है।

लेकिन प्याज संकट, सीमा पर अक्सर छोटी-मोटी झड़पें तथा तीस्ता नदी जल साझा जैसी समस्यायें भारत-बांग्लादेश के बीच राजनय व सुरक्षा के मोर्चों पर हुई असाधार प्रगति की छवि धुंधली नहीं कर सकती हैं। इनमें सुरक्षा संबंधी संयुक्त नीतियां तथा खुफिया सूचनायें प्राप्त करने के प्रयास शामिल हैं। इससे जलमार्ग से होकर व्यापार बढ़ा है। बीनापोल-पेट्रापोल सीमा चौकी पर लागू व्यवस्थाओं ने ट्रकों की तेजी से कस्टम अनुमति संभव हुई है। नई ट्रेन क्रासिंगों व सेवाओं से दोनों देशों के बीच व्यापार में और बढ़ोत्तरी होगी। बांग्लादेश को बिजली बेचने के एक हालिया समझौते से उस देश में बिजली उपलब्धता में नाटकीय सुधार हुआ है। भारत बांग्लादेश में उपलब्ध बिजली ग्रिड का प्रयोग असम जैसे अपने राज्यों को बिजली संप्रेषण हेतु कर सकता है।

लेकिन खासकर मेघालय व त्रिपुा में सीमा क्रासिंगों के सरलीकरण की दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही उत्तर-पूर्व में चटगांव बंदरगाह से व्यापार को बढ़ावा दिया जा सकता है। भारत के उत्तर-पूर्व में अवैध आप्रवासियों जैसे कुछ विवादास्पद मुद्दे हैं जिनका समाधान होना चाहिए।

भारत को बांग्लादेश से सीखना चाहिए कि गरीब देश हाने के बावजूद उसने शिक्षा, सफाई व महिला स्वास्थ्य जैसे संयुक्त राष्ट्र टिकाऊ विकास लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में व्यापक कदम उठाए हैं और भारत को पीछे छोड़ दिया है। बांग्लादेश ने एक और मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन किया है। मत्स्य प्रबंधन के कारण वह भारत की तुलना में बेहतर तरीके से अपनी नदियों में हिल्सा मछलियों की सुरक्षा व संवर्धन में काम कर सका है। भारत में इस जायकेदार मछली का लगभग सफाया हो गया है। भारत के डिजिटल स्टार्टअप की अनेक क्षेत्रों में विशेषज्ञता तथा वैश्विक वेंचर पूंजी तक पहुंच है। वे बांग्लादेशी बाजार में आनलाइन वाणिज्य को बढ़ावा दे सकते हैं जिसकी मांग बहुत है। भारतीय एयरलाइनों ने अपनी सेवाओं का विस्तार बांग्लादेश में किया है जहां चिकित्सा पर्यटन की भारी मांग है। यह भारत की बढ़ती अस्पताल श्रृंखलाओं के लिए आकर्षक संभावना है।

काक्स बाजार से हमें मिलने वाली सबसे बड़ी शिक्षा व्यापार या आर्थिक मुद्दों के बजाय यहां सामने आ रहा पर्यावरण व शरणार्थी संकट है। 120 किलोमीटर लंबे इनानी बीच पर इस सुंदर शहर में दुनिया का सबसे बड़ा बलुआ तट है जो घरेलू पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन यह रोहिंग्या शरणार्थी संकट का सामना कर रहा है।

स्थानीय सांसद अशीकुल्ला रफीक ने बताया कि म्यांमार सीमा से आने वाले एक मिलियन से अधिक शरणार्थियों के असाधारण प्रवाह ने इस छोटे कस्बे पर भारी बोझ डाला है। म्यांमार में सेना की अभूतपूर्व क्रूरता तथा नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सूकी की चुप्पी के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के सामने और कोई विकल्प नहीं था। टेक्राफ में मुख्य शरणार्थी शिविर की स्थिति किसी यातना शिविर से बेहतर नहीं है। हम जिन छोटे शरणार्थी शिविरों में गए वहां महिला व बाल मानव व्यापार की अनेक घटनायें सामने आईं। रोहिंग्याओं से संबंधित अनेक मुद्दे ऐतिहासिक हैं, जब राखीन राज्य ने काक्स बाजार के निकटवर्ती क्षेत्रों पर कब्जे के लिए बंगाली सुल्तानों से युद्ध लड़ा था। म्यांमार और यहां तक कि भारत में उत्तर-पूर्व के कुछ क्षेत्रों में बंगाली-विरोधी भावनायें अब भी व्याप्त हैं। लेकिन अगले दो दशकों में संभावित परिवर्तनों को देखते हुए शरणार्थियों का संकट महत्वहीन है। इनानी बीच भले ही दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, लेकिन यह बंगाल की खाड़ी में समाता जा रहा है। बीच के किनारे होटल और हवाईअड्डे के मध्य यात्रा करने पर सड़क के किनारे लगातार बालू के विशाल बोरे दिखते हैं। बांग्लादेश दुनिया का सबसे भीड़भाड़ वाला देश है जहां 160 मिलियन से अधिक लोग 1,50,000 वर्ग किलोमीटर में रहते हैं। यह पृथ्वी ग्रह पर सबसे निचले स्तर वाला देश भी है। मेघालय की सीमा से सटा सिल्हट शहर भी औसत समुद्र स्तर से केवल 100 फीट ऊपर है। ग्लोबल वार्मिंग एक यथार्थ है और हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। इसके कारण बांग्लादेश का निचला हिस्सा तथा दक्षिणी पश्चिम बंगाल अंतत: समुद्र में डूब जाएगा। यह न केवल समुद्र तटों, बल्कि काक्स बाजार व ढाका के बीच उड़ान के दौरान दिखता है जो विशाल गंगा डेल्टाको पार करती है। यहां भूमि के समुद्र में डूबने का प्रभाव स्पष्ट दिखता है।

बांग्लादेश ने पिछले वर्षों में बंगाल की खाड़ी से उठने वाले अनेक घातक समुद्री तूफानों का सामना किया है। तथ्य यह है कि लोगों के सामने बढ़ते पानी से भागने के सिवा और कोई रास्ता नहीं है, पर वे भाग कर कहां जाएंगे? क्या वे उत्तर भारत में गंगा के मैदानों में चले जाएंगे? लेकिन केवल इतने से काम नहीं चलेगा। बढ़ती लहरों से नमक का स्तर बढ़ता है जिससे नदियों में ताजा पानी बहुत कम हो जाता है।

बिहार में एक सुदूर द्वीप क्षारीयता बढ़ने के कारण अनुर्वर हो गया है। 1971 में 10 मिलियन बांग्लादेशी शरणार्थी हत्यारी पाकिस्तानी सेना से बचने के लिए भारत भाग आए थे। इससे उस युग में भारत के सीमित आर्थिक संसाधनों पर बहुत अधिक भार पड़ा था। लेकिन यदि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को उल्टा नहीं जाता है तो 2071 तक भारत में इससे 10 गुना अधिक शरणार्थी आ सकते हैं। यह प्रभाव केवल बांग्लादेश से विस्थापन के कारण होगा। इसके साथ ही भारत के अपने समुद्र तटों की अस्थिरता को देखते हुए देश में इतने ही लोग आंतरिक विस्थापन के शिकार होंगे।

ऐसे में करोड़ों मनुष्यों का शहर की बहुमंजिला मलिन बस्तियों में आना कोई हालीवुड फिल्म की टेक्राफ की साइंस-फिक्शन कथा ही नहीं रहेगी, बल्कि यह यथार्थ बन जाएगी। इस कारण मानवता का भविष्य बहुत हिंसक हो जाएगा। भारत और बांग्लादेश की नैतिक जिम्मेदारी करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। लेकिन यह भी स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों के खिलाफ कार्रवाई में विलंब से यह असंभव हो जाएगा।

समुद्रगामी पवन ऊर्जा परियोजनाओं का महत्व

कोटा श्रीराज
(लेखक पर्यावरण पत्रकार हैं)

समुद्र तट से दूर भूमि क्षेत्र से आने वाली वायु अर्थात समुद्रगामी वायु ऊर्जा का उपयोग भू-आधारित वायु ऊर्जा कार्यक्रम का प्राकृतिक हिस्सा है। हालांकि, इस दशक में खासी वृद्धि के बावजूद, समुद्रगामी वायु ऊर्जा अभी भी अपरिपक्व अवस्था में और केवल दो दशकों से ही गंभीर शोध एवं विकासीय प्रयास हुए हैं।

2018 के अंत में, वैश्विक समुद्रगामी ऊर्जा का उत्पादन तटवर्ती परियोजनाओं से हुए 540 गीगावाट उत्पादन की तुलना में मात्र 23 गीगावाट रहा है। वायु की गति संभाव्यता एक संसाधन है, समुद्रगामी उत्पादन निश्चित रूप से तटवर्ती वायु ऊर्जा उत्पादन से अधिक होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब देश समुद्रगामी अपतटीय ऊर्जा उत्पादन को एक बड़ी सफलता का रूप देने के लिए बाधाएं हटाने में लगे हुए हैं। उदाहरण के लिए, पिछले दो वर्षों में दुनियाभर में 4.5 गीगावाट प्रति की स्थापनाएं हुई हैं, जिन्हें तकनीकी उच्चीकरण एवं सहकारी नीतियों का सहयोग हासिल है। इस प्रकार बिजली उत्पादन क्षमता में मुख्य योगदानकर्ता हैं यूके, जर्मनी, नीदरलैंड्स एवं चीन। इन देशों ने इन पवरियोजनाओं में निवेशकों के आकर्षण हेतु नीतियां भी निर्धारित की हैं।

उदाहरण के लिए, डेनमार्क और नार्वे जैसे देशों ने परियोजना की विफलता के एवज में अर्थदंड की व्यवस्था खत्म कर दी है, और परिचालन में सीखने के महत्व पर ज्यादा जोर दिया है। क्योंकि अपतटीय पवन ऊर्जा क्षेत्र खर्चीली तकनीक पर आधारित है, पायलट परियोजनाओं को सहायता की आवश्यकता होती है। यह सहायता आमतौर से निवेश सब्सिडियों के रूप में दी जाती है। उदाहरण के लिए, यूके ने शुरुआती समुद्रगामी अपतटीय ऊर्जा उत्पादकों को, भारी अनुदान दिए हैं, जो प्रति संयंत्र 10 मिलियन पौंड तक के हैं।

इस क्षेत्र में तीव्र गति से होने वाले वैश्विक स्तर पर विकास को देखते हुए, भारत में मौजूद 7,000 किलोमीटर लंबी तट रेखा उसे प्रचुर मात्रा में अपतटीय पवन ऊर्जा उत्पादन की क्षमता प्रदान करती है और भारत ने इस दिशा में सराहनीय प्रयास किए हैं। हालांकि, हम अभी उतना आगे नहीं पहुंचे

हैं, यद्यपि हरित ऊर्जा पोर्टफोलियो का उद्देश्य संपूर्ण अदोहित क्षमता का दोहन करना है। भारत के लिए, अपतटीय समुद्रगामी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का यह सही समय है। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में तटवर्ती वायु ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में खामोशी छाई है, जहां पिछले वर्षों में केवल 3.3 गीगावाट उत्पादन जुड़ पाया है। यह भी कि संपूर्ण विश्व नवीकरणीय अपतटीय पवन ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, अत: भारत भी इस क्षेत्र में पीछे नहीं रह सकता। तटवर्ती ऊर्जा क्षेत्र में गति धीमी होने के कारणों में से एक है यह तथ्य कि पुराने पवन ऊर्जा उत्पादन फार्मों का उच्च क्षमता वाली टर्बाइनों के द्वारा पुन: सशक्तीकरण करने से अपतटीय परियोजनाओं की भांति उतने ही पैमाने पर उत्पादन नहीं हो पाता है। यह ध्यान में रखते हुए एवं वैश्विक स्तर पर व्याप्त भावनाओं के चलते, सरकार ने 2022 तक 5 गीगावाट एवं 2030 तक 30 गीगावाट अपतटीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। राष्ट्रीय अपतट पवन ऊर्जा नीति- 2015 देश में अपतटीय परियोजना विकास हेतु मूलभूत कार्यतंत्र मुहैया कराती है क्योंकि इसमें 200 नॉटिकल मील तक के अपतटीय पवन फार्म स्थापित करने की मंजूरी दी गई है। हालांकि, हो सकता है यह कुछ लोगों के लिए सुविधाजनक न हो, निर्माणकर्ता सरकार से 35 वर्ष के पट्टे पर लेकर परियोजनना अन्वेषण एवं निर्माण गतिविधियां कर सकते हैं, प्रारूप अपतटीय पवन ऊर्जा लीज नियम 2019 के अनुसार। सरकार की महत्वाकांक्षी नीति के द्वारा भारी भरकम लक्ष्य निर्धारित किए जाने के बावजूद, जमीनी हकीकत कुछ भिन्न है। बहुत से उदाहरणों में विकास की गति मंद रही है और 5 गीगावाट का लक्ष्य पहुंच से बाहर है। ऐसा इसलिए क्योंकि परियोजना संवर्धन में स्वयं सात वर्ष का समय लग जाता है। जबकि सरकार निविदाएं तैयार करने में लगी है, आपूर्ति श्रंखला मुद्दे असेबोधित छोड़ दिए गए हैं। लागत भी एक अहम मुद्दा बन रही है।

अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की लागत मोटे तौर पर तटवर्ती परियोजनाओं की तुलना में पांच से सात गुना ज्यादा है। जबकि टर्बाइन पर लागत तटवर्ती परियोजना की पूंजी लागत की 60-80 प्रतिशत तक आती है, अपतटीय परियोजना में यह लागत मात्र 30-50 प्रतिशत तक होती है। इसके बजाए, ग्रिड कनेक्शन लागतों का हिस्सा अपतटीय परियोजना में उपसमुद्री केबल डालने की आवश्यकतास के कारण 15-30 प्रतिशत अधिक होता है। यदि सरकार को लक्षित बिजली उत्पादन में सफलता पानी है तो इन अवरोधों को देर करना ही होगा। नीति में धीमी हवा की स्थितियों, निम्न श्रम लागत तथा कर रियायत के लिए कस्टमाइज्ड टर्बाइन प्रारूपों के द्वारा लागत में कमी करने की व्यवस्था करनी होगी।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान समय में उद्योग पर कर का बोझ 30-31 प्रतिशत तक है, जिसके कारण निर्माणकर्ताओं को सरकार से कस्टम शुल्क हटाए जाने एवं केवल पांच प्रतिशत वस्तु एवं सेवाकर लगाने हेतु अनुरोध करना पड़ा है, जिस तरह तेल एवं गैस उद्योग को रियायतें दी जाती हैं। यह महत्वपूर्ण है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वर्तमान समय में अधिकतर परियोजनाएं विदेशी तकनीक पर निर्भर हैं। जब तक इन मामलों को सुलझाया नहीं जाता, भारत में अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति दो कदम आगे और तीन कदम पीछे जैसी रहेगी।

आप की बात

बार-बार ठगा जाता है मतदाता

भारतीय चुनाव आयोग से लेकर शासनिक एवं प्रशासनिक स्तर तक इस बात का प्रयास किया जाता है कि चुनावों में मतदान शत-प्रतिशत हो और हर मतदाता बूथ तक अवश्य पहुंचे, लेकिन वही मतदाता जब अपने मत को इस तरीके से बिकता हुआ देखता है तो उसे पैरों तले धरती खिसकती नजर आती है,मत किसे दिया सरकार कौन बना रहा है,इससे उसकी सारी आजादी छीन ली जाती है और फैसला उनके हाथों में होता है जिनका बहुमत से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं,क्या विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश कहे जाने वाले भारत में यह अपने आप में एक वीभत्स मजाक नहीं,,यही वजह है कि हम कितना भी प्रयास कर ले मतदान प्रतिशत नहीं बढ़ा पाते, क्योंकि हम सब कुछ करते हैं लेकिन एक मतदाता को यह विश्वास नहीं दिला पाते कि उसका मत सही इस्तेमाल हो रहा है। जब से मतदाता की आयु प्राप्त की तब से हम इसी मुगालते में रहे कि शायद सरकार हमारे मत से बनती है,लेकिन अब पता लगा कि गलतफहमी में थे हम जनाब, सरकार हमारे मतदान से नहीं बल्कि मतगणना के बाद होने वाले गुप्तदान से बनती है,सीधे शब्दों में सरकार वोट से नहीं अब जोड़-तोड़ से बनती है।

– **रमेश माहेश्वरी**, सुल्तानपुर

कहां गए आरबीआई से लिए रुपए

अगस्त 2019 में भारत सरकार ने रिजर्व बैंक की आपातकालीन संचित राशि में से 24.8 अरब डॉलर, मतलब 17 खरब 60 अरब रुपये अपने मनमाफिक बैठाए गवर्नर से यह कर ले लिए कि सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की नाजुक हालात को ठीक करने के लिए उसे पैसों की सख्त जरूरत है। इसके अतिरिक्त सरकार के इसी पैसे लेने के दबाव में रिजर्व बैंक के एक भूतपूर्व गवर्नर और एक डिप्टी गवर्नर ने विरोधस्वरूप इस्तीफे भी दे दिए थे। आज भी सरकार के अनुसार बैंकों, रेलवे, भेल, इंडियन ऑयल, एयर इंडिया और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों आदि की आर्थिक स्थिति राब होने की वजह उनका निजीकरण करने और बेचने तक की बात चल रही है। कई प्रतिष्ठित पुरानी और स्थापित कंपनियों की हालत खराब होने की वजह से लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं हैं। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार अगले मार्च तक इनमें से कई संस्थानों को बेच दिया जायेगा। यह देश की जनता को जानने का हक है कि सरकार रिजर्व बैंक से देश की आपातकालीन संचित राशि की खरबों रुपयों की राशि निकालने के बाद उन पैसों से अपने कितने सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की नाजुक हालात को सुधार चुकी है।

– **निर्मल कुमार शर्मा**, गाजियाबाद

अव्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार

देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफलता पिछले कुछ वर्षों में बार-बार सामने आ रही है। सत्ता में बैठे व्यक्तिगत विधि-निर्माताओं ने कानून का दुरुपयोग किया है। ऐसा लगता है कि अब कानून का शासन शासकों के कानून में बदल गया है। इसलिए मैं इन मामलों के विस्तृत विवरण में नहीं जाऊंगा। तथ्य यह है कि हम ऐसे देश में रह रहे हैं जहां आमतौर से अवैध काम करने वालों को संरक्षण प्राप्त है। उत्तर प्रदेश में स्वामी चिन्मयानंद मामले में पुलिस कार्रवाई जैसी स्थिति हमेशा नहीं बनती है, जब कथित भाजपा नेता पर बलात्कार का आरोप लगा था। कभी-कभी यह मजाक दूसरे रूपों में सामने आता है। उदाहरण के लिए, नोटबंदी एकपक्षीय रूप से नागरिकों पर थोप दी गई और इसका वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया कि इसका देश की अर्थव्यवस्था पर कितना भयानक प्रभाव पड़ेगा। किसी एक व्यक्ति को संकट के लिए पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आर्थिक संकट व बेरोजगारी में विदेशी तत्व भी जिम्मेदार हैं।

– **सुरेश वर्मा**, कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

अजित पवार ने हमें समर्थन पत्र दिया। इससे हम आगे बढ़े। अजित के साथ जा कर भाजपा ने अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया।

– **अमित शाह**
केन्द्रीय गृह मंत्री

भाजपा को अजित का समर्थन नहीं लेना चाहिए था। वे व्यापक सिंचाई घोटाले के साथ अनेक मामलों में आरोपी हैं।

– **एकनाथ खड़से**
वरिष्ठ भाजपा नेता

भाजपा ने महाराष्ट्र में सत्ता बचाने के सारे अघोरी प्रयास किए, लेकिन जनता ने इन्हें विफल कर दिया। यह देश की राजनीति में बदलाव का प्रारम्भ है।

– **संजय राउत**
शिवसेना नेता

अब काऊ कोट में दिखेंगी सूबे की गायें

ठंड से गायों को बचाने के लिये योगी सरकार की पहल

● सरकारी गोशालाओं में स्थानीय निकाय तथा निजी गोशालाओं में गोसेवा आयोग को दी गई जिम्मेदारी

कमल दुबे। लखनऊ

योगी सरकार गोशालाओं रहने वाली गायों के लिये नयी पहल की है। जिसके तहत लाखों गायें कड़ाके की ठंड के दौरान काऊ कोट में दिखेगी। इन्हे सर्दी से बचाने के लिये सरकार की तरफ से काऊ कोट तैयार कराने के निर्देश दिये गये हैं।

सरकारी गोशालाओं में रहने वाली गायों के लिये नगर निगम, नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायतों को काऊ कोट तैयार कराने होंगे जबकि अन्य गोशालाओं की गायों को काऊ कोट दिलाने की जिम्मेदारी गोसेवा आयोग को दी गई है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, गोरखपुर, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ तथा बरेली सहित अन्य शहरों में स्थित गोशालाओं में पन्द्रह लाख से अधिक गायें है। जिसमे पांच लाख के लगभग स्थानीय निकायों द्वारा संचालित की जा रही गोशालाओं में गायें रहती है। निकायों द्वारा संचालित गोशालाओं में ऐसी गाये रहती है, जिन्हे सड़कों पर आवारा घूमने पर पकड़ कर लाया जाता है। इसके अलावा बड़ी संख्या में निजी क्षेत्र के लोगों द्वारा गोशालाओ का संचालन हो रहा है। शीतलहर के दौरान हर साल इन गोशालाओं में हजारों की संख्या में गायें मरती है। सरकार चाहती है कि इनकी बेहतर तरीके से देखभाल हो, ताकि ठंड से गायों की मौत न हो सके। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि गायों को ठंड से बचाने के लिये काऊ कोट का रास्ता निकाला गया है। विशेष तरह के कोट तैयार कराके गायों को पहनाया जाएगा। इसके

अलावा गोशालाओं में अलाव का भी इंतजाम होगा। निजी क्षेत्र द्वारा संचालित की जा रही गायों को काऊ कोट का इंतजाम सम्बंधित संस्थाओं को करना होगा। गौरतलब है कि निजी क्षेत्र की संस्थाओं को गायों की देखभाल के लिये सरकार से अनुदान मिलता है। यह अनुदान गोसेवा आयोग के माध्यम से गोशाला चलाने वाली संस्थाओं को दिया जाता है। जिस कारण निजी गोशालाओं में गायों को काऊ कोट की व्यवस्था आयोग को सम्बंधित संस्थाओं से करानी होगी। सरकारी गोशालाओं में निकायों को काऊ कोट तैयार कराने होगे। जानकारों का तो कहना है कि सरकार का इशारा पाकर इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ सरकार के इस कदम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोवंश प्रेम से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम योगी की गोवंश पर अटूट आस्था है और गोरखपुर स्थित गोरक्षा पीठ में बड़ी संख्या में गायें हैं, जिनकी सीएम योगी अभी भी सेवा करते हैं। इसके अलावा उनके धार्मिक एजेड़ा में गोवंश सबसे ऊपर है। राज्य की सत्ता की बागडोर संभालने के तुरंत बाद उन्होने अवैध स्लाटर हाउसों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाकर उन्हे बंद कराया था। इसके अलावा लोगों के अन्दर गोवंश पालने की दिलचस्पी पैदा करने के लिये सरकार ने योजना भी चलाकर रखी है। जिसमे गोवंश को गोद लेने वालों को चारे के लिये तीस रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अनुदान राशि सरकार देती हैं। जानकारों की माने तो यह पहला मौका है जब सूबे की गायों के तन पर सरकारी कोट होगा।

सड़क सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन हो: योगी

● कन्नौज और गोरखपुर दुर्घटनाओं पर सीएम ने जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज और गोरखपुर में हुई सड़क दुर्घटनाओं में शोक जताते हुये सड़क सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये है। उन्होने परिवहन विभाग तथा परिवहन निगम के अधिकारियों से कहा कि कोहरे के देखते हुये सड़क सुरक्षा के सभी उपायों को उठाया जाये ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

इसके साथ ही सीएम ने कन्नौज तथा गोरखपुर की दुर्घटनाओं में हुई मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। इन दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों का इलाज कराने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उन्होंने प्रभावितों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये हैं। मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग तथा परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सर्दी के मौसम में कोहरे आदि के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पूर्णत: पालन करें, जिससे उनकी यात्रा सुरक्षित और सकुशल सम्पन्न हो सके।

दिव्यांगों को योजना का लाभ दिलाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

लखनऊ(पीएनएस)। प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश के चिन्हित 56 जनपदों में 3 से 15 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जायेगा। अभियान के माध्यम से दिव्यांगजनों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जायेगा। गुरुवार को यह जानकारी उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण रंजीत सिंह ने दी है। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सभागार में आयोजित कार्यशाला के दौरान उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण से प्रत्येक जनपद में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। कार्यशाला के माध्यम से सभागार में उपस्थित नुक्कड़ नाटक दलों को योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही दिव्यांगता के प्रमुख कारण तथा उनके बचाव के बारे में भी जानकारी दी गई तथा उसके पहचान व उपचार की भी जानकारी साझा की। विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में दिव्यांग व्यक्तियों हेतु भरण-पोषण, अनुदान, दिव्यांग पेंशन योजना, कुष्ठावस्था पेंशन योजना, कृत्रिम अंग,सहायक उपकरण योजना, दिव्यांगजन से शादी करने पर पुरस्कार, दुकान निर्माण व संचालन योजना, दिव्यांगता निवारण हेतु शल्य चिकित्सा अनुदान, उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम को दिव्यांगजन की नि:शुल्क बस यात्रा हेतु क्षतिपूर्ति, बचपन डे केयर सेंटर्स तथा दिव्यांगजन हेतु विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी मुख्य रूप से शामिल है।

राज्य स्तरीय पुरस्कार से दिव्यांग दिवस पर सीएम करेंगे सम्मानित

लखनऊ। दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित व्यक्तियों व संस्थाओं नियोक्ताओ, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को विश्व दिव्यांग दिवस पर 3 दिसम्बर 2019 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य स्तरीय पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे। गुरुवार को यह जानकारी निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण अजीत कुमार ने दी है।

प्रो. एके त्रिपाठी ने एसजीपीजीआई के निदेशक का कार्यभार संभाला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के निदेशक प्रो. एके त्रिपाठी ने गुरुवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के निदेशक पद का कार्यभार संभाल लिया। प्रो. एके त्रिपाठी को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के निदेशक के पद पर 3 माह की अवधि अथवा नये निदेशक की नियुक्ति होने अथवा अग्रिम आदेशों, जो भी पहले हो, तब तक बने रहेंगे।

प्रो. त्रिपाठी इसके साथ ही अपने वर्तमान दायित्वों का भी निर्वहन करते रहेंगे। बता दें कि एसजीपीजीआई के निदेशक प्रो. राकेश कपूर का कार्यकाल 19 नवम्बर 2019 को समाप्त होने की दशा में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 18 नवम्बर 2019 को तीन माह की अवधि एवं अग्रिम आदेशों तक विस्तारित किया गया था। जिसके बाद प्रो राकेश कपूर द्वारा प्रोफेसर यूरोलॉजी के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांग जाने के अनुरोध पर अध्यक्ष एसजीपीजीआई द्वारा 2 दिसंबर 2019 से उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की स्वीकृति के उपरान्त राज्यपाल ने प्रो. राकेश कपूर को निदेशक पद के दायित्वों से मुक्त कर दिया है।

किसान की बदहाली के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार: अखिलेश

● गोंडा से आए किसानो ने सपा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज किसान अगर बदहाल है तो इसके लिए भाजपा सरकार की गलत नीतियां जिम्मेदार हैं। भाजपा सरकार ने किसानों के फायदे के कदम तो उठाए नहीं, उन्हें बस झूठे वादों से बहकाते रहे हैं। किसानों की जमींने छीनकर उन्हें बेघर और बेरोजगार बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार अगर किसानों की अधिगृहीत जमीन का उचित मुआवजा नहीं दे सकती है तो उनकी जमीने वापस कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा भाजपा सरकार गलत लोगों की है, इसे हटना चाहिए।

अखिलेश यादव गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में गोंडा से बड़ी संख्या में आए किसानों की व्यथा सुनने के बाद उन्हें सम्बोधित कर रहे थे। पूर्वमंत्री योगेश प्रताप सिंह तथा

पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को जनपद गोंडा में सरयू नहर खण्ड प्रथम द्वारा वाजिब मुआवजा न दिए जाने के सम्बंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। किसानों का कहना था कि उन्हें अखिलेश यादव पर विश्वास है। उनके कार्यकाल में ही किसान लाभान्वित हुए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि गरीब किसान को पर्याप्त मुआवजा मिले तो वह दूसरी जगह जमीन खरीद सकता है, अपना घर बना सकता हैं। समाजवादी सरकार में किसानों से विकासकार्यों के लिए जमीन लेते समय चार गुना तक बढ़ाकर मुआवजा दिया गया। 302 किलोमीटर लम्बे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के लिए किसानों ने अपनी जमीने दीं हमने उनको मुंहमांगा मुआवजा दिया। कोई आंदोलन नहीं हुआ।

सपा ने बनाए 15 जिलाध्यक्ष

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 15 जिलों में नए जिला अध्यक्षों नियुक्त किए हैं। इनमें मैनपुरी में दीप सिंह पाल, इटावा में गोपाल यादव, औरैया में राजवीर सिंह, मुजफ्फरनगर में प्रमोद त्यागी, सहारनपुर में रुद्रसेन चौधरी, बस्ती में महेंद्र यादव, गाजियाबाद में राशिद मलिक, मथुरा में लोकमणि जादौन, लखनऊ में जयसिंह जयन्त, जालौन में नवाब सिंह, बुलंदशहर में अमजद गुड्डू, उन्नाव में धर्मेन्द्र सिंह यादव, कानपुर ग्रामीण में राघवेंद्र सिंह, बरेली में अगम मौर्या और गोंडा में आनद स्वरूप उर्फ पप्पू यादव को जिलाध्यक्ष नामित किया गया है।

408 बेटिकट यात्रियों से वसूला जुर्माना

लखनऊ(पीएनएस)। बेटिकट यात्रियों के विरुद्ध डीआरएम संजय त्रिपाठी के निर्देश पर गुरुवार को विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान लखनऊ-दरियाबाद रेलखंड पर चला, इस दौरान 12556 गोरखधाम एक्सप्रेस, 15909 अवध-असम एक्सप्रेस, 13020 बाघ एक्सप्रेस, 14650 सरयू-यमुना एक्सप्रेस, 13010 दून एक्सप्रेस, 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस, 12511 राप्ती सागर एक्सप्रेस, 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस, 13151 सियालदाह एक्सप्रेस, 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस सहित कई अन्य ट्रेनों में यात्रा कर रहे यात्रियों के टिकटों की जांच की। अभियान के दौरान टिकट चेकिंग कर्मियों ने कुल 408 यात्रियों को बिना टिकट या फिर अनियमित टिकट पर यात्रा करते पकड़ा। अधिकारियों ने इन यात्रियों से 183665 रुपए की धनराशि बतौर जुर्माना वसूल की।

एड्स से बचे बच्चों को सामान्य जिंदगी देने में मदद करेगा केजीएमयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

तैयार किया गया ड्राफ्ट

एड्स के संक्रमण से दूर सामान्य जीवन जी रहे बच्चों के शिक्षा और उत्तम स्वास्थ्य के लिए किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी सपोर्ट करेगी। इसके लिए विवि की तरफ से ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। जिसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा। गुरुवार को यह जानकारी विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एड्स अवेरनेस वीक के दौरान नोडल ऑफिसर डॉ. डी. हिमांशु ने दी है। एड्स अवेरनेस वीक श्रृंखला के अंतर्गत आज एआरटी प्लस सेंटर, मेडिसन ओपीडी में एक कार्यक्रम चिल्ड्रेन ऑफ होप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट ने कहा कि माता पिता एवं डॉक्टरों के प्रयासों से इन बच्चों को एचआईवी के संक्रमण से बचाया गया है। ये बच्चे भी राष्ट्र की निधि है। उन्होंने कहा कि इससे समाज मे ये संदेश जाता है कि पॉज़िटिव मरीज भी सामान्य लोगों की तरह खुशहाल जीवन जी सकते है। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो अरविंद मिश्र ने कहा कि अगर सभी मिलकर प्रयास करे तो कार्य मे सफलता अवश्य मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो एसएन शंखवार ने सेंटर को आश्वस्त किया कि अस्पताल प्रशासन की तरफ से जो भी सहयोग होगा किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. सावलानी ने कहा कि पॉज़िटिव कपल आज इस बात से संतुष्ट है कि उनके होने वाले बच्चों को संक्रमण नही होगा। इस अवसर पर कुलपति ने सभी बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सिग्नेचर कैम्पेन में सभी लोगों ने हिस्सा लिया और अपने विचार व्यक्त किये। इसके बाद न्यूट्रीशन के बच्चों ने एड्स जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

दंगा पीड़ित कमेटी ने मुख्य सचिव से भेंट कर सौंपा ज्ञापन

● मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव गृह ने दिया आश्वासन, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, पीड़ित सिखों को मिलेगा न्याय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय दंगा पीड़ित कमेटी 1984 के एक प्रतिनिधि मंडल ने कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह भोगल की अगुवाइ में मुख्य सचिव राजेन्द कुमार तिवारी से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। भाजपा के सह मीडिया प्रभारी अवध क्षेत्र सतवीर सिंह राजू ने बताया कि दंगे की जांच के लिए गठित

एसआइटी के ढुलमुल रवैये और गवाहों की सुरक्षा तथा लंबित मुआवजे आदि विषयों से मुख्य सचिव को अवगत कराया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव को सम्मानित भी किया गया। सतवीर सिंह राजू ने बताया कि मुख्य सचिव तथा अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और पीड़ित सिखों को न्याय मिलेगा। इस मौके पर सुरजीत सिह ओबराय महासचिव, जगदीप सिंह कालो सदस्य डीएसजीपीसी, कुलवन्त सिंह खालसा, रणजीत सिह, अजीत सिंह छाबड़ा,सतवीर सिंह राजू, सरबजीत सिह हैप्पी, मनमोहन सिंह हैप्पी, पतविन्दर सिंह आदि भी मौजूद थे।

मुख्य सचिव को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि अखिल भारतीय दंगापीड़ित राहत कमेटी 1984 द्वारा एक जनहित याचिका सर्वोच्च न्यायालय में डाली गई थी। जिसमें कानपुर दंग की जांच सीबीआई अथवा एसआईटी से कराने की मांग की गयी थी। इस दंगे में 127 लोग मारे गए थे। जिस पर उच्च न्यायलय के तीन जजों की बेंच ने केन्द्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार को स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा था और केंद्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि हमें को ऐतराज नहीं होगा, अगर प्रदेश सरकार इस मामले में एसआइटी का गठन करे और अपनी रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखे ,मगर राज्य सरकार द्वारा आज तक सुप्रीम कोर्ट में स्टाटस रिपोर्ट नहीं भेजी गई। 25 फरवरी 2019 को एसआईटी का गठन कानपुर के लिए किया गया था परन्तु संसदीय चुनाव आ जाने के कारण एसआईटी जुलाई माह के अंत तक अस्तित्व में आ पाई और सुचारू रूप से कार्य करने के लिए और कार्यालय शुरू होने तक सितम्बर माह आ गया।

परन्तु आज नवम्बर आखरी तक एसआईटी अपना काम करने में बिल्कुल नाकाम रही है। और अभी तक सारी एफ आईआर और उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट तक हासिल नहीं कर सकी है। दंगा पीड़ित परिवार एसआईटी के दफ्तर में जा-जाकर थक चुके हैं इससे लगता है कि एसआईटी दंगापीडितों को इंसाफ नहीं दिलाना चाहती है। अब दंगा पीड़ित एवं सिख समाज नरेन्द्र मोदी और आदित्य नाथ योगी की सरकार से पूरी उम्मीद लगाये बैठा है कि एसआईटी द्वारा कब दोषियों को जेल की सलाखों मे भेजा जाएगा और कब उन्हें इंसाफ मिलेगा।

भाजपा सरकार के खिलाफ चार को प्रदेशभर में आंदोलन करेगी कांग्रेस

● किसानों को 450 रुपए प्रति कुंतल गन्ना मूल्य और समस्त बकाए के मूल्य भुगतान की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस किसानों से जुड़े मुद्दों, समस्याओं और उनकी मांगों को लेकर आगामी 4 दिसंबर को भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदेश की सभी तहसीलों और जिला मुख्यालयों पर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू स्वयं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि 4 दिसम्बर को कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता 450 रुपए प्रति कुंतल गन्ना मूल्य दिए जाने और गन्ना किसानों के समस्त बकाए का भुगतान किए जाने की मांग और एक हजार से ज्यादा किसानों को पराली जलाने पर जेल भेजने के विरोध में जोरदार आन्दोलन करेंगे। लल्लू ने कहा कि योगी सरकार किसानों की बात सुनने के लिए तैयार नहीं है। पिछले तीन सालों से योगी सरकार ने किसानों का गन्ना मूल्य नहीं बढ़ाया है। भाजपा ने सरकार बनने के चौदह दिन के अन्दर गन्ना मूल्य के बकाए भुगतान का वादा किया था किन्तु अभी तक पिछले वर्ष के बकाये का भुगतान नहीं किया गया है। एक पेराई सत्र बीत जाने के बाद भी दूसरे पेराई सत्र के शुरू होने पर भी गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया जा रहा है। सरकार के कई ऐसे फैसले हैं जिनकी वजह से किसानों की फसल का लागत मूल्य तो बढ़ गया है लेकिन उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश सरकार पराली जलाने पर किसानों को जेल तो भेज रही है लेकिन अभी तक पराली का अलग कार्यों में उपयोग करने का कोई विकल्प किसानों के समक्ष नहीं पेश कर पायी और न ही किसानों को पराली का वाजिब मूल्य ही दिलाया जा रहा है। किसानों के हक में इन ज्वलन्त मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरेगी।

गोंडसे को देशभक्त बताए जाने की निंदा, कांग्रेस आज करेगी प्रदर्शन

लखनऊ। लोकसभा में भाजपा सांसद व रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य प्रज्ञा ठाकुर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथू राम गोंडसे को देशभक्त बताए जाने की उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने घोर भर्त्सना की है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रज्ञा ठाकुर के इस प्रकार की राष्ट्रविरोधी टिप्पणी की कड़ी निन्दा की है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर द्वारा गांधी जी के हत्यारे नाथू राम गोंडसे को देशभक्त बताये जाने के विरोध में राजधानी लखनऊ में 29 नवम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा जीपीओ पार्क स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

पीआईसीयू के प्रोटोकॉल डेवलप करने में केजीएमयू की मदद करेगा कनाडा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और एकेडेमिक्स विदाऊट बॉर्डस, कनाडा के बीच गुरुवार को एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। एमओयू के जरिए चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों संस्थान अपने अनुभव, अनुसंधान एवं लेटेस्ट तकनीकों को एक दूसरे के बीच साझा करेंगे। इसके साथ ही संस्थान के बाल विभाग की पीडियाट्रिक इंसेटिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) के प्रोटोकॉल तैयार करने में मदद मिलेगी। अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर विवि के कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट और एकेडेमिक्स विदाऊट बॉर्डर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ग्रेग मोरान के बीच किया गया। डॉ. मुरे केसलमैन और बाद में डॉ. जेफ्फ ब्रुडजिंस्की दोनो (कनाडा की यूनिवर्सिटी आफ मनिटोबा) के जाने माने बाल गहन चिकित्सा विशेषज्ञ हैं। एमओयू के जरिए बाल विभाग के गहन चिकित्सा इकाई में टीचिंग और ट्रेनिंग एवं कार्यविधि को और अधिक सुनियोजित करने में मदद मिलेगी। कनाडा के साथ हुए इस अनुबंध और विवि के अन्य विभागों के बीच भी नये प्रोजेक्ट शुरू होने की संभावनाएं है क्योंकि कनाडा चिकित्सा के क्षेत्र में काफी अग्रणी है।

राजधानी को नये साल पर मिलेगी नए बस स्टेशन की सौगात

कमता से चलेंगी पूर्वांचल की बसें, जाम और प्रदूषण से मिलेगी राहत

● रोडवेज बोर्ड बैठक में एलडीए द्वारा बनाए गए बस स्टेशन को 90 वर्षों की लीज पर लेने की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानीवासियों को 1 जनवरी को रोडवेज की ओर से नए बस स्टेशन की सौगात मिलेगी। लिहाजा राजधानी से बाहर जाने वाले यात्रियों की राह और आसान होने वाली है। वहीं छह माह के अंदर रोडवेज प्रशासन अपने बेड़ें में 100 वोल्वो और स्कैनिया श्रेणी की और बसें भी शामिल करेगा। जिससे यात्रियों की राह और ज्यादा आसान हो सके। गुरुवार को रोडवेज मुख्यालय में हुई 225वीं बोर्ड बैठक में इसके साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। एक जनवरी से परिवहन निगम गोमती नगर स्थित कमता बस स्टेशन से रोडवेज बसों का संचालन शुरू करेगा।

परिवहन निगम के बोर्ड ने 90 साल की लीज पर बस स्टेशन लेने के बावत अपनी मंजूरी दे दी है। इस बस स्टेशन से रोजाना 500 बसों का संचालन किया जाएगा। पूर्वांचल की सभी बसों का संचालन यहां से किए जाने की तैयारी चल रही है, इससे शहर में जाम और प्रदूषण दोनों की समस्या बहुत हद तक समाप्त होने की भी उम्मीद है। निगम के अधिकारियों की मानें तो यात्रियों को पूर्वांचल जाने के लिए अब कैसरबाग या आलमबाग बस टर्मिनल नहीं जाना पड़ेगा। बल्कि उन्हें कमता से ही बस सेवा उपलब्ध होगी। रोडवेज के अधिकारियों के अनुसार अभी फैजाबाद और गोरखपुर रूट पर तकरीबन 400 बसों को संचालन किया जा रहा है जिनसे रोजाना 15 हजार यात्री सफर करते हैं। वही दूसरी ओर परिवहन निगम अपनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने लिए अगले एक साल के अंदर ईआरपी (इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) लागू करने पर सैद्धान्तिक सहमति दे दी हैं, इससे रोडवेज की सेवाएं पहले के मुकाबले और ज्यादा बेहतर होंगी।

परिवहन निगम बोर्ड बैठक में वोल्वों और स्कैनिया बसों के बेड़े को बढ़ाए जाने पर भी आपसी सहमति बन गई है। आने वाले छह माह के दौरान 100 नई स्कैनिया व वोल्वो बसें रोडवेज बेड़े में शामिल होंगी। हाई डिमांड और हाई लोड फैक्टर मार्गों पर ही इन बसों का संचालन होगा। इसके साथ ही ईटीएम (इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीनों) की आवश्यकता को देखते हुए बोर्ड ने अगले छह महीनों में सभी बसों पर एंड्रायड मशीनों को शामिल करने की मंजूरी दी है(इस मशीन के आने से यात्री किराए का भुगतान क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, स्मार्ट कार्ड के माध्यम से कर सकेंगे। गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक में लंबे मार्गों पर दौड़ रही रोडवेज बसों का किराया कम किए जाने पर भी निर्णय लिया गया है। लंबी दूरी की बसों में टीएफएस (टेलीस्कोपिक फेयर सिस्टम) को मंजूरी दी गई है, लम्बी दूरी के सफर में किराए में कमी किए जाने से यात्रियों को लाभी मिलेगा। शुरुआती दौरा में तीन माह के लिए इस योजना को प्रयोगिक तौर पर कुछ मार्गों पर लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे अन्य लंबी दूरी के मार्गों पर लागू करने की योजना रोडवेज अधिकारियों ने बनाई है।

ई सिगरेट पर रोक के कदम को राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने बताया सही

भाषा। नई दिल्ली

ई सिगरेट पर रोक के लिए सरकार द्वारा लाए गए विधेयक का समर्थन करते हुए विभिन्न दलों के सदस्यों ने समाज विशेषकर युवाओं में नशे के बढ़ते चलन पर चिंता जताई। उच्च सदन में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) प्रतिषेध विधेयक, 2019 पर हुई चर्चा के दौरान विभिन्न दलों के सदस्यों ने यह चिंता जताई। इससे पहले विधेयक पेश करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. हर्षवर्द्धन ने कहा कि बड़ी तंबाकू कंपनियां अलग अलग नाम से ई सिगरेट के कारोबार में हैं और इनमें से कई बड़ी कंपनियां भारत में अपने नए उत्पाद को पेश करने की तैयारी में थीं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा, यह सही है कि भारत में कुल आबादी के करीब 0.2 प्रतिशत लोगों द्वारा ही ई सिगरेट का इस्तेमाल करने की खबर है। लेकिन हाल ही में स्कूल के औचक निरीक्षण में बच्चों के बैग में 150 वाष्पीकरण उपकरण :वेपिंग डिवाइस: पाए गए। ऐसे में हमारा मानना है कि युवाओं के संदर्भ में खास तौर पर इसके गंभीर खतरे हैं। उन्होंने कहा कि अध्यादेश लाने से पहले देश में पहले ही 16 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा चुके थे। 42 देशों ने भी इस पर प्रतिबंध लगा रखा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर धूम्रपान के खिलाफ तमाम अभियानों के बाद धूम्रपान के स्तर में कमी आई है और अब बड़ी सिगरेट कंपनियां ई-सिगरेट को सुरक्षित बताकर युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करने की जुगत में हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की निशानी के तौर पर पेश की जा रही ई सिगरेट को इसके आकर्षक डिजाइन, धुआंधार मार्केटिंग और विज्ञापन में ग्लैमर के जरिए बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इसके हानिकारक प्रभाव से युवाओं को बचाना जरूरी है।

डॉ. हर्षवर्द्धन ने कहा कि ई सिगरेट का स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव होता है। इससे फेफड़े, हृदय, जिगर पर असर होता है और हाइपरटेंशन सहित अन्य बीमारियां भी होती हैं। उन्होंने कहा, ऐसे में एक जिम्मेदार सरकार होने के नाते पहले हम इसे प्रतिबंधित करने के लिए अध्यादेश ले कर आए और अब हम विधेयक लेकर आए हैं। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) प्रतिषेध विधेयक, 2019 विधेयक कानून बनने के बाद हाल ही में इस संबंध में जारी अध्यादेश की जगह लेगा। केंद्र सरकार ने लोगों को, खासकर युवाओं को ई-सिगरेट से होने वाले सेहत संबंधी खतरों का उल्लेख करते हुए इन उत्पादों पर रोक लगाने के लिए सितंबर महीने में अध्यादेश जारी किया था। सरकार ने इसके साथ ही ई-हुक्के को भी प्रतिबंधित किया है।

विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के एम वी राजीव गौड़ा और भाजपा के विकास महात्मे ने ई सिगरेट पर रोक लगाए जाने के कदम का समर्थन किया और नशे के बढ़ते चलन पर चिंता जताई। विधेयक पर चर्चा अधूरी रही। विधेयक में कहा गया है कि इस कानून का उल्लंघन करने पर, पहली बार अपराध के मामले में एक वर्ष तक कैद अथवा एक लाख रुपए तक जुर्माना अथवा दोनोंअ और अगले अपराध के लिए तीन वर्ष तक कैद और पांच लाख रुपए तक जुर्माना अथवा दोनों लगाया जा सकता है।

वृंदावन में गुरुवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में बच्चों को भोजन परोसते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

सुले ने बाल ठाकरे को याद किया, कहा उन्हें आज यहां होना चाहिए था

मुंबई। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बृहस्पतिवार शाम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारियों के बीच राकांपा सांसद सुप्रिया सुले भावुक हो गईं और कहा कि शिवसेना प्रमुख के पिता दिवंगत बाल ठाकरे और मां मीनाताई ठाकरे को आज के दिन मौजूद रहना चाहिए था।

राकांपा प्रमुख शरद पवार की बेटी सुले ने कहा कि बाल ठाकरे और उनकी पत्नी ने उन्हें बेटी से ज्यादा प्रेम एवं स्नेह दिया और कहा कि वह उन्हें बहुत याद करती हैं।

राजनीतिक मोर्चे पर एक दूसरे की तीखी आलोचना करते रहे पवार और बाल ठाकरे के बीच इस मोर्चे से इतर अच्छे संबंध थे। शिवसेना कभी महाराष्ट्र में विरोधी रही, राकांपा और कांग्रेस के साथ मिल कर सरकार बना रही है।

मंत्री के आधिकारिक यात्रा पर मित्रों को ले जाने को लेकर ओडिशा विधानसभा में हंगामा

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा विधानसभा में बृहस्पतिवार को विपक्ष ने हैदराबाद की आधिकारिक यात्रा पर मंत्री जेपी पाणिग्रही द्वारा कथित तौर पर अपनी दो महिला मित्रों को ले जाने के मुद्दे पर हंगामा करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। ओडिशा के पर्यटन, उड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृति मंत्री पाणिग्रही पर हैदराबाद में ओडिशा पर्यटन रोड शो में शिरकत के दौरान कथित तौर पर दो महिला मित्रों को साथ ले जाने के लिए सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। विधानसभा में इस मुद्दे को भाजपा के नेता प्रतिपक्ष प्रदीप कुमार नाइक ने उठाया और उन्होंने पाणिग्रही से स्पष्टीकरण की मांग की। उसके बाद कांग्रेस के सदस्यों ने पाणिग्रही के इस्तीफे की मांग तेज सदन के बीचोंबीच आकर हंगामा किया। जिसके बाद अध्यक्ष एस एन पात्रो को कई बार सदन स्थगित करना पड़ा। कांग्रेस सदस्य संतोष सिंह सलूजा और सुरेश राउतरे ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से पाणिग्रही को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त करने की मांग की। अध्यक्ष द्वारा पात्रो ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जिससे नाराज होकर ताराप्रसाद बहिनीपति के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने सदन के आसन पर चढ़ने का प्रयास किया और उनका माइक छीन लिया। पाणिग्रही के कथित कार्य को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाने वाला करार देते हुए सलूजा ने कहा कि सारथी(स्वयंभू भगवान) एक महिला के साथ हैदराबाद गए थे और उन्हें जेल भेज दिया गया था। वही नियम पाणिग्रही पर भी लागू होता है। सलूजा ने बताया कि मंत्री के साथ एक 47 वर्षीय महिला और उसकी 25 वर्षीय बेटी हैदराबाद गईं थी और हैदराबाद के आलीशान होटल में मंत्री के साथ रुकी थी। सलूजा ने सदन में कहा कि मंत्री के निजी सचिव ने दोनों महिलाओं के जाने के लिए टिकट बुक की थी और उनके रुकने की व्यवस्था भी की।

जाखलौन सेवा समिति का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

● बाइस लाख के मुनाफे के साथ समस्याओं पर भी हुआ विचार

ललितपुर। कस्बा जाखलौन की किसान सेवा सहकारी समिति का वार्षिक अधिवेशन आज संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के प्रबंध निदेशक अशोक पटेल ने समिति की आख्या प्रस्तुत करते हुए समिति को इस वर्ष 22 लाख के मुनाफे में बताया। इस अवसर पर बोर्ड के सदस्यों ने समिति की आय बढ़ाने के लिए कई सुझाव रखे। जिनमें समिति की खाली भूमि पर दुकानों का निर्माण करवाने, बीज की ग्रेडिंग करवाने और किसानों को बीमा की राशि दिलवाने में आ रही समस्याओं पर अपने विचार रखें।

कस्बे की सहकारी समिति पर आज समिति का वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में प्रबंध निदेशक अशोक पटेल ने समिति की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। बताया कि इस वर्ष समिति समस्त खर्चे काटकर 22 लाख के मुनाफे में चल रही है। जो समिति पहले घाटे में चलती थी आज वर्तमान अध्यक्ष और संचालक मंडल के संयुक्त प्रयासों से लाभ में पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्षों में समिति का मुनाफा कई गुना बढ़ने की संभावना है ।इस अवसर पर महेंद्र सिंह बुंदेला छोटे राजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति तब ही आगे बढ़ सकती है जब इसके सदस्य लेनदेन साफ सुथरा रखें ।उन्होंने कहा कि जब हम समिति से बीज खाद उधार लेते हैं तो हमें समय पर उसका भुगतान भी करना चाहिए यदि हम ऐसा करेंगे तो हमारी समिति उत्तरोत्तर प्रगति करेगी। मुख्य अतिथि बंशीधर श्रीवास जिला पंचायत सदस्य ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृत संकल्पित रहने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर किसानों के हित में जो भी संघर्ष करने की आवश्यकता होगी हम उसके लिए सदैव तैयार रहेंगे। इस अवसर पर महेंद्र प्रताप सिंह बुंदेला आलापुर पप्पू राजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए किसानों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कस्बे के प्रगतिशील किसान नवनीत शर्मा ने किसानों से आवाहन किया कि अपनी समस्याओं के लिए लड़ना सीखे जब तक संघर्ष नहीं करेंगे तब तक किसानों की न तो समस्याएं हल होंगी और न ही उन्हें बीमा का लाभ मिल सकता है। अध्यक्षता नरेंद्र प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर समिति के संचालक मंडल के सभी सदस्य क्षेत्रीय ग्राम प्रधान और अनेकों किसान कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरानं जयदेव मिश्रा, राधाकांत गोस्वामी, नवनीत शर्मा, सनमान सिंह यादव, दातार सिंह लोधी, राजेंद्र तिवारी, सत्यनारायण पाटोदिया, आनंद देवलिया, सतीश पाठक, रविंद्र पाठक, अनुराधा नायक, ब्रज राम पटेल, विश्राम सिंह, प्रतिपाल सिंह, राजू राजा, रविन्द्र उपाध्याय, भरत बबेले, पुष्पेंद्र राजा शामिल हुए। अंत में समिति के अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चोरी की सात बाइक, एक स्कूटी बरामद, पांच लोग गिरफ्तार

बरेली। जिलेभर में अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल और स्कूटी चोरी करने के बाद उन्हें एक स्थान पर एकत्र करके बेचने की कोशिश कर रहे 5 बदमाशों को पुलिस ने घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर लिया। 2 बदमाश भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से 7 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की बदमाशों को जेल भेज दिया।बिथरी चैनपुर थाना इलाके में रामगंगा नगर कॉलोनी के खंडहर मकान में छापामार कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बीती रात चोरी की 7 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की। पुलिस ने मौके पर मौजूद बदमाश फरीदपुर के अंधरपुरा निवासी अरविंद बिथरी चैनपुर के गांव उड़ला जागीर निवासी सज्जाद और इस्लाम, बिचपुरी निवासी रवि और राजीव को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जबकि बिचपुरी का बदमाश रिजवान और अंधरपुरा का अखिलेश भागने में कामयाब रहा। एसपी सिटी ने बताया कि बीती रात गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कुछ बदमाश खंडहर मकान में मोटरसाइकिल बेचने की बात कर रहे हैं और नंबर प्लेट भी बदल रहे हैं। तब पुलिस छुपते हुए मकान के पास पहुंची और उनकी बातें सुनकर यकीन हो गया कि वह मोटरसाइकिल चोर हैं उन्हें गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि बरामद मोटरसाइकिल उन्होंने प्रेमनगर बारादरी नवाबगंज और फरीदपुर थाना इलाकों से चोरी की है। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में जुट गई और गिरफ्तार बदमाशों को जेल भेज दिया।

बेकाबू टेंपो पलटने से घायल चालक की मौत

बरेली। तेजी से आ रहा एक टेंपो अचानक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया। उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।भोजीपुरा थाने के गांव भूड़ा निवासी 27 वर्षीय अहमद रजा पुत्र तस्लीम रजा की बीती रात बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। उसे कल शाम को घायल अवस्था में भर्ती कराया गया था। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि अहमद रजा टेंपो चलाता था और कल शाम को अपने टैंपू में सीएनजी गैस भरवाने के लिए पीलीभीत बाईपास उससे सीएनजी स्टेशन पर टेंपो लेकर गया था, लेकिन रास्ते में ही जब वह बाईपास से खुशबू कॉलोनी के पास पहुंचा तभी अचानक उसका टैम्पो बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया और अहमद रजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

पेज एक का शेष

महाराष्ट्र में...

समारोह में शामिल होने के लिए रिश्तों में घुली कड़वाहट को भूल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे भी पहुंचे। बड़े भाई ने इस खास अवसर के लिए खास न्योता भेजा था जिसे छोटे भाई ने दिल से स्वीकार कर लिया। हालांकि उनके बीच पारिवारिक आयोजनों पर न्योता आने-जाने का सिलसिला कभी नहीं था लेकिन, किसी राजनीतिक मंच पर उद्धव और राज की एक साथ मौजूदगी दुर्लभ हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री बनने पर उद्धव को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट किया कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले उद्धव जी को बधाई। विश्वास है कि वह महाराष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए लगन से काम करेंगे। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे को शपथ दिलाई। इसके बाद उद्धव ने घुटनों के बल झुककर समारोह स्थल पर हजारों की तादाद में उमड़ी भीड़ को प्रणाम किया। अपने मुख्यमंत्री की इस विनम्र मुद्रा को देख समर्थक तुरही और नगाड़ों की थाप पर झूम उठे। शानदारी आतिशबाजी से जमीन आसमान दोनों रोशन हो गए। उद्धव के साथ छह मंत्रियों ने भी पद व गोनीयता की शपथ ली। शिवसेना से एकनाथ शिंदे और सुभाष देसाई ने शपथ ली। दोनों ही पूर्व की फडणवीस सरकार में मंत्री रह चुके हैं। शिंदे ठाणे जबकि देसाई कोंकण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद, राकांपा से जयंत पाटिल और छगन भुजबल ने शपथ ग्रहण की। जयंत 1999 से 2008 तक महाराष्ट्र के वित्त, शिक्षा व ग्रामीण विकास मंत्री के पद संभाल चुके हैं। सर्वाधिक 9 बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। भुजबल कभी शिवसेना के धाकड़ नेता हुआ करते थे-उस दौरान वे सेना के विधायक व मुंबई के मेयर भी रहे लेकिन 1991 में कांग्रेस का दामन थाम लिया। पिछड़ी जाति के प्रभावी नेता कहलाने वाले भुजबल शिवेसना-कांग्रेस व राकांपा तीनों दलों में काम कर चुके हैं। अंत में कांग्रेस विधायक दल के नेता व प्रदेश इकाई प्रमुख बाला साहब थोराट व नितिन राउत ने मंत्री पद की शपथ ली। थोरटा जहां राजस्व-कृषि मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं वहीं नागपुर उत्तरी सीट से विधायक नितिन भी पूर्व सरकारों में कई पदों पर रह चुके हैं। वे कांग्रेस की अनुसूचित जाति इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी थे। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह विपक्षी एकजुटता का मिसाल भी बना। समारोह में उद्धव व राकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ द्रमुक नेता स्टालिन, कांग्रेस से अहमत पटेल, मल्लिकार्जुन खडगे, केसी वेणुगोपाल, कपिल सिब्बल, कमलनाथ, भूपेश बघेल, सुशील शिंदे, अशोक चव्हाण, पृथ्वीराज चव्हाण और राकांपा से सुप्रिया सुले, प्रफुल्ल पटेल, शिवसेना से मनोहर जोशी व संजय राउत व अन्य दिग्गज मौजूद थे। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने भी शिरकत की। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए लेकिन शिवसेना प्रमुख को पत्र लिखकर शुभकामनाएं दीं व नहीं आने के लिए खेद भी प्रकट किया। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नई सरकार को बधाई देते हुए भाजपा पर तंज कसा कि उसके अच्छे दिन पूरे हो गए।

प्रज्ञा को...

लगने लगती है। उन्होंने अपनी टिप्पणियों के बचाव में ट्वीट किया। उनकी टिप्पणियां महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की प्रशंसा के तौर पर देखी गई जिससे विवाद शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि सत्य यही है कि कल मैने उधम सिंह जी का अपमान नहीं सहा बस। बुधवार को ठाकुर के बयान से उस समय विवाद उत्पन्न हो गया जब उन्होंने द्रमुक सदस्य ए राजा द्वारा नाथूराम गोडसे के अदालत के समक्ष महात्मा गांधी की हत्या के संबंध में दिए गए बयान के दौरान कुछ टिप्पणी की थी। विपक्षी सदस्यों ने ठाकुर के इस बयान का विरोध किया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एसपीजी संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा था कि इस संबंध में केवल ए राजा का बयान रिकॉर्ड में जाएगा। अक्सर विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रहने वाली ठाकुर पर कार्रवाई करते हुए भाजपा ने संसद के मौजूदा सत्र में उन्हें अपनी संसदीय पार्टी की बैठक में शामिल होने से रोक दिया है तथा रक्षा पर परामर्श समिति से हटा दिया है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा, लोकसभा सांसद प्रज्ञा ठाकुर की टिप्पणी की निंदा करती है, पार्टी ऐसे बयानों का कभी समर्थन नहीं करती। नड्डा ने ठाकुर की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उत्पन्न सियासी विवाद को शांत करने का प्रयास करते हुए पार्टी सांसद के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की घोषणा की। नड्डा ने कहा, हमने निर्णय किया है कि ठाकुर संसद सत्र के दौरान भाजपा संसदीय दल की बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। बहरहाल कांग्रेस ने इस कार्रवाई को 'बहुत कम और बहुत देर' से कहते हुए खारिज कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने उन्हें पार्टी से क्यों नहीं निष्कासित कर रही है। इस मुद्दे को लेकर आज संसद में जमकर बवाल हुआ। विपक्ष में लोकसभा में इसको पूरी मजबूती से उठाया। विपक्ष के विरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहे जाने की बात तो दूर हम उन्हें देशभक्त मानने की सोच की ही निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी हम लोगों के आदर्श हैं। वे पहले भी हमारे मार्गदर्शक थे और भविष्य में भी मार्गदर्शक रहेंगे। सरकार के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, एआईएमआईएम सहित विपक्षी दलों ने सदन से वाकआउट किया। लेकिन बसपा, बीजद, टीडीपी और टीआरएस के सदस्य सदन में बैठे रहे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रज्ञा ठाकुर पर तीखा हमला करते हुए कहा, यह भाजपा और आरएसएस की आत्मा है। यह उनके दिल में हैं। कितनी भी कोशिश कर लें, लेकिन इसे छिपा नहीं सकते। यह बाहर आ ही जाता है। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग महात्मा गांधी की कितनी भी पूजा कर लें, लेकिन उनकी आत्मा यही है। इससे पहले राहुल गांधी ने प्रज्ञा की विवादित टिप्पणी का हवाला देते हुए ट्वीट किया, आतंकवादी प्रज्ञा ने आतंकवादी गोडसे को देशभक्त बताया। यह भारत के संसद के इतिहास का एक दुखद दिन है। ठाकुर मालेगांव बम धमाके में आरोपी हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भाजपा टिकट देकर सांसद नहीं बनाया है और यह भी कि क्या उन्होंने ठाकुर को रक्षा पैनल का सदस्य नहीं बनाया। उन्होंने ट्वीट किया, 'भाजपा उन्हें कब निष्कासित करेगी? देश भाजपा को माफ नहीं करेगा।' लोकसभा में गुरुवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य खड़े हो गए और बुधवार को गोडसे पर ठाकुर के बयान का विरोध करने लगे। सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सदन में कांग्रेस को आतंकी पार्टी बताया गया। जिस पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने देश के लिए बलिदान दिया, उसके बारे में इस प्रकार की टिप्पणी निंदनीय है। यह भाजपा की विचारधारा के कारण हो रहा है।

भाजपा को...

बाद में वह कृष्णानगर लोकसभा सीट से निर्वाचित हो गईं। तृणमूल कांग्रेस के तपन देव सिन्हा ने बेहद नजदीकी मुकाबले में कालियागंज सीट जीत ली है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के कमल चंद्र सरकार को 2418 वोटों से हराया। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के परमथनाथ रॉय ने जीत दर्ज की थी। पार्टी ने उनकी पुत्री धृताश्री को मैदान में उतारा था जो इस उपचुनाव में तीसरे नम्बर पर रहीं। कालियागंज रायगंज लोकसभा क्षेत्र में तहत आने वाला एक विधानसभा क्षेत्र है जहां से भाजपा ने कुछ ही महीने पहले जीत दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उपचुनाव में पार्टी की जीत का श्रेय राज्य की जनता को देते हुए कहा कि मतदाताओं ने भाजपा को उसके सत्ता के अहंकार के लिए सबक सिखाया है। उन्होंने एक टेलीविजन चैनल से कहा, हम इस जीत को बंगाल के लोगों को समर्पित करते हैं। भाजपा को सत्ता के अहंकार और बंगाल के लोगों का अपमान करने के लिए सबक मिला है। उन्होंने कहा कि माकपा और कांग्रेस स्वयं को मजबूत करने की बजाय भाजपा की पश्चिम बंगाल में मदद कर रही हैं।

वहीं, देहरादून से प्राप्त खबर के अनुसार भाजपा ने उत्तराखंड में पिथौरागढ़ सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। भाजपा उम्मीदवार ने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार को 3000 से अधिक वोटों से हरा दिया। पिथौरागढ़ जिलाधिकारी सह निर्वाचन अधिकारी वी के जोगदंदे ने बताया कि भाजपा उम्मीदवार चंद्रा पंत को 26086 वोट जबकि कांग्रेस उम्मीदवार अंजू लुंठी को 22819 वोट मिले। सीट पर उपचुनाव भाजपा विधायक प्रकाश पंत का गत जून में बीमारी के चलते निधन होने के चलते कराना जरूरी हो गया था। भाजपा ने उनकी पत्नी चंद्रा पंत को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जीत की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, सीट हमारी थी और हमें इसे बरकरार रखने की खुशी है। जीत का अंतर अधिक है। हम क्षेत्र के लोगों को इसके लिए धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने एक बार फिर हममें भरोसा जताया है।

करोड़ों का ...

सामने आया है कि फर्जी ड्यूटी के नाम पर हुए भुगतान घोटाले में फर्जी बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की गई है। अब पुलिस ने सभी होमगार्ड से उनके बैंक खातों की डिटेल मांगी है। डिटेल आने के बाद सभी का सत्यापन कराया जाएगा। नोएडा पुलिस ने वर्ष 2019 मई व जून माह में विभिन्न थानों में होमगार्ड की हाजिरी की जांच की। जांच में खुलासा हुआ था कि मात्र दो महीनों में ही फर्जी हाजिरी लगाकर नोएडा में 4 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया। जिला पुलिस की तरफ से घोटाले में शामिल सात अधिकारियों के नाम भी शासन को दिए गए हैं। नोएडा पुलिस 2015 से 2019 के होमगार्ड हाजिरी घोटाले की जांच कर रही है। जांच के दौरान सभी पुराने रजिस्टर व थानों के दस्तावेज की जांच होगी। ड्यूटी स्थल अधिकारी और होमगार्ड के हस्ताक्षर का मिलान कराया जाएगा। जांच पूरी होने के बाद बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ सकता है।

अनुपयोगी फुट...

शाम के समय सबवे में असामाजिक तत्वों के जमावड़े को रोकने के लिए पीडब्ल्यूडी ने पिछले साल पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के साथ दुकानें खोलने, साफ सफाई तथा सुरक्षा कर्मियों को नियुक्त करने जैसे अन्य कदम उठाने का प्रस्ताव दिया था, जिससे कि सबवे सुनसान न दिखें। बहरहाल ये योजना अब भी कागजों में ही है। कश्मीरी गेट पर 20 वर्षीय ऐश्वर्या सड़क पार करने के लिए वाहन चालकों को इशारा कर रही थी। उसने कहा 'यह जोखिम भरा है, लेकिन मेरी निजी सुरक्षा ज्यादा महत्वपूर्ण है।'

चिट फंड संशोधन विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)। चिट फंड क्षेत्र के सुव्यवस्थित विकास में आ रही अड़चनों को दूर करने और लोगों तक बेहतर वित्तीय पहुंच बनाने के मकसद से लाए गए चिट फंड संशोधन विधेयक 2019 को बृहस्पतिवार को संसद की मंजूरी मिल गई। चिट फंड की मौद्रिक सीमा को तीन गुना बढ़ाने तथा फोरमैन के कमीशन को सात प्रतिशत करने के प्रावधान वाले इस विधेयक को आज राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

लोकसभा इस विधेयक को 20 नवंबर को पारित कर चुकी है। उच्च सदन में इस विधेयक पर हुई चर्चा पर वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए ठाकुर ने कहा कि गरीबों से जुड़ा पैसा सुरक्षित रहना चाहिए। उन्हें उनका पैसा वापस मिलना चाहिए, इसमें कोई अवरोध नहीं होना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि पोंजी और चिट फंड में अंतर है। पोंजी अवैध होता है जबकि चिट फंड वैध कारोबार है।

उन्होंने कहा कि विधेयक में चिट फंड की मौद्रिक सीमा को तीन गुना बढ़ाने तथा फोरमैन के कमीशन को सात प्रतिशत करने का प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि फोरमैन का आशय उस व्यक्ति से है जो चिट चलाता है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि इसके तहत व्यक्ति के रूप में चिट की मौद्रिक सीमा को एक लाख रूपए से बढ़ाकर तीन लाख रूपए किया गया है जबकि फर्म के लिए इसे छह लाख रूपए से बढ़ाकर 18 लाख रूपए कर दिया गया है। गौरतलब है कि चिट फंड सालों से छोटे कारोबारों और गरीब वर्ग के लोगों के लिए निवेश का स्रोत रहा है लेकिन कुछ पक्षकारों ने इसमें अनियमितताओं को लेकर चिंता जताई थी जिसके बाद सरकार ने एक परामर्श समूह बनाया।

भ्रष्टाचार और आतंक के मामलों में दोषी को लगातार सजा देने को लेकर याचिका, न्यायालय करेगा सुनवाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय भ्रष्टाचार और आतंकवाद के विशेष कानूनों के तहत विभिन्न अपराध के लिए सुनाई गई सजा एक साथ भुगतने की जगह बारी-बारी से सजा भुगतने का निर्देश देने के लिए दायर याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सहमत हो गया। अमेरिका जैसे देशों में अपराधी को विभिन्न अपराधों के लिए सुनाई गई सजा एक साथ नहीं बल्कि अलग-अलग चलती है।

प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की तीन सदस्ईय पीठ ने भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की इस दलील पर विचार किया कि उनकी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की आवश्यकता है क्योंकि न्यायालय ने इस साल मार्च में उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया था। उपाध्याय ने कहा कि याचिका पर केंन्द्र का जवाब आ चुका है और अब यह मामला सुनवाई के लिए पूरी तरह तैयार है, अत: इसे शीघ्र सूचीबद्ध किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, मामले को चार हफ्ते बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। याचिका में कहा गया है कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के एक प्रावधान के तहत दोषी व्यक्ति अलग-अलग अपराधों के लिए मिली सजा को एक साथ काट सकता है लेकिन यह प्रावधान नृशंस अपराधों के लिए लागू नहीं होना चाहिए।

याचिका में कहा गया है कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 31 गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून (यूएपीए), भ्रष्टाचार रोकथाम कानून (पीसीए), बेनामी संपत्ति लेन-देन निषेध कानून, धनशोधन निवारण कानून (पीएमएलए), विदेशी योगदान (विनिमय) कानून (एफसीआरए), काला धन एवं कर चोरी कानून और भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून जैसे विशेष अधिनियमों पर लागू नहीं होनी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि आतंकवाद फैलाकर धन वसूलना ही संगठित अपराध का मकसद है। याचिका के अनुसार यह धन किसी न्यायोचित कार्य पर खर्च नहीं होता बल्कि इसका इस्तेमाल अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने के लिए होता है। इसलिए जरूरी है कि ऐसे अपराध के लिए कठोर दण्ड के प्रावधान किए जाएं। याचिका में कहा गया है कि मकोका के तहत तीन साल से दस साल तक की सजा का प्रावधान है जिसे उम्र कैद में बदला जा सकता है। याचिका में विधि आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल और स्पेन के भ्रष्टाचार निरोधक, अलगाववाद निरोधक और आतंकवाद निरोधक कानूनों और नीतियों पर विचार करके तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट तैयार करे।

याचिका में केन्द्र सरकार को भ्रष्टाचार, आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ इन देशों के कानूनों और नीतियों में जो सर्वोत्तम हो उसे अंगीकार करने की संभावना तलाशने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि सफेदपोश अपराधों के लिए कानून में सजा का प्रावधान पर्याप्त नहीं है और 185,591 करोड़ रुपए के कोयला खदान आबंटन घोटाले का देखा जाए तो इसमें अधिकतम तीन साल की कैद और पचास लाख रुपए के जुर्माने की सजा हो सकती है।

याचिका में कहा गया है कि यद्यपि ऐसे मामलों में संपत्ति जब्त करने, सजा की अवधि बढ़ाने और एक के बाद एक सजा चलने की सिफारिश की गई थी क्योंकि ए अपराध कई समानांतर सौदों का हिस्सा थे और इनके लिए मौजूदा कानून पर्याप्त नहीं है।

शिवसेना ने पवार की तारीफ में पढ़े कसीदे

राकांपा प्रमुख शरद पवार को महा विकास अघाड़ी का मार्गदर्शक बताया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र में जहां शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं, वहीं उनकी पार्टी ने राकांपा प्रमुख शरद पवार की तारीफ में बृहस्पतिवार को ढेरों कसीदे पढ़े और उन्हें राज्य की अगली सरकार का मार्गदर्शक बताया।

भले ही शिवसेना हिंदुत्व विचारधारा में यकीन करती हो, लेकिन राज्य में सरकार बनाने के लिए उसने राकांपा और कांग्रेस के साथ महा विकास अघाड़ी गठबंधन बनाया है। पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने को लेकर भाजपा के साथ हुई तकरार के बाद वह पार्टी से अलग हो गई। शिवसेना के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के गठबंधन को आगे लाने में शरद पवार के प्रयासों को स्वीकार किया गया है।राकांपा प्रमुख ने अजित पवार से मंगलवार को बात कर उन्हें भाजपा को समर्थन देने के उनके फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा था। उनके भतीजे के इस यू-टर्न का श्रेय पवार को ही दिया जा रहा है और उन्हें राज्य के सियासी ड्रामे का मैन ऑफ द मैच बताया जा रहा है। शिवसेना ने कहा, शरद पवार जैसे मजबूत एवं अनुभवी मार्गदर्शक हमारे साथ हैं। यह सरकार किसी के भी खिलाफ खराब मंशा के साथ काम नहीं करेगी। राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी भाजपा के सरकार बनाने में नकाम रहने के बाद, शिवसेना ने राजनीतिक आयाम में हुए इस परिवर्तन को महाराष्ट्र में नए सूर्योदय के समान बताया है। मराठी दैनिक में कहा गया, राज्य में खुशी के नए माहौल की तुलना 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिलने के समय पूरे देश को मिली खुशी से की जा सकती है। शिवसेना ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के शासन तंत्र का प्रयोग किसी के भी खिलाफ साजिश रचने के लिए नहीं किया जाएगा।सामना में कहा गया, इस वक्त जब देश भर के प्रमुख नेता दिल्ली के शासकों के सामने घुटने टेक रहे हैं, ऐसे में उद्धव ठाकरे ही हैं जो दवाब की इस तरह की चालों के सामने झुके नहीं। उन्होंने अपने गौरव से समझौता नहीं किया और उन लोगों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया जिन्होंने उनसे झूठ बोला। संपादकीय में कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस सरकार को यह कह कर कोसा था कि तीन पहियों पर टिका शासन नहीं चल सकता लेकिन यह उनका भ्रम है। मराठी प्रकाशन ने कहा, राज्य के विकास को लेकर तीनों दलों में किसी तरह का कोई भ्रम नहीं है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आगमन को लेकर भारत व श्रीलंका के झंड़ों से सजा राष्ट्रपति भवन

अगले छह महीने में चीनी की जगह शहद के क्यूब डालकर पी सकेंगे चाय : गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

देश के ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी और बेरोजगारी बड़े स्तर पर होने की बात स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरूवार को कहा कि सरकार ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास कर रही है और ऐसे ही अनेक प्रयासों के तहत अगले कुछ महीने में खादी ग्रामोद्योग आयोग शहद के क्यूब लांच करने जा रहा है जिन्हें चीनी की जगह पर इस्तेमाल किया जा सकेगा।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि सरकार शहद के क्लस्टर बना रही है और उच्च गुणवत्ता के शहद से चीनी की तरह ही क्यूब बनाने की दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने सुनील कुमार पिंटू के पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि खादी ग्रामोद्योग आगामी कुछ महीने में शहद के क्यूब की बिक्री शुरू करेगा।गडकरी ने कहा कि अगले छह महीने के अंदर लोग चीनी के क्यूब की जगह शहद के क्यूब डालकर चाय पी सकेंगे।उन्होंने बताया कि एमएसएमई मंत्रालय भारत क्राफ्ट नाम से नया ई-कॉमर्स पोर्टल शुरू करने जा रहा है और इसे भारतीय स्टेट बैंक के साथ मिलकर चलाने की योजना है।गडकरी ने बताया कि इस पोर्टल पर एमएसएमई के सभी उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे और न्यूयॉर्क में बैठकर कश्मीर का शॉल खरीदा जा सकता है।उन्होंने कहा कि इसके अलावा नए विचारों और नवोन्मेष के लिए एक वेबसाइट भी शुरू होने वाली है। गडकरी ने कहा कि एमएसएमई उद्योग से इस साल 85 हजार करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना है तथा आगामी पांच साल में देश के विकास में एमएसएमई का योगदान 50 प्रतिशत ले जाने का लक्ष्य रखा गया है जो अभी लगभग 29 प्रतिशत है।उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान केवल शहरों पर नहीं, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान है। कुछ वर्ष में देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इतनी मजबूती आएगी कि लोग शहरों से गांवों की ओर लौटेंगे।

देश में सभी परमाणु संयंत्र साइबर हमले से पूरी तरह सुरक्षित

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने देश के सभी परमाणु बिजली संयंत्रों को साइबर हमले के खतरों से पूरी तरह सुरक्षित बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कुडनकुलम संयंत्र के प्रशासनिक नेटवर्क में वायरस हमले की शिकायत मिलने के बाद इस तरह के जोखिम से निपटने और इस दिशा में सुरक्षा के सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने की दिशा में पुख्ता उपाय किए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल के जवाब में परमाणु बिजली संयंत्रों की साइबर सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करते हुए कहा, देश के सभी परमाणु बिजली संयंत्र पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की प्रशासनिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रशासनिक नेटवर्क में मालवेयर इन्फेक्शन की पहचान की गई थी। इसका प्रभाव संयंत्र के नियंत्रण एवं यंत्रीकरण प्रणाली, इंट्रानेट, इंटरनेट तथा प्रशासनिक प्रणाली जैसे वाह्य नेटवर्क इस इन्फेक्शन से प्रभावित नहीं हुए।

सिंह ने कहा, पहले सुरक्षा, बाद में उत्पादन के सूत्र को हम अपना रहे हैं। संयंत्र की प्रत्एक तिमाही में साइबर सुरक्षा ऑडिट किया जा रहा है और अब अंतर विभागीय ऑडिट भी किया जा रहा है। सिंह ने बताया कि कुडनकुलम संयंत्र में वायरस हमले से जुड़े मालवेयर इन्फेक्शन के पाए जाने की पुष्टि के बाद आईआईटी के निदेशकों और अन्य विशेषज्ञों की मौजूदगी वाली समिति गठित की गई। परमाणु बिजली संयंत्रों की साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़ी इस समिति की सिफारिशों को लागू भी कर दिया गया है।

बीते पांच साल में 96 भ्रष्ट अधिकारियों को जनहित में दी गई समयपूर्व सेवानिवृत्ति

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले पांच साल में करीब 96 भ्रष्ट अधिकारियों को जनहित में समयपूर्व सेवानिवृत्ति दी गई। कार्मिक राज्य मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 21 नवंबर 2019 तक की स्थिति के अनुसार जुलाई, 2014 से अक्टूबर 2019 तक सत्यनिष्ठा पोर्टल पर अपलोड की गई सूचना तथा आंकड़ों के मुताबिक विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के कुल 96 अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि इन 96 भ्रष्ट अधिकारियों को जनहित में समयपूर्व सेवानिवृत्ति दी गई। सिंह ने बताया कि मूल नियम (एफआर), 56(जे)(एल) , केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीएस, पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 के प्रावधानों के अनुसार, सरकार के पास लोकहित में सत्यनिष्ठा की कमी और अकुशलता के आधार पर सरकारी कर्मियों को समय से पहले सेवानिवृत्त करने का पूरा अधिकार है।मंत्री ने कहा ए नियम सरकारी सेवकों की समय समय पर समीक्षा और समय पूर्व सेवानिवृत्ति की नीति तय करते हैं जो एक सतत प्रक्रिया है।

क्विक न्यूज

गोवा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को लेकर गोवा फॉरवर्ड पार्टी के दल ने राज्यपाल से मुलाकात की

पणजी। गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल सत्यपाल मलिक से मुलाकात की और राज्य को भयावह आर्थिक संकट से बचाने की गुहार लगाई।जीएफपी ने राज्य की प्रमोद सावंत नीत सरकार पर आरोप लगाया कि वह बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन को अंजाम दे रही है। पार्टी प्रमुख विजय सरदेसाई, पार्टी के विधायक विनोद पालएकर, जएश सालगांवकर, उपाध्यक्ष दुर्गादास कामत और अन्य ने यहां राज भवन मे राज्यपाल से मुलाकात की।

देश के 16.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों को शौचालय सुविधा उपलब्ध

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को लोकसभा मे बताया कि देश मे 16.34 करोड़ ग्रामीण परिवारो को शौचालय सुविधा उपलब्ध है।शेखावत ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि शौचालय सुविधा प्राप्त करने वाले सर्वाधिक ग्रामीण परिवार उत्तर प्रदेश मे है। निचले सदन मे विसेंट एच पाला के प्रश्न के उत्तर मे शेखावत ने बताया कि देश मे 16.34 करोड़ ग्रामीण परिवारो को शौचालय सुविधा उपलब्ध है। इनमे से उत्तर प्रदेश मे 2.84 करोड़ परिवार, बिहार मे 1.37 करोड़ परिवार और पश्चिम बंगाल मे 1.37 करोड़ परिवार शामिल है। उन्होने बताया कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा कोई सर्वव्यापी स्वच्छता कवरेज सर्वेक्षण प्रकाशित नही किया गया है।

कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश से जनजीवन प्रभावित

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो और मैदानी भागो समेत अधिकांश हिस्सो मे बुधवार को रात भर बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियो ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले मे गुलमर्ग के स्की- रिजॉर्ट मे रात मे दस इंच और दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग के पहलगाम के पर्यटक इलाके मे 11 इंच बर्फबारी दर्ज की गई। कश्मीर के अन्य हिस्सो जैसे जोजिला दें, अमरनाथ गुफा, सोनामार्ग, गुरेज और मुगल रोड पर भी बर्फबारी की खबरे मिली है। वही जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले मे भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन के बाद बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन भी यातायात बाधित रहा जिससे तीन हजार से अधिक वाहन सड़को पर फंसे रहे।

फारूक की हिरासत पर लोस में विरोध जताया

नई दिल्ली। नेशनल कांफ्रेस के दो सांसदो ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला की हिरासत का मुद्दा उठाया। श्रीनगर से सांसद फारूक अब्दुल्ला जनसुरक्षा कानून के तहत हिरासत मे है। नेशनल कांफ्रेस के दो सांसद हसनैन मसूदी और मोहम्मद अकबर लोन निचले सदन मे इस विषय को उठाते हुए विपक्षी बेंच की अगली कतार मे आ गए और अब्दुल्ला को नजरबंद किए जाने के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।मसूदी ने स्पीकर ओम बिरला से कहा, फारूक अब्दुल्ला सदन के वरिष्ठ सदस्य है। वे चार महीने से हिरासत मे है। कृपया कुछ कीजिए।अध्यक्ष ने उनसे अपने स्थान पर जाने को कहा लेकिन नेता सदस्य अपनी बात रखना चाहते थे।

नई दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से एक मुलाकात के दौरान एनएसजी डीजी अनूप कुमार

राज्यसभा की सामान्य प्रयोजन समिति का सभापति ने किया पुनर्गठन

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने उच्च सदन की सामान्य प्रयोजन समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें सात नए सदस्यों को शामिल किया है।राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार नायडू द्वारा किए गए 29 सदस्ईय समिति के पुनर्गठन को 15 नवंबर से प्रभावी माना जाएगा। समिति में राज्यसभा के पदेन सदस्य के रूप में नेता सदन थावरचंद गहलोत को शामिल किया गया है। उन्हें सदन के दिवंगत नेता अरुण जेटली की जगह समिति में शामिल किया गया है। राज्यसभा के उपसभापति, नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष, समिति के पदेन सदस्य होते हैं।सभापति की अध्यक्षता वाली सामान्य प्रयोजन समिति में उपाध्यक्ष के पैनल में पूर्व सदस्य भुवनेश्वर कालिता की जगह कांग्रेस के एम वी राजीव गौड़ा को शामिल किया गया है। कांग्रेस के भुवनेश्वर कालिता ने हाल ही में राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले पिछले साल 27 अक्टूबर को समिति पुनर्गठित की गई थी। उस समय सामान्य प्रयोजन समिति में शामिल किए गए सदस्यों में पी चिदंबरम, नारायण लाल पंचारिया, नरेश गुजराल, वाई एस चौधरी, प्रेमचंद्र गुप्ता, एम पी वीरेन्द्र कुमार और के जी केनी को नवगठित समिति में शामिल नहीं किया गया है।

पुनर्गठित समिति में इनकी जगह अमर सिंह, प्रभाकर रेड्डी, वीरेन्द्र प्रसाद वैश्य, वी विजय साई रेड्डी, जयराम रमेश और टी जी वेंकटेश को शामिल किया गया है।

ओडिशा में शिकारी गिरफ्तार, 13 पक्षियों के शव बरामद

बरहमपुर (ओडिशा)। ओडिशा में चिल्का झील के पास से एक शिकारी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से प्रवासी पक्षियों के 13 अवशेष बरामद हुए हैं। वन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।चिल्का वन्यजीव प्रभाग के मंडल वन अधिकारी आलोक रंजन होता ने बताया कि आरोपी की पहचान परमेश्वर प्रधान के रुप में हुई है। उसे बुधवार को मोटरसाइकिल में मृत नॉर्दर्न पिनटेल पक्षी के अवशेष लेकर जाते हुए पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि उसका दो पहिया वाहन भी जब्त कर लिया गया है।अधिकारी ने बताया कि एक महीने से भी कम समय के भीतर इस मामले के सामने आने के साथ वन्य जीव कर्मियों ने ऐसा तीसरा मामला दर्ज किया है। मामले में अब तक दो मछुआरों समेत चार शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।हर सर्दियों में उत्तरी यूरेशिया, कैस्पियन क्षेत्र, साइबेरिया, कजाकिस्तान, बैकाल झील और रूस के दूरदराज के क्षेत्रों से अधिकतर पक्षी भारत के चिल्का झील क्षेत्र आते हैं। डीएफओ ने बताया कि क्षेत्र में शिकारियों की सक्रियता बढ़ गई है जिसके कारण गश्त के साथ निगरानी बढ़ा दी गई है।

हिमाचलः भाजपा सरकार के दो साल पूरे, समारोह में शामिल होंगे शाह और नड्डा

शिमला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 27 दिसंबर को रखे गए समारोह में शामिल लेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकरी दी। हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीकांत बाल्दी ने बताया कि शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में आयोजित होने वाली सार्वजनिक रैली में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल होंगे। इसी मैदान में ठाकुर ने दो साल पहले 27 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

गोवा में अवैध रूप से रह रहीं तीन विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

भाषा। पणजी

गोवा पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज और वीजा के राज्य में रहने के आरोप में तीन विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।इंस्पेक्टर जीवा दलवी ने बताया कि गोवा अपराध शाखा ने वीजा की अवधि खत्म होने के बावजूद राज्य में रहने के आरोप में बुधवार को तंजानिया की दो महिलाओं हवा इब्राहिम कुलवा (33), फायजा कासिम मिजे (35) और केन्या की नोरा वुगुत्मा अमादी (34) को गिरफ्तार किया। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) से मिली गुप्त सूचना के आधार पर अपराध शाखा ने उत्तरी गोवा में वगाटोर तट पर स्थित एक अपार्टमेंट में छापा मारा।दलवी ने कहा, तीनों विदेशी महिलाएं अपना पासपोर्ट और वीजा नहीं दिखा सकीं। उन्होंने बताया कि तीनों को मापुसा शहर में एफआरआरओ के हिरासत केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि अगर ए महिलाएं अपने-अपने दस्तावेज नहीं दिखा सकीं तो विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत उन पर मामला चलाया जाएगा।

केरल में पत्नी को तीन तलाक देने पर पति गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक व्यक्ति को अपनी पत्नी को तीन तलाक देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला के माता-पिता द्वारा इस संबंध में शिकायत दर्ज कराने के बाद मंगलापुरम निवासी सुलेमान (31) को गिरफ्तार कर 25 नवंबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह मामला तब संज्ञान में आया जब महिला (19) ने शादी के कुछ महीने बाद उनके बच्चे को जन्म दिया था जिसके बाद उस व्यक्ति के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण संबंधी अधिनियम (पोक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया, महिला हमारे पास पति द्वारा तलाक देने की कोशिश करने की शिकायत लेकर आई थी। तब हमने मामले में मध्यस्थता करने की कोशिश की।

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री वाली करीब 377 वेबसाइटों को हटाया गया : स्मृति

भाषा। नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री वाली करीब 377 वेबसाइटों को हटा दिया गया है और बाल उत्पीड़न के संबंध में 50 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। शून्यकाल के दौरान अन्नाद्रमुक सदस्य विजिला सत्यानंद द्वारा इंटरनेट पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री का मुद्दा उठाए जाने पर स्मृति ने यह भी कहा कि इस तरह की किसी भी घटना की उन्हें तत्काल सूचना दी जाए ताकि तत्काल कार्वाई की जा सके।

विजिला ने कहा था कि मोबाइल फोन और इंटरनेट पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री तक आसानी से पहुंच होने की वजह से बाल उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने इंटरनेट एवं सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की बहुतायत होने का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग हर दिन बच्चियों के यौन उत्पीड़न की खबरें आती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें ऐसी सामग्री से बचाना जरूरी है लेकिन पोर्नोग्राफी तक आसानी से पहुंच के कारण बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं।

● बाल उत्पीड़न के संबंध में 50 प्राथमिकी दर्ज की गई है

इस पर हस्तक्षेप करते हुए स्मृति ने कहा कि बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री वाली करीब 377 वेबसाइटों को हटा दिया गया है और बाल उत्पीड़न के संबंध में 50 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। स्मृति ने कहा कि अगर उन्हें घटनाओं का ब्यौरा तत्काल दिया जाए तो वह फौरन प्रशासनिक कार्वाई करेंगी।विभिन्न दलों के सदस्यों ने इस मुद्दे से स्वयं को संबद्ध किया।

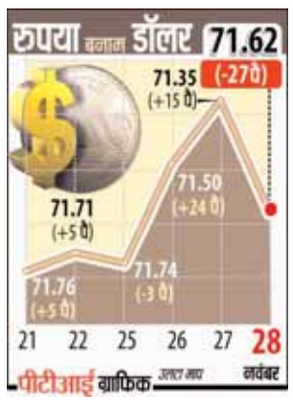

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 109 अंक मजबूत

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और ए नई रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुए। सूचकांक में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाले आईसीआईसीआई बैंक और आरआईएल जैसी कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार में मजबूती आई। बाजार की इस तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपए से ऊपर निकल गया। इसके साथ ही आरआईएल दस लाख करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई।

तीस शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 41,163.79 अंक के रिकार्ड उच्च स्तर तक गया। अंत में यह 109.56 अंक यानी 0.27 प्रतिशत ऊंचा रहकर 41,130.17 अंक की नई ऊंचाई पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50.45 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 12,151.15 अंक के नए रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार की समाप्ति पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 0.65 प्रतिशत मजबूत हुआ। इससे कंपनी का बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण का यह स्तर प्राप्त करने वाली रिलायंश देश की पहली कंपनी बन गई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वायदा एवं विकल्प खंड में अंतिम सौदा निपटान और शुक्रवार को जीडीपी आंकड़े आने के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद बाजार में तेजी रही। निवेशक यह मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर नकदी में वृद्धि से बाजार को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि राजकोषीय मोर्चे पर सरकार की सूझ-बूझ और प्रोत्साहन उपायों से बाजार में तेजी को मदद मिल सकती है। सेंसेक्स के शेयरों में इंडस इंड को सर्वाधिक 2.68 प्रतिशत का लाभ हुआ। आईसीआईसीआई बैंक भी 2.68 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसके अलावा एस बैंक, टाटा स्टील, एसबीआई, टीसीएस, एल एंड टी और इन्फोसिस में भी तेजी रही।

वहीं दूसरी तरफ हीरो मोटो कार्प, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, बजाज आटो, टाटा मोटर्स और मारुति नुकसान में रहे। कारोबारियों के अनुसार विदेशी निवेशकों के सतत पूंजी प्रवाह और नवंबर माह के वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के निपटान को पूरा करने के लिए की गई लिवाली से भी बाजार में तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग (चीन), तोक्यो (जापान), कोस्पी (दक्षिण कोरिया) और सियोल नुकसान में रहे। चीन के अमेरिका के खिलाफ पलटवार के रूप में कदम उठाने के बयान के बाद बाजारों में गिरावट रही। चीन का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कदम के बाद आया है। ट्रंप ने हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों के समर्थन से जुड़े कानून पर हस्ताक्षर किया है। इससे दोनों देशों के जल्दी व्यापार समझौता होने की उम्मीद को झटका लगा है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट रही। इस बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 27 पैसे टूटकर 71.62 पर आ गया।

टाटा स्टील की पुनर्गठन योजना, ब्रिटेन में 1,000 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

भाषा। लंदन

टाटा स्टील यूरोप ने अपनी पुनर्गठन योजना पर यूरोपीय वर्क्स काउंसिल (ईडब्ल्यूसी) के साथ विचार विमर्श शुरू कर दिया है। योजना पर अमल से तीन हजार के करीब रोजगार का नुकसान होगा। इनमें से 1,000 राजगार ब्रिटेन में कम होंगे। भारत की इस्पात क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले सप्ताह ही व्यापक बदलाव के अपने कार्यक्रम के तहत रोजगार में कटौती की घोषणा की है। कंपनी ने इसकी वजह वैश्विक मोर्चे पर इस्पात उद्योग के समक्ष लगातार जारी चुनौतियों के चलते उसे हो रहे नुकसान को बताया है। कंपनी ने बुधवार को जारी वक्तव्य में कहा है, व्यापक प्रस्ताव जो किया गया है उसके तहत टाटा स्टील यूरोप रोजगार की लागत को कम करना चाहती है। इसमें कहा गया है, कार्यक्रम पर अमल होने से 3,000 के करीब कर्मचारियों की संख्या में कमी आ सकती है। इनमें से दो तिहाई कटौतियां प्रबंधन और कार्यालय आधारित कर्मियों में होंगी। इसके अलावा 1,600 के करीब नौकरियां नीदरलैंड, 1,000 ब्रिटेन में और 350 नौकरियां दुनिया में अन्य जगहों पर जा सकतीं हैं।

टाटा स्टील ने कहा है कि उसका इरादा वित्तीय रूप से मजबूत और वहनीय यूरोपीय कारोबार बनाना है। ऐसा कारोबार जो कि नवोन्मेष को बढ़ाने और कंपनी को कार्बनरहित इस्पात विनिर्माता बनाने की दिशा में जरूरी निवेश करने में सक्षम हो। टाटा स्टील यूरोप के सीईओ हेनरिक एडाम ने कहा, इस व्यवसाय में हर किसी के समर्पण भाव को देखकर मुझे काफी गर्व होता है। कठिन परिस्थितियों में भी हर कोई सफल होने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देता है। मैं इन प्रस्तावों को लेकर सहयोगियों की चिंताओं को समझता हूं। उन्होंने कहा, बदलाव से अनिश्चितता पैदा होती है, लेकिन हम रुके नहीं रह सकते हैं - हमारे ईद गिर्द पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है और हमें इसके साथ चलना होगा। हमारी रणनीति एक मजबूत और निरंतर टिकाऊ बने रहने वाले यूरोपीय व्यावसाय को खड़ा करने की है जो कि भविष्य की सफलता के लिए जरूरी निवेश करने में सक्षम हो।

रिलायंस ने टाइम्स ग्रुप को मीडिया कारोबार बेचने संबंधी रिपोर्टों को किया खारिज

भाषा। नई दिल्ली

दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बृहस्पतिवार को अपने न्यूज मीडिया कारोबार टाइम्स ग्रुप को बेचने की रिपोर्ट से इनकार किया। ब्लूमबर्ग ने इससे पहले खबर दी थी कि अंबानी समाचार से संबद्ध मीडिया संपत्ति टाइम्स ग्रुप को बेचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति की वैसे कारोबार को हटाने की योजना है जिसमें नुकसान हो रहा है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, रिलायंस इंडस्ट्रीज इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज करती है। यह आधारहीन और पूरी तरह गलत है। मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया का प्रकाशन करने वाली बेनेट कोलमैन एंड कंपनी, अंबानी की नेटवर्क 18 मीडिया एंड इनवेस्टमेंट लि. के समाचार से जुड़े कारोबार की जांच-पड़ताल को लेकर सलाहकारों की नियुक्ति पर विचार कर रही है। इस बारे में बेनेट कोलमैन के प्रवक्ता से फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया है।रिलायंस ने 2014 में नेटवर्क-18 को 4,000 करोड़ रुपए में खरीदा था। नेटवर्क-18 वर्तमान में 56 स्थानीय चैलनों का प्रसारण करती है। ए चैनल समाचार और मनोरंजन से जुड़े हैं। नेटवर्क 18 के टेलीविजन चैनलों में सीएनबीसी टीवी 18, सीएनएन-आईबीएन, सीएनएन आवाज शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी वेबसाइट-फर्स्टपोस्ट डॉट कॉम, मनी कंट्रोल डॉट कॉम तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन करती है। कंपनी के मनोरंजन चैनलों में कलर्स और एमटीवी शामिल हैं।

ज्यादातर भारतीय कंपनियों के लिए 2020 में बनी रहेगी चुनौतियां: मूडीज

भाषा। नई दिल्ली

मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने बृहस्पतिवार को कहा कि कमजोर आर्थिक वृद्धि, सुस्त पड़ती कमाई से वर्ष 2020 में वित्तीय क्षेत्र को छोड़ दूसरे क्षेत्रों की ज्यादातर भारतीय कंपनियों की साख परिस्थितियां कमजोरी बनी रहेगी। मूडीज़ इनवेस्टर्स सर्विस के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ साख अधिकारी कोस्तुभ चौबाल ने कहा, प्रमुख कंपनियों के क्रेडिट परिवेश में 2020-21 के दौरान ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं लगती है। ऊंचा रिण स्तर, कमजोर मुनाफा वृद्धि और लगातार जारी आर्थिक सुस्ती की वजह से यह हो रहा है जिससे निवेश और खपत दोनों पर ही असर पड़ रहा है।

चौबाल ने हालांकि, कहा कि अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपए में लगातार नरमी का रेटिंग कंपनियों पर बहुत कम नकारात्मक असर होगा क्योंकि इन कंपनियों में इस स्थिति के लिए स्वाभाविक रूप से बचाव के उपाय पहले से किए गए हैं। मूडीज़ इनवेस्टर्स सर्विस का कहना है कि, ऐसे कारक जिनसे भारत की गैर- वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के लिए परिवेश में सुधार आ सकता है उनमें खपत मांग बढ़ाने क लिए सरकार की तरफ से किए जाने वाले प्रोत्साहन उपाय, बेहतर वित्तपोषण और बाजार में तरलता की स्थिति में सुधार जैसे उपायों से घरेलू मांग और उपभोक्ता वित्तपोषण दोनों को ही बढ़ावा मिलेगा। इस स्थिति को देखते हुए मूडीज़ का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2019-20 में कमजोर पड़कर 6.6 प्रतिशत रह जाएगी। यह इससे पिछले वर्ष के 6.8 प्रतिशत से कुछ कम होगी। सरकार के लिए निकट भविष्य में रिण स्थिति में सुधार के लिए नए प्रोत्साहन उपायों के मामले में सीमित संभावनाएं नजर आतीं हैं। अमेरिका स्थित इस एजेंसी ने हालांकि, कहा है कि बुनियादी क्षेत्र की कंपनियों की मजबूत बाजार स्थिति और आवश्यक सेवाओं को देखते हुए कमजोर पड़ती अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा।

एबीबी इंडिया के पावर ग्रिड कारोबार को अलग करने के प्रस्ताव को एनसीएलटी की मंजूरी

भाषा। नई दिल्ली

एबीबी इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की बेंगलूरू पीठ ने उसके पावर ग्रिड कारोबार को अलग कर एबीबी पावर प्राडक्ट्स एण्ड सिसटम्स इंडिया लिमिटेड (एपीपीएसआईएल) को देने को मंजूरी दे दी है। एबीबी ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में कहा है, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की बेंगलूरू पीठ ने 27 नवंबर 2019 के अपने आदेश के तहत उसके पावर ग्रिड व्यवसाय को अलग कर एपीपीएसआईएल को देने की योजना को कंपनी कानून 2013 की धारा 230- 232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत मंजूरी दे दी। सूचना में कहा गया है कि एनसीएलटी के आदेश की प्रमाणित प्रति कंपनी रजिस्ट्रार को सौंपे जाने के साथ ही योजना प्रभावी हो जाएगी। एबीबी इंडिया ने इससे पहले मार्च में भेजी गई नियामकीय सूचना में कहा था कि उसके पावर ग्रिड कारोबार को अलग करने के प्रस्ताव से मौजूदा पावर ग्रिड डिवीजन को बिजली ढांचागत सुविधाओं के क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे कारोबार को स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ऑनलाइन पॉन्जी स्कीम: नोएडा की एक कंपनी की 8.82 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन पॉन्जी धोखाधड़ी मामले में नोएडा की एक विपणन कंपनी की आठ करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वेबवर्क ट्रेड लिंक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एक अस्थाई आदेश जारी किया है। यह मामला 2017 का है। नोएडा पुलिस ने कंपनी और उसके निदेशकों अनुराग गर्ग , संदेश वर्मा और अन्य के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी और जमाकर्ताओं को धोखा देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। प्रवर्तन निदेशालय ने पुलिस की इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत मुकदमा दर्ज किया है। एजेंसी ने कहा, कुर्क की गई संपत्ति में सवाधि जमा, म्यूचुअल फंड, कंपनी के खातों में पड़ी रकम समेत अन्य शामिल है। कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 8.82 करोड़ रुपए बैठता है। ईडी ने कहा , वेबवर्क ट्रेड लिंक प्राइवेट लिमिटेड ने अपने ऑनलाइन पोर्टल एडसबुक डॉट कॉम और वेब - वर्क डॉट इन के माध्यम से आकर्षक निवेश योजनाओं की पेशकश करके जनता को निवेश के लिए प्रेरित किया और उनके साथ धोखाधड़ी की।

सीआईसी में 13,000 से अधिक मामले एक साल से अधिक समय तक लंबित

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय सूचना आयोग में 13,000 से अधिक मामले एक वर्ष से अधिक समय तक लंबित हैं। कार्मिक राज्य मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया सीआईसी में एक साल से अधिक समय तक लंबित मामलों की कुल संख्या 13,453 है। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता प्रहरी सीआईसी में 2019-20 के दौरान 20 नवंबर तक 14,523 द्वितीय अपीलें । शिकायतें दर्ज थीं। इनमें से 11,117 मामलों का निपटारा कर दिया गया जिनमें पिछले लंबित मामले भी शामिल थे। सिंह ने बताया कि 2018-19 में ऐसे 22,736 मामले दर्ज किए गए जिनमें से 17,188 मामलों का निपटारा किया गया। साल 2017-18 दर्ज ऐसे मामलों की संख्या 25,815 थी जिनमें से 29,005 का निपटारा किया गया। मंत्री ने बताया कि सरकार सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके तहत कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने अगस्त 2013 में आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया। सिंह के अनुसार, सरकार विभिन्न राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) को प्रत्एक वर्ष निधियां मुहैा कराता है ताकि क्षेत्रीय भाषाओं में विभिन्न माध्यमों और कार्यक्रमों के जरिए आईटीआई के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।

उपग्रह संचार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने की जरूरत: ट्राई प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उपग्रह संचार और प्रौद्योगिकी की देश में मौजूद कारोबारी संभावनाओं को समझने की जरूरत बताई। ट्राई ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसके लिए नियामकीय बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए। ट्राई के चेयरमैन आर. एस. शर्मा ने कहा कि भारत में डेटा को उपग्रह प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता जाता है और इसकी लागत अमेरिका के मुकाबले यहां 400 गुना अधिक है। यह दूरसंचार और मोबाइल सेवाओं से बिल्कुल उलट है जहां देश में दुनिया की सबसे सस्ती दर के प्लान पर सेवाएं दी जा रही हैं।

शर्मा ने यहां इंडिया सैटकॉम 2019 कार्यक्रम में कहा कि उपग्रह प्रौद्योगिकी का उसकी पूरी क्षमता के साथ उपयोग करने के लिए खुली आकाश नीति को अक्षरश: लागू करने की जरूरत है। इस कार्यक्रम का आयोजन ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम ने किया था। उन्होंने कहा, इसकी वजह प्रौद्योगिकी अक्षमता नहीं है। बल्कि असल कारण यह है कि हमने इसकी बाजार क्षमताओं का उपयोग करने संभवत: अनुमति नहीं दी है या हमने खुली आकाश नीति को लागू नहीं किया है जो पहले दूरसंचार नीति का हिस्सा थी और राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति का हिस्सा है। शर्मा ने कहा, हमें खुली आकाश नीति को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। शर्मा ने चेतावनी दी कि उपग्रह संचार क्षेत्र में किसी भी तरह का संरक्षणवाद उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाने वाला होगा। उपग्रह संचार प्रौद्योगिकी की नई पद्धतियां आ रही हैं जो उन्नत एप्लिकेशंस के लिए संभावनाओं को खोल रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि इसे लेकर कोई तकनीकी बाधा हो, मेरा विचार है कि नियामकीय बाधाओं को दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के फायदे के लिए सरकार और ट्राई हमेशा बाजार ताकतों को आगे बढ़ाने की जरूरत को समझते हैं।

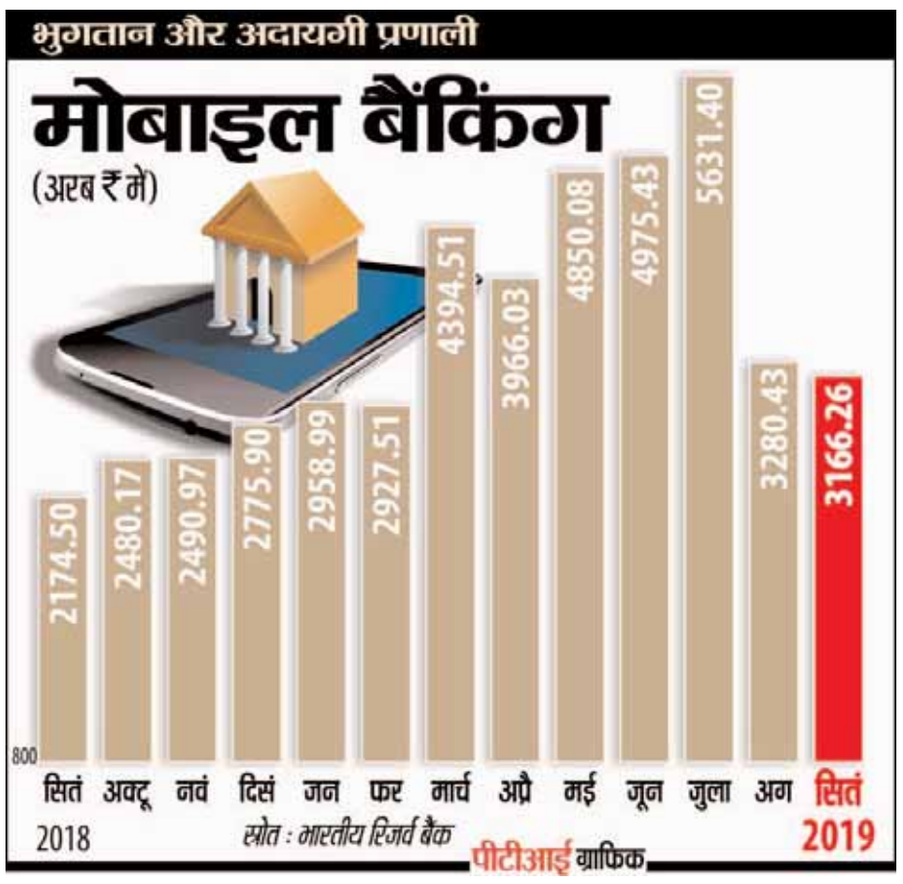

रिलायंस इंडस्ट्रीज 10 लाख करोड़ रुपए बाजार पूंजीकरण वाली देश की पहली कंपनी बनी

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) बृहस्पतिवार को देश की पहली ऐसी कंपनी बन गई जिसका बाजार पूंजीकरण दस लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। बंबई शेयर बाजार में कारोबार की समाप्ति पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण बृहस्पतिवार को 10,01,555.42 करोड़ रुपए (13,984.10 करोड़ डॉलर) पर पहुंच गया। कंपनी का शेयर बृहस्पतिवार को 0.65 प्रतिशत बढ़कर 1,579.95 रुपए पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 1,584 रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 0.77 प्रतिशत चढ़कर 1,582 रुपए पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग में शोध उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, यह उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी द्वारा ग्राहक केंद्रित दूरसंचार और खुदरा कारोबार में किए गए पिछले निवेश का फल है। इन निवेशों ने कंपनी को अच्छा परिणाम दिया है और पूरे लाभ में इनका हिस्सा लगातार बढ़ रहा है।

गोवा के खनन संगठन का सरकार से एमएमडीआर कानून में संशोधन का आग्रह

नई दिल्ली। खनन कार्य से जुड़े परिवारों ने बृहस्पतिवार को सरकार से एमएमडीआर कानून या फिर गोवा दमन और दीव खनन रियायत समापन कानून 1987 में उपयुक्त संशोधन का आग्रह किया है ताकि राज्य में जल्द से जल्द खनन कार्य फिर से शुरू किया जा सके। राज्य में पिछले साल मार्च से खनन कार्य बंद है। गोवा माइनिंग पीपुल्स फ्रंट (जीएमपीएफ) के अध्यक्ष पुती गांवकर ने कहा, हम .... राज्य सरकार और केन्द्र सरकार से खान और खनिज (विकास और नियमन) कानून (एमएमडीआर एक्ट)अथवा गोवा दमन और दीव खनन स्वीकृति समापन कानून 1987 में जरूरी संशोधन की दिशा में काम करने का आग्रह करते हैं। जीएमपीएफ उन सभी लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो कि खनन उद्योग में काम कर रहे थे और खनन कार्य बंद होने के बाद से उनकी आजीविका पर संकट छाया हुआ है। गोवा में खनन कार्यों पर पिछले साल उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद रोक लगा दी गई थी। उच्चतम न्यायालय ने तब 88 खनन पट्टों को निरस्त कर दिया था और राज्य में लौह अयस्क के खनन पर रोक लगा दी थी। जीएमपीएफ ने केन्द्र सरकार से इस संबंध में तुरंत मंत्री समूह की बैठक बुलाने का भी आग्रह किया है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमितशाह की अध्यक्षता में यह मंत्री समूह गठित किया गया है। समूह को गोवा में खनन कार्य से जुड़े अन्य मुद्दों की जांच परख का काम दिया गया है। इस समूह में केन्द्रीय वित्त मंत्री, पर्यावरण, कृषि, खनन, वाणिज्य और उद्योग तथा पेट्रोलियम एवं कानून मंत्री शामिल हैं। गोवा में खनन आजीविका कमाने के दो प्रमुख स्रोतों में से एक है। राज्य में खनन कार्यों पर पूरी तरह से रोक लगने की वजह से तीन लाख से अधिक लोगों का जीवनयापन प्रभावित हुआ है। खानों में कामकाज बंद होने से राज्य को सालाना 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो रहा है। इसका राज्य की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ रहा है।

क्विक न्यूज

सीडीएसएल में चार प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी बीएसई

नई दिल्ली। प्रमुख शेयर बाजार और सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) की प्रवर्तक बीएसई, इसमें अपनी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार बीएसई, सीडीएसएल में 41.8 लाख इक्विटी शेयर यानी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा। यह हिस्सेदारी बिक्री पेशकश के जरिए बेची जाएगी।हिस्सेदारी बिक्री संस्थागत निवेशकों के लिए बृहस्पतिवार को और खुदरा निवेशकों के लिए शुक्रवार को एनएसई में होगी। सितंबर तिमाही के अंत में बीएसई की सीडीएसएल में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बैंक तथा वित्तीय संस्थानों की हिस्सेदारी 22.42 प्रतिशत, म्यूचुअल फंड की 9.54 प्रतिशत और एफपीआई की 1.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सीडीएसएल का शेयर एनएसई में फिलहाल 221.70 पर कारोबार कर रहा है। यह पिछले बंद भाव से 0.72 प्रतिशत नीचे है।

पंजाब कांग्रेस ने कहा, 4,100 करोड़ जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी करने में देरी कर रहा केंद्र

चंडीगढ़। पंजाब प्रदेश कांग्रेस ने मोदी सरकार पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार राज्य की 4,100 करोड़ रुपए की जीएसटी क्षतिपूर्ति राशि जारी करने में जानबूझकर देरी कर रही है। पंजाब कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को धमकी दी है कि यदि केंद्र सरकार ने पंजाब के साथ भेदभाव करना बंद नही किया तो संसद के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने पंजाब को जीएसटी के तहत मुआवजे के रूप में मिलने वाले 4,100 करोड़ रुपए के भुगतान को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि पूंजी जारी करने में जानबूझकर देरी की जा रही है। जाखड़ ने बिना किसी देरी के तुरंत केंद्र से पूंजी जारी करने की मांग की है।

निजी इक्विटी निवेश विलय, अधिग्रहण गतिविधियों में सुस्ती के बावजूद बढ़ा

नई दिल्ली। अधिग्रहण एवं विलय (एमएंडए) गतिविधियों में सुस्ती के बावजूद अक्टूबर महीने में निजी इक्विटी निवेश बढ़कर करीब 3.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान 72 पीई सौदे हुए। ग्रांट थॉर्नटन की पीई डीलट्रेकर के मुताबिक , अक्टूबर 2018 की तुलना इस साल अक्टूबर महीने में निजी इक्विटी । उद्यम पूंजी सौदों में मात्रा और मूल्य के आधार पर क्रमश : 22 और 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉरपोरेट कर में कटौती से पीई सौदों का मूल्य बढ़ा है। कर कटौती से निवेशकों के रुख और विश्वास दोनों में सुधार आया है। अक्टूबर 2019 में सौदे का औसत आकार 5.2 करोड़ डॉलर रहा। सितंबर 2019 में यह आंकड़ा 2.8 करोड़ डॉलर था। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया एलएलपी के निदेशक पंकज चोपड़ा ने कहा , अक्टूबर 2019 में 3.7 अरब डॉलर के 72 पीई सौदे हुए। निजी इक्विटी निवेश की वृद्धि ने विलय एवं अधिग्रहण गतिविधियों में सुस्ती के प्रभाव को कम किया। जनवरी - अक्टूबर अवधि में दौरान , 28.02 अरब डॉलर के 666 पीई सौदे हुए। एक साल पहले की इसी अवधि में 17.99 अरब डॉलर के 683 सौदे दर्ज किए गए थे।

प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया ने बनाया 200 करोड़ का पर्यावरण निरंतरता कोष

नई दिल्ली। साबुन-सर्फ जैसे रोजर्मा के उपभोक्ता उत्पाद बनान वाली कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) इंडिया ने 200 करोड़ रुपए का पर्यावरण निरंतरता कोष बनाया है। इस कोष के माध्यम से कंपनी पर्यावरण अनुकूल कारोबारी समाधान उपलब्ध कराने वाले बाहरी सहयोगियों के साथ साझेदारी करेगी। पीएंडजी की इस पहल के बारे में प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मधुसूदन गोपालन ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यावरण निरंतरता कंपनी के नागरिक प्रयासों का अहम स्तंभ है और यह कंपनी की कारोबारी रणनीति में रचा बसा है। गोपालन ने कहा कि भारत कंपनी के लिए अहम बाजार है और उसके लिए नवोन्मेष में यह आगे बना रहेगा। पिछले साल कंपनी ने नवोन्मेष स्रोत कोष भी गठित किया था। इसके माध्यम से नवोन्मेषी समाधानों के लिए कंपनी 200 करोड़ रुपए से अधिक निवेश कर चुकी है।

इराक में हिंसक विरोध प्रदर्शन

● इराकी प्रदर्शनकारियों ने ईरानी वाणिज्य दूतावास को आग के हवाले किया

एएफपी। नजफ

इराक में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के अचानक उग्र हो जाने के बाद इराकी प्रदर्शनकारियों ने नजफ शहर में स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास को बुधवार को आग के हवाले कर दिया। इन हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 350 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

यहां मौजूद एजेंसी के पत्रकार ने बताया कि दक्षिणी शहर में स्थित इस वाणिज्य दूतावास के प्रवेश द्वार से आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठ रहा था। इस घटना को अंजाम देते हुए प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, इराक की जीत और ईरान बेदखल।ए प्रदर्शनकारी इस बात से आक्रोशित हैं कि वे जिस सरकार का पिछले दो महीने से विरोध कर रहे हैं, ईरान ने उसी का साथ दिया। इराक की राजधानी और उसका शिया मुस्लिम बहुल दक्षिणी हिस्सा 2003 में अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद से स्थानीय लोगों के सबसे बड़े प्रदर्शन की गिरफ्त में है। अमेरिका के इस हस्तक्षेप के चलते सद्दाम हुसैन का तख्तापलट हुआ था।

इराक के दूसरे पवित्र शहर कर्बला में स्थित ईरान के दूतावास को भी इस महीने की शुरुआत में निशाना बना गया था और दूतावास की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों ने चार प्रदर्शनकारियों को मौके पर ही मार गिराया था। वहीं बुधवार को नजफ में सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे जिसमें कई घायल हो गए लेकिन आखिर में उन्हें पीछे हटना पड़ा क्योंकि सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने दूतावास को घेर लिया और टायर, कंबल, गत्ते और अन्य समानों को जलाया। प्रदर्शनकारी इन सामानों के साथ इमारत में घुस गए। हालांकि वहां से सभी ईरानी स्टाफ को हटा लिया गया था। चिकित्सा और सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक इस घटना के चलते दो प्रदर्शनकारियों को राजधानी में निशाना बनाया गया।

गुरुवार को इराक के बगदाद में रशीद स्ट्रीट पर जारी संघर्ष के दौरान सुरक्षा बलों की ओर पत्थर फेंकते हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी

गुरुवार को इराक के नजफ में जले हुए ईरानी वाणिज्य दूतावास का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा बल

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने सेना प्रमुख बाजवा की सेवा छह महीने के लिए बढ़ाने की सशर्त अनुमति दी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को इमरान खान सरकार को राहत देते हुए सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा की सेवा छह महीने के लिए बढ़ाने की सशर्त अनुमति दी।

जियो टीवी की खबर के अनुसार मुख्य न्यायाधीश आसिफ सईद खान खोसा और न्यायाधीश मजहर आलम खान मियां खेल और मंसूर अली शाह ने अपने संक्षिप्त आदेश में सरकार को छह महीने के भीतर आवश्यक कानून लाने का निर्देश दिया। बाजवा का तीन साल का पहला कार्यकाल बृहस्पतिवार रात खत्म हो रहा है और अब वह छह और महीनों के लिए सेना प्रमुख बने रहेंगे। प्रधानमंत्री खान ने 19 अगस्त को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर क्षेत्रीय सुरक्षा हालात का हवाला देते हुए बाजवा का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ा दिया था।

सरकार ने इस मामले में शीर्ष अदालत की टिप्पणियों के बाद 19 अगस्त को जारी अधिसूचना वापस लेकर नई अधिसूचना जारी की जिसे अदालत ने बुधवार को खारिज कर सरकार को झटका दे दिया। इसके बाद खान ने बुधवार को ही कैबिनेट की आपात बैठक कर इस स्थिति से निपटने के उपायों पर चर्चा की, जिसमें बाजवा खुद भी मौजूद रहे।

सेना प्रमुख पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पाक के बाहरी दुश्मन और भीतरी माफिया निराश होंगे: इमरान

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाने को मंजूरी देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि इस निर्णय से देश के बाहरी दुश्मनै और भीतरी माफियौ खासतौर पर निराश होंगे। बाजवा का तीन साल का पहला कार्यकाल बृहस्पतिवार रात खत्म हो रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब वह छह और महीनों के लिए सेना प्रमुख बने रहेंगे। प्रधानमंत्री खान ने 19 अगस्त को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर क्षेत्रीय सुरक्षा हालात का हवाला देते हुए बाजवा का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ा दिया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने उन्हें सेवा विस्तार देने में अनियमितता की बात कहते हुए मंगलवार को अधिसूचना को निलंबित कर दिया था। सरकार ने इस मामले में शीर्ष अदालत की टिप्पणियों के बाद 19 अगस्त को जारी अधिसूचना वापस लेकर नई अधिसूचना जारी की।

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंग फटने से आठ बच्चों समेत 15 नागरिकों की मौत

एएफपी। काबुल

उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज प्रांत में बुधवार को एक वाहन के गुजरने से बारुदी सुरंग में हुए विस्फोट के कारण आठ बच्चों समेत 15 नागरिकों की मौत हो गई। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने बताया, बुधवार को शाम लगभग पांच बजे एक कार तालिबानी आतंकवादियों द्वारा लगाई गई बारुदी सुरंग के ऊपर से गुजरी और धमाका हो गया। इस हादसे में 15 नागरिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रहीमी ने बताया कि ताजिकिस्तान से लगी हुई अफगानिस्तान की उत्तरी सीमा पर, कुंदुज में हुए विस्फोट में मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह भी साफ नहीं हो पाया है कि क्या यह लक्षित हमला था या नहीं। हालांकि इस क्षेत्र में तालिबानी आतंकियों और अमेरिका समर्थित अफगान सैन्य बलों के बीच अक्सर टकराव होता है।

अगले साल अरब सागर में संयुक्त नौसेना अभ्यास का आयोजन करेंगे चीन, पाकिस्तान

बीजिंग (भाषा)। चीन एवं पाकिस्तान की नौसेनाएं अपनी सदाबहार सामरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के मकसद से अगले साल उत्तरी अरब सागर में संयुक्त समुद्री अभ्यास करेंगी। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल रेन ग्यूक्यांग ने बृहस्पतिवार को यहां मीडिया को बताया कि पाकिस्तान और चीनी सैन्य बलों के वार्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर आधारित यह संयुक्त समुद्री अभ्यास 2020 में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभ्यास के लिए चीन की ओर से विध्वंसक, जंगी जहाज, पांच जहाज और पनडुब्बी बचाव जहाज भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा, इस संयुक्त अभ्यास से उनके सैन्य एवं सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने में मदद मिलेगी, सदाबहार सामरिक भागीदारी और साझा भविष्य के समुद्री समुदाय के निर्माण के उनके प्रयास को बढ़ावा मिलेगा। कर्नल रेन ने कहा कि यह अभ्यास किसी स्थिति या किसी देश को निशाना बनाने के लिए नहीं है। हालांकि, उन्होंने नौसैनिक अभ्यास की नियत तिथि का खुलासा नहीं किया गया।

पाक विशेष अदालत ने मुशर्रफ को देशद्रोह मामले में पांच दिसंबर तक बयान दर्ज कराने को कहा

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ को उनके खिलाफ देशद्रोह के मामले में पांच दिसंबर तक अपना बयान दर्ज कराने की बुधवार को इजाजत दी। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि वह सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को स्वीकार करेगी और इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है। उच्च न्यायालय ने मुशर्रफ और पाक सरकार द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बुधवार को विशेष अदालत को फैसला जारी करने से रोक दिया था। साथ ही, यह निर्देश भी दिया था कि एक निष्पक्ष सुनवाई के लिए सभी पक्षों को सुना जा सके। मुशर्रफ फिलहाल दुबई में रह रहे हैं। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सिर्फ उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य है, ना कि उच्च न्यायालय के आदेशों का। विशेष अदालत में पेशावर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश वकार अहमद सेठ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि वह इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर टिप्पणी नहीं करेगी। हालांकि, न्यायाधीश ने मुशर्रफ को पांच दिसंबर तक अपना बयान दर्ज कराने की इजाजत दे दी। न्यायमूर्ति सेठ ने कहा, पांच दिसंबर के बाद हम आपको और वक्त नहीं देंगे।

उत्तर कोरिया ने अज्ञात प्रक्षेपास्त्र दागा : सियोल

सियोल (एएफपी)। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को-अमेरिका में थैंक्स गिविंग की छुट्टी के दिन- एक अज्ञात मिसाइल दागी। यह वाकया ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु वार्ता को लेकर गतिरोध चल रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ की तरफ से ऑनलाइन की गई घोषणा में तत्काल अधिक ब्यौरे नहीं उपलब्ध कराए गए और यह घोषणा अमेरिका की सबसे बड़ी सालाना छुट्टी के मौके पर तड़के तीन बजे के आस-पास की गई।

ब्रिटेन के न्यायाधीश ने दाऊद के सहयोगी के खिलाफ आतंक के आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा

भाषा। लंदन

अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के करीब सहयोगी एवं पाकिस्तानी नागरिक जबीर मोती के प्रत्यर्पण मामले में सुनवाई पूरी करते हुए ब्रिटेन के एक न्यायाधीश ने मामले में आतंकी पहलू के बारे में अमेरिकी अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है।

मामले में दलीलें पेश किया जाना इस हफ्ते संपन्न हो गया और अब न्यायाधीश आतंकवाद के पहलू पर अमेरिका से अतिरिक्त स्पष्टीकरण पाने के बाद अपना फैसला सुनाएंगे। मोती मादक पदार्थों की तस्करी और करीब 14 लाख डॉलर के धन शोधन को लेकर अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने के मुकदमे का सामना कर रहा है। अमेरिकी प्रत्यर्पण अनुरोध में यह भी कहा गया है कि वह सीधे दाऊद को रिपोर्ट करता था, जो एक घोषित आतंकवादी है और 1993 के सिलसिलेवार मुंबई विस्फोटों के लिए वांछित है। लंदन स्थित वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के न्यायाधीश जॉन जानी ने बुधवार को कहा, इस मामले में एक अतिरिक्त तत्व यह है कि इस व्यक्ति (मोतीवाला) के पद के बारे में स्पष्ट उल्लेख है, जो भारत में बम विस्फोटों सहित सर्वाधिक भयानक अपराधों में संलिप्त व्यक्ति (दाऊद) का लेफ्टिनेंट बताया जाता है।

न्यायाधीश ने कहा, इसलिए इस बारे में अवश्य ही स्पष्टीकरण होना चाहिए कि अमेरिका में इस व्यक्ति (मोती) के साथ क्या होगा...चाहे इस मामले में आतंकवाद का पुट हो या नहीं। अदालत ने निर्देश दिया कि एक अतिरिक्त प्रश्न अमेरिकी प्राधिकारों से यह स्पष्टीकरण पाने के लिए भेजा जाए कि यदि मोती को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाता है तो क्या अभियोजकों द्वारा आतंकवाद के कठोर आरोप लगाए जाने की संभावना है। अमेरिकी कानून के तहत आतंकवाद का आरोप साबित होने पर मोती को उम्र कैद की सजा तक मिल सकती है और उसे पैरोल भी नहीं मिलेगा। इससे पहले प्रत्यर्पण के लिए अदालत में पढ़ कर सुनाए गए अमेरिकी अटार्नी के हलफनामे में कहा गया था, मौजूदा जांच से यह खुलासा होता है कि जबीर मोतीवाला डी (दाऊद) कंपनी में एक शीर्ष लेफ्टिनेंट है जो सीधे दाऊद को रिपोर्ट करता है।

अफगानिस्तान का भविष्य तय करने में निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज मुखर हो : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि अफगानिस्तान में निर्वाचित प्रतिनिधियों को देश का भविष्य तय करने की दिशा में अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। साथ ही भारत ने कहा कि वह सुझाव देने में विश्वास नहीं करता। भारत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका-तालिबान शांति प्रक्रिया बंद पड़ी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन की प्रथम सचिव विदिषा मैत्रा ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं घरेलू स्तरों पर औपचारिक शांति प्रक्रिया की दिशा में की गई विभिन्न पहलों द्वारा सृजित अवसरों का स्वागत करता है। मैत्रा ने अफगानिस्तान में स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इन प्रयासों के समर्थन में एकजुट होना चाहिए लेकिन हम सुझाव देने में यकीन नहीं करते। किसी भी देश में, उसका भविष्य निर्धारित करने में वहां के लोगों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज मुखर होनी चाहिए- यह अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंधों में उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने इस साल आजादी के 100 साल पूरे किए, जो शांति प्रयासों से संबंधित घटनाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के एकीकरण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

मैत्रा ने ध्यान दिलाया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का विचाराधीन मसौदा प्रस्ताव अफगान नीत, अफगान स्वामित्व और अफगान नियंत्रित शांति प्रक्रिया के महत्व पर जोर डालता है। साथ ही वह पिछले दो दशक की उपलब्धियों खासकर अनेकत्व, नागरिक स्वतंत्रता, महिला अधिकार और बच्चों की शिक्षा आदि के क्षेत्र में हासिल लाभ को संरक्षित रखने के महत्व को दोहराता है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि एकमात्र टिकाऊसमाधान उसके पास होगा जिसके पास राजनीतिक जनादेश है, जिससे स्थिरता सुनिश्चित होगी, और सबसे अहम है कि आतंकवादियों एवं उनके प्रतिनिधियों के लिए बिना शासन वाले स्थान न छोड़े जो वो बर्बाद नहीं कर सके।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन उत्तर कोरिया में चंगरिन आइलेट पर एक सैन्य इकाई का निरीक्षण करते हुए

ट्रंप ने हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को हांगकांग में लोकतंत्र और मानवाधिकार के समर्थन वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए। इस विधेयक के तहत हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले अधिकारियों पर पाबंदियां लगाने का प्रस्ताव है। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधिसभा और सीनेट से यह विधेयक पारित हो चुका है। प्रतिनिधिसभा में इस विधेयक के समर्थन में 417 वोट पड़े और विरोध में सिर्फ एक। वहीं सीनेट में यह विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ। हांगकांग मानवाधिकार एवं लोकतंत्र अधिनियम 2019 संयुक्त राज्य-हांगकांग नीति अधिनियम 1992 का संशोधन है।ट्रंप ने एक बयान में कहा, मैं चीन के राष्ट्रपति शी और हांगकांग की जनता का सम्मान करता हूं और मैं इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर रहा हूं।

फ्रांस ने चीन से शिनजियांग में नजरबंदी शिविरों को बंद करने को कहा

एएफपी। पेरिस

फ्रांस ने बुधवार को चीन से कहा कि वह शिनजियांग में बड़े पैमाने पर लोगों को मनमाने तरीके से हिरासत में लेना बंद करे। दरअसल चीन ने करीब 10 लाख उईगर मुस्लिमों और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को ऐसे शिविरों में रखा है जिन्हें बीजिंग वोकेशनल स्कूल (व्यावसायिक विद्यालय) कहता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, हम चाहते हैं कि चीन मनमाने तरीके से लोगों को हिरासत में लेना बंद करे। विदेश मंत्री ज्यां वेस ले ड्रायन ने चीन से कहा कि वह इन शिविरों को बंद करे और संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार मामलों के उच्चायुक्त को जल्द से जल्द शिनजियांग जाने दे ताकि वह वहां के हालात के बारे में वह रिपोर्ट दे सकें।

शिविरों के बारे में खुलासा नवंबर माह के मध्य में हुआ था जब इनसे जुड़े दस्तावेज चीन के राजनीतिक प्रतिष्ठान से जुड़े एक सदस्य से लीक हो गए थे। चीन ने शुरू में इन नजरबंदी शिविरों के आस्तित्व से इनकार किया लेकिन बाद में अपने रूख में बदलाव करते हुए कहा कि ए व्यावसायिक विद्यालय हैं जिनका उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण के जरिए इस्लामिक कट्टरपंथ से मुकाबला करना है।

दुबई में कार हादसे में भारतीय डॉक्टर की मौत

दुबई (भाषा)। दुबई में कार हादसे में एक भारतीय डॉक्टर की मौत हो गई। मीडिया में आई खबर में बताया गया कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब डॉक्टर अपने क्लिनिक जा रहे थे और कार से नियंत्रण खो बैठे। जिसके बाद कार पलट गई और उसमें आग लग गई। गल्फ न्यूज ने खबर दी है कि यह दुर्घटना मंगलवार को दुबई ट्रेड सेंटर गोल चक्कर पर हुई। हालांकि 60 वर्षीय जॉन मार्शल स्किनर के परिवार और साथियों को बुधवार को पता चला कि कार हादसे में मरने वाले व्यक्ति जॉन ही थे। मूल रूप से केरल निवासी स्किनर 20 साल से ज्यादा वक्त से दुबई में काम कर रहे थे। खबर में बताया गया कि फिजिशियन स्किनर अल मुसल्ला मेडिकल सेंटर (फिलहाल प्राइमा केयर क्लिनिक-एवीआईवीओ समूह) से जुड़े थे और वह अपने क्लिनिक जा रहे थे जब यह हादसा हुआ।

फर्जी अमेरिकी विश्वविद्यालय से 90 छात्र और पकड़े गए, उनमें से अधिकांश भारतीय

भाषा। वाशिंगटन

आव्रजन धोखाधड़ी की जांच के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा स्थापित किए गए एक फर्जी विश्वविद्यालय से संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 90 विदेशी छात्रों को पकड़ा है। पकड़े गए छात्रों में से अधिकांश भारतीय हैं।

अमेरिकी आव्रजन एवं सीमाशुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आसीई) ने अब तक 250 से अधिक छात्रों को पकड़ा है। इन छात्रों को गृह मंत्रालय ने डेट्रॉइट मेट्रोपोलिटन क्षेत्र में स्थित फार्मिंगटन विश्वविद्यालय में प्रवेश का लालच दिया गया था। आईसीई द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अब बंद हो चुका है। आईसीई ने मार्च में इस फर्जी विश्वविद्यालय से 161 छात्रों को पकड़ा था। मार्च में जब यह विश्वविद्यालय बंद हुआ तब इसमें 600 छात्र थे जिनमें से अधिकांश भारतीय थे। आईसीई के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक गिरफ्तार किए गए 250 छात्रों में से लगभग 80 फीसदी छात्रों को अमेरिका से लौटने की अनुमति दे दी गई है। बाकी के 20 फीसदी छात्रों में से लगभग आधे छात्रों को लौटने का अंतिम आदेश मिल चुका है।

संघीय अभियोजकों ने दावा किया कि छात्रों को यह पता था कि यह विश्वविद्यालय फर्जी है क्योंकि यहां कोई कक्षाएं ही नहीं होती थी। डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेटर एलिजाबेथ वारेन ने इसे क्रूरता भरा कदम बताया है। उन्होंने ट्वीट किया, यह बहुत ही क्रूरता भरा है। इन छात्रों ने अमेरिका में उच्च गुणवत्ता की उच्च शिक्षा पाने का सपना ही तो देखा था। आईसीई ने उन्हें झांसा दिया और जाल में फंसाया सिर्फ इसलिए कि उन्हें वापस भेजा जा सके।

आईसीई ने भर्ती करवाने वाले आठ लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप पत्र दायर किया है। उनमें से सात ने दोष स्वीकार कर लिया है। विश्वविद्यालय में पंजीयन करवाने वाले छात्र भारत स्थित अमेरिकी दूतावास की ओर से जारी वैध वीजा पर कानूनी तरीके से अमेरिका आए थे। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय हैं। फर्जी विश्वविद्यालय ने छात्रों से स्नातक कार्यक्रम के लिए प्रत्एक तिमाही के लिए 2,500 डॉलर की फीस ली थी।

परिवार प्रायोजित ग्रीन कार्ड के इंतजार में करीब 2.3 लाख भारतीय

भाषा। वाशिंगटन

भारत के 2,27,000 से ज्यादा लोग अमेरिका में परिवार प्रायोजित ग्रीन कार्ड या वैध स्थाई निवास की अनुमति मिलने की कतार में हैं। नए जारी हुए आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी सामने आई है।

फिलहाल, परिवार प्रायोजित ग्रीन कार्ड के लिए करीब 40 लाख लोग वेटिंग लिस्ट में हैं जबकि कांग्रेस ने हर साल महज 2,26,000 ऐसे कार्ड जारी करने की अनुमति दी हुई है। वेटिंग लिस्ट में शामिल सबसे ज्यादा 15 लाख लोग अमेरिका के दक्षिण में स्थित पड़ोसी देश मेक्सिको से हैं। दूसरे नंबर पर भारत है जिसके 2,27,000 लोग कतार में हैं। वहीं चीन इस मामले में तीसरे नंबर पर है जिसके 1,80,000 लोग परिवार प्रायोजित ग्रीन कार्ड पाने की होड़ में हैं। ए कार्ड पाने के इच्छुक ज्यादातर वेटिंग लिस्ट वाले लोग अमेरिकी नागरिकों के भाई-बहन हैं। मौजूदा कानून के तहत अमेरिकी नागरिक ग्रीन कार्ड या स्थाई वैध निवास के लिए अपने परिवार के सदस्यों और रक्त संबंधियों को प्रायोजित कर सकते हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसे प्रावधान के खिलाफ हैं और वह इसे सिलसिलेवार ढंग से चलने वाला आव्रजन कहते हैं जिसे वह खत्म करना चाहते हैं। वहीं विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी परिवार प्रायोजित आव्रजन व्यवस्था को खत्म किए जाने का जोरदार ढंग से विरोध कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका में रोजगार मुहैया कराने और गरीबी हटाने में मददगार बनी भारतीय साड़ियां

भाषा। जोहानिसबर्ग

भारतीय साड़ियों का इस्तेमाल कर पुरुषों और महिलाओं के लिए शानदार परिधान बनाने की पहल दक्षिण अफ्रीका में गरीबी और बेरोजगारी से निपटने में मदद कर रहे हैं।

रयाना एडवर्ड्स नामक महिला द्वारा 2014 में शुरू की गई साड़ी फॉर चेंज पहल के तहत दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को दान की गईं साड़ियों से नए परिधान बनाकर कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में मदद मिली। इस पहल का असर यह दिखा कि उत्तरी जोहानिसबर्ग के नॉर्थ राइडिंग कार्यशाला में परिधान बनाने वाली कुशल महिलाओं की कमाई में तेजी से इजाफा हुआ।

इस सफलता के बाद दक्षिण जोहानिसबर्ग में सोवेटो के ब्लैक टाउनशिप में एक और कार्यशाला खोली गई जिसमें फिलहाल छह महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और अगले साल 20 और महिलाओं को यहां दाखिला दिया जाएगा। एडवर्ड्स ने कहा कि पूरी दुनिया की महिलाओं खासकर भारतीय महिलाओं ने दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को पहनी हुईं साड़ियां या पारंपरिक तौर पर मिले कपड़े दान में दिए। साड़ी फॉर चेंज कार्यशाला में खेप के पहुंचने के साथ ही साड़ियों की यात्रा शुरू हो जाती है। सबसे पहले उन्हें छांटा जाता है और धुलाई की जाती है। इसके बाद साड़ी के फैब्रिक की पहचान कर उससे क्या नया परिधान बनाया जा सकता है यह तय किया जाता है।

साड़ी फॉर चेंज पहल को डरबन स्थित डिजाइनर खुलेकनी कैनेथ का भी सहयोग मिल रहा है। कैनेथ ने उन्हें भेजी गई साड़ियों से पुरुषों के परिधान की एक नई श्रृंखला तैयार की है। हालांकि इस पहल का उद्देश्य दक्षिण अफ्रीका में फैली बेरोजगारी और असमानता को दूर करना है, लेकिन यह कार्यक्रम उन महिलाओं में भी लोकप्रिय हो रहा है जो सभी संस्कृतियों से जुड़े कपड़े पहनना पसंद करती हैं।

पहले टी20 मैच की मेजबानी के बाद एचसीए पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब दूंगा : अजहर

भाषा। हैदराबाद

एचसीए अध्यक्ष मोहम्मद अजहरूद्दीन ने गुरूवार को कहा कि वह भारत और वेस्टइंडीज के बीच छह दिसंबर को पहले टी20 मैच की मेजबानी के बाद हैदराबाद क्रिकेट संघ पर लगे भ्रष्टाचार के कथित आरोपों का जवाब देंगे। भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हाल ही में एचसीए पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए अजहर से अनुरोध किया था कि वह छंटे हुए धूर्तों से दूर रहे और संघ को पाक साफ करें। फिलहाल उनका पूरा फोकस मैच पर है और भ्रष्टाचार के मसले पर वह अभी बात नहीं करेंगे। हमें टी20 मैच की मेजबानी करनी है और मैं फोकस उसी पर रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि आप उस मैच के बारे में ही लिखें। मुझे यकीन है कि आप पूरी तैयारी से आए होंगे। छह तारीख के बाद हम एक और प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। उसमें मैं बाकी बातों के बारे में जवाब दूंगा। बतौर प्रशासक यह अजहर का पहला मैच होगा जो सितंबर में एचसीए अध्यक्ष बने हैं। हम पूरी तरह से तैयार हैं। मैच की मेजबानी करना आसान नहीं है। बतौर प्रशासक यह मेरा पहला मैच है। जब मैं खेलता था तो मैच खेलकर घर या होटल चला जाता था लेकिन यह अलग जिम्मेदारी है। वह इस मैच को टी20 प्रारूप में अपने पदार्पण के तौर पर देख रहे हैं। मैं टी20 क्रिकेट नहीं खेल सका। उस समय यह होता ही नहीं था। मैं इसे टी20 प्रारूप में पदार्पण के तौर पर देख रहा हूं। खिलाड़ी होना और प्रशासक होना अलग बात है लेकिन मैं अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करूंगा। इस मौके पर मौजूद बीसीसीआई उपाध्यक्ष जान मनोज ने कहा कि स्टेडियम में मोहम्मद अजहरूद्दीन स्टैंड बनाया जाएगा।

खेल संहिता की समीक्षा के लिए मंत्रालय ने विशेषज्ञों की समिति गठित की

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संहिता 2017 के विवादास्पद मसौदे की समीक्षा के लिए विशेषज्ञों की 13 सदस्ईय समिति गठित की है जिसमें ओलंपिक कांस्य पदकधारी निशानेबाज गगन नारंग, पूर्व फुटबाल कप्तान बाईचुंग भूटिया और राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद को शामिल किया गया है। इस तिकड़ी के अलावा समिति में विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदकधारी लंबी कूद एथलीट अंजू बॉबी जार्ज भी शामिल हैं। विशेषज्ञों की समिति की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुकुंदकम शर्मा करेंगे। इस पैनल में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। आईओए ने इस मसौदे को मौजूदा रूप में लागू करने से इनकार कर दिया था क्योंकि वह खेल प्रशासकों पर उम्र और कार्यकाल संबंधित सीमा लगाना चाहता है। समिति पारदर्शिता और स्वायत्तता की जरूरत के लिए एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघों) की स्वायत्तता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करेगी। एनएसएफ की ओर से प्रतिनिधित्व भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह, सुधांशु मित्तल (भारतीय खो खो महासंघ) और बीपी बैश्य (भारतीय भारोत्तोलन महासंघ) करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) या उसका एक प्रतिनिधि, संयुक्त सचिव (खेल) और डॉ ए जयतिलक (केरल सरकार के खेल मामलों के प्रधान सचिव) पैनल के अन्य सदस्य होंगे। समिति का गठन इसलिए किया गया है कि वे खेल संहिता के लिए कुछ सुझाव दें ताकि यह सभी शेयरधारकों को स्वीकार्य हो।

आईओए का मानना है कि मौजूदा संहिता को अपनाने से भारत पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा निलंबन का खतरा है।

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाडियों के साथ खेल मंत्री किरन रिजिजू

रीजीजू ने खेल महासंघों से कहा, ऐसा कुछ न करें जिससे निलंबन हो

नई दिल्ली। तीरंदाज दीपिका कुमारी और अंकिता भक्त के आईओसी ध्वज तले खेलने पर मजबूर होने पर निराशा व्यक्त करते हुए खेल मंत्री कीरेन रीजीजू ने राष्ट्रीय महासंघों से अनुरोध किया वह किसी ऐसी गतिविधि में संलिप्त न रहें जिससे कि उन्हें निलंबन झेलना पड़े। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) को प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण निलंबन झेलना पड़ा जिसके कारण भारतीय तीरंदाजों को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के ध्वज तले खेलना पड़ रहा है। दीपिका ने बैकाक में महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण और अंकिता ने रजत पदक जीता। हम नहीं चाहते कि हमारे खिलाड़ी तटस्थ ध्वज तले खेलें। राष्ट्रीय खेल महासंघों को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे उनका निलंबन हो। कोई गुटबाजी नहीं होनी चाहिए। सभी महासंघ एक साथ आएं और हम सभी की मदद करने के लिए तैयार हैं। मंत्री ने पहलवान बजरंग पूनिया (खेल रत्न), गोला फेंक के एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर (अर्जुन पुरस्कार) उनके कोच एम एस ढिल्लों (द्रोणाचार्य पुरस्कार) और धावक मोहम्मद अनस याहिया (अर्जुन पुरस्कार) को एक साधारण समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार देने के बाद यह बात कही।

श्रृंखला के बाद भी भारत में रुके रहने के कारण हसन पर लगा जुर्माना

कोलकाता। बांग्लादेश के क्रिकेटर सैफ हसन वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी भारत मे रुके रहे जिससे कारण उन्हे बुधवार को स्वदेश लौटते समय 21,600 रुपए का जुर्माना देना पड़ा। हसन टेस्ट टीम के साथ वैकल्पिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारत आए थे जिसे बांग्लादेश ने 0-2 से गंवा दिया। अंगुली मे चोट के कारण कोलकाता टेस्ट से बाहर बैठने वाले हसन के वीजा की छह महीने की अवधि खत्म हो गई थी। बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त तौफीक हसन ने कहा, उसके (हसन) वीजा की अवधि दो दिन पहले समाप्त हो गई और उसे हवाई अड्डे पर ही इसका अहसास हुआ। वह बुक की गई फ्लाइट मे सवार नही हो सके। अधिक समय तक रुकने के नए नियमो के अनुसार, उसे जुर्माना भरना पड़ा। उन्होने कहा, हम भारतीय उच्चायोग के शुक्रगुजार है कि उन्होने उनकी वीजा प्रक्रिया को जल्दी पूरा कर दिया और उसे लौटने की मंजूरी दे दी। वह कल घर के लिए रवाना हो गया।

आर्चर खेलने के लिए तैयार लेकिन बटलर की चोट चिंताजनकः रूट

हैमिल्टन। इंग्लैड के कप्तान जो रूट ने कहा कि नस्ली टिप्पणी का सामना करने वाले तेज गेदबाज जोफ्रा आर्चर न्यूजीलैड के खिलाफ यहां शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए तैयार है लेकिन विकेटकीपर जोस बटलर चोटिल हो गए है जिससे उनके खेलने पर संदेह बना हुआ है। आर्चर ने पहले टेस्ट के दौरान कहा था कि मैच के अंतिम दिन उन्हे एक दर्शक से नस्ली टिप्पणी का सामना करना पड़ा। रूट ने कहा कि बारबाडोस मूल का यह गेदबाज हैमिल्टन मे खेलने के लिए तैयार है। रूट ने बीबीसी से कहा, आर्चर ने अच्छे तरीके से उसका सामना किया। आर्चर ने भी अखबार मे अपने कालम मे लिखा कि वह उस घटना से आगे बढ़ चुके है। रूट ने हालांकि कहा कि वह अभी अंतिम 11 घोषणा करने की स्थिति मे नही है क्योकि बटलर चोटिल है। उनकी पीठ मे दर्द है। हमे उसकी रिपोर्ट आने का इंतजार है। कल हम देखेगे की उसकी स्थिति कैसी है।

इंग्लैंड के रग्बी कोच का बेटा डेरिल मिशेल न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम में

हैमिल्टन। आल राउंडर डेरिल मिशेल को शुक्रवार को इंग्लैड के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए न्यूजीलैड की क्रिकेट टीम मे शामिल किया। न्यूजीलैड के पूर्व कोच और अब इंग्लैड के सहायक रग्बी कोच जान मिशेल के बेटे डेरिल को हैमिल्टन मे होने वाले टेस्ट के लिए चोटिल कोलिन डि ग्रैंडहोम की जगह क्रिकेट टीम मे शामिल किया गया। हाल मे हुए रग्बी विश्व कप के सेमीफाइनल मे इंग्लैड ने न्यूजीलैड को मात दी थी। न्यूजीलैड ने इंग्लैड के खिलाफ पहले टेस्ट मे पारी और 65 रन से जीत हासिल की थी और अब उसकी निगाहे श्रृंखला क्लीन स्वीप करने पर लगी है। उसके सीनियर बल्लेबाज रास टेलर ने कहा कि दूसरे टेस्ट से पहले मौसम और पिच की स्थिति को देखकर ही उसका गेदबाजी लाइन अप निर्धारित होगा। मिशेल न्यूजीलैड के लिए पहले नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके है।

पाकिस्तान के खिलाफ दिन–रात्रि टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में कोई बदलाव नहीं

एडीलेड। आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ दिन-रात्रि टेस्ट के लिए टीम मे गुरूवार को कोई बदलाव नही किया लेकिन उसने कनकशन सब्स्टीट्यूट कैमरन बैनक्रोफ्ट को रिलीज कर दिया। घरेलू टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ब्रिसबेन मे खेला गया पहला टेस्ट चार दिन के अंदर पारी और पांच रन से जीता था। स्विंग गेदबाज माइकल नेसेर 12वे खिलाड़ी होगे। बल्लेबाज बैनक्रोफ्ट और तेज गेदबाज जेम्स पैटिनसन को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए रिलीज किया गया। कप्तान टिम पेन ने कहा, हमने टीम मे कोई बदलाव नही किया है।

पंत को खरा उतरना होगा : लक्ष्मण

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि विकेटकीपर ऋषभ पंत को टीम प्रबंधन ने जितना समय दिया है, उस दौरान उसे खरा उतरना होगा और अगर उन्होंने जल्द ही लय हासिल नहीं की तो संजू सैमसन उनकी जगह ले सकते हैं।

लक्ष्मण ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला की टीम में संजू सैमसन का चुना जाना पंत के लिए कड़ा संदेश है कि प्रदर्शन करें या फिर टीम से बाहर होने के लिए तैयार रहे। लक्ष्मण ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, टीम प्रबंधन और चयन समिति ने सैमसन को टीम में शामिल कर कड़ा संदेश दिया है कि हमारे पास विकल्प मौजूद है। ऋषभ पंत को काफी मौके मिले हैं और मुझे यकीन है कि टीम प्रबंधन ने उससे बात की होगी। खिलाड़ी को टीम प्रबंधन और चयन समिति के भरोसे को सही साबित करना होता है। पूर्व कलात्मक बल्लेबाज ने कहा, दुर्भाग्य से पंत उस भरोसे पर खरे नहीं उतर रहे हैं लेकिन उनके पास एक्स फैक्टर है। मैं अब भी मानता हूं कि वह शानदार बल्लेबाज है जो मैदान में आने के बाद बड़े शाट खेलकर मैच का रूख मोड़ सकता है। अभी कुछ समय पहले तक पंत तीनों प्रारूपों में उलझन में दिखते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह दबाव में है। आप ने कई बार देखा है जब वह पूरे प्रवाह में खेलता है तो स्पिनरों के खिलाफ उनकी एक अलग मानसिकता और तकनीक दिखती है। मुझे लगता है कि वह अंतिम 11 में अपनी जगह बनाए रखने के लिए काफी दबाव में होगा। पैंतालिस साल के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सैमसन की जगह अब भी पंत ही पहली पसंद होंगे लेकिन महेन्द्र सिंह धोनी भी शायद तब तक वापसी कर ले। इंग्लैड में इस साल जुलाई में हुए विश्व कप के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के बाहर होने के बाद से धोनी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर है। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बाद धोनी अब छह दिसंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला का भी हिस्सा नहीं होंगे। लक्ष्मण ने धोनी के भविष्य के बारे में कहा, मुझे लगता है कि धोनी धैर्य के साथ पंत और सैमसन के प्रदर्शन को देखेंगे। मुझे लगता है आईपीएल के बाद उन्हें जब भी मौका मिलेगा, वह संन्यास के बारे में फैसला करेंगे, धोनी खुद को आईपीएल के लिए तैयार कर रहे हैं। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि वह अच्छा करेंगे, जैसा उन्होंने पहले भी चेन्नई सुपरकिंग्स का नेतृत्व करते हुए किया है। यह दोनों युवा खिलाड़ी अगर मौकों को नहीं भुना पाए तब शायद धोनी के बारे में सोचा जा सकता है। इसके लिए उन्हें विश्व कप से पहले आईपीएल में लय दिखानी होगी।

● सैमसन का चुना जाना कड़ा संदेश

विकेटकीपर के तौर पर टीम की पहली पसंद थे लेकिन खराब फार्म के कारण टेस्ट टीम में उनकी जगह अनुभवी ऋद्धिमान साहा ने ले ली। एक बल्लेबाज के तौर पर वह

सीमित ओवरों के प्रारूप में चौथे स्थान पर जगह पक्की कर सकते हैं श्रेयस अय्यर : प्रसाद

नई दिल्ली। चयन समिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद ने कहा कि सीमित ओवरो के प्रारूप मे श्रेयस अय्यर ने पिछले दो साल मे अपने खेल मे जो सुधार किया है उससे वह भारतीय क्रिकेट टीम की चौथे क्रम की परेशानी को दूर कर सकते है।अय्यर ने नवंबर 2017 मे न्यूजीलैड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मे पदार्पण करने के बाद श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान मे लगातार दो अर्धशतकीय पारियां खेली थी। चौबीस साल के इस खिलाड़ी ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका मे तीन वनडे खेले लेकिन दो महीने बाद उन्हे टीम से बाहर कर दिया गया। विश्व कप मे भारतीय टीम का अभियान खत्म होने के बाद उन्हे इस साल अगस्त मे वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए फिर से चुना गया। प्रसाद ने साक्षात्कार मे कहा, अगर आपको याद हो तो हमने अय्यर को 18 महीने पहले (जब कोहली को विश्राम दिया गया था) एकदिवसीय टीम मे शामिल किया था और उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। दुर्भाग्य से हम उसे टीम मे बरकरार नही रख सके। उसने हालांकि अपने खेल मे काफी सुधार किया है जिससे एकदिवसीय और टी20 टीमो मे चौथे क्रम की परेशानी से टीम को उबार सकता है। घरेलू प्रतियोगिताओ मे मुंबई का प्रतिनिधित्व करने वाले इस बल्लेबाज घरेलू और भारत ए टीम के लिए रनो का अंबार लगाया और सीनियर टीम मे जगह नही मिलने पर निराशा भी जताई। वह हालांकि वेस्टइंडीज दौरे के बाद से टीम के नियमित सदस्य है। प्रसाद के नेतृत्व वाली चयन समिति ने 2016 मे अपना कार्यकाल शुरू किया था जो अब खत्म होने वाला है। प्रसाद ने कहा कि विश्व कप के तैयारियो के तहत अय्यर को मौका नही मिलना दुर्भाग्यपूर्ण था। प्रसाद से जब भारतीय टेस्ट टीम के आक्रमण के बारे मे पूछा गया तो उन्होने कहा, चयनसमिति का मुख्य काम सही प्रतिभा को खोज कर उन्हे एक व्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से तैयार करना के बाद सही समय पर सीनियर टीम के साथ जोड़ना है। इसके बाद हमे अच्छा प्रदर्शन के लिए उनका साथ देना होता है। उन्होने कहा, बुमराह के अलावा बाकी के तेज गेदबाज (इशांत शर्मा, उमेश यादव और मोहम्मद शमी) हमारी समिति के आने से पहले से थे। हमारे आने के बाद एक चीज यह है कि उन्होने एक इकाई के रूप मे अच्छा प्रदर्शन किया। हमने बुमराह को सभी प्रारूपो मे एक शीर्ष श्रेणी के गेदबाज के रूप मे विकसित करने मे मदद की।

मैं भी असफलताओं से प्रभावित होता हूंः कोहली

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने हालांकि इतनी ज्यादा विफलताएं नहीं देखी हैं लेकिन उनका कहना है कि ऐसा नहीं है कि वह इनसे प्रभावित नहीं होते। इसका हालिया उदाहरण भारत का इंग्लैंड में वनडे विश्व कप सेमीफाइनल मैच में हारना रहा जिसमें टीम को न्यूजीलैंड ने 18 रन से शिकस्त दी। कोहली ने इंडिया टुडे से कहा, क्या मैं असफलताओं से प्रभावित होता हूं? हां, होता हूं। हर कोई होता है। अंत में मैं एक बात जानता हूं कि टीम को मेरी जरूरत है। सेमीफाइनल में मुझे लग रहा था कि मैं नाबाद लौटूंगा और अपनी टीम को इस मुश्किल दौर से निकाल कर लाऊंगा। कोहली ने कहा, लेकिन हो सकता है कि वो मेरा अहंभाव हो क्योंकि आप कैसे भविष्यवाणी कर सकते हो? आपके अंदर सिर्फ मजबूत अहसास हो सकते हैं या फिर इस तरह का कुछ करने की प्रबल इच्छाशक्ति। वनडे और टेस्ट में क्रमशः 11,500 और 7,202 रन बनाने वाले कोहली अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहते हैं जिसका अनुसरण आने वाले लोग करें। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, मुझे हारना पसंद नहीं है। मैं बाहर आकर यह नहीं कहना चाहता था कि मैं ऐसा कर सकता था। जब मैं मैदान पर कदम रखता हूं तो यह मेरे लिए सौभाग्य की बात होती है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमीर चंद पुत्र श्री मेवाराम निवासी मकान नं. 2ए–111, एन.आई.टी. फरीदाबाद के रहने वाले हैं। श्री अमीर चंद ने दिनांक 25.01.2001 को एक बूथ नं. 115, साईज 12 गुणा 27.5 नई सब्जी मंडी फरीदाबाद में खुली बोली पर खरीदा था। श्री अमीर चंद का निधन दिनांक 21.11.2005 एवं उनकी पत्नी श्रीमती सरस्वती बाई का देहांत दिनांक 26.04.2012 को हो चुका है, का है, श्री अमीर चंद के वारिसान पुत्र श्री अशोक कुमार अरोड़ा एवं मनोज अरोड़ा ने इस प्रापर्टी को अशोक कुमार पुत्र स्व. श्री अमीर चंद के नाम ट्रांसफर कराने का आवेदन किया है। सर्वजन को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वारिसानों के अलावा इस प्रापर्टी का कोई दावेदार अथवा कोई अन्य नाम से वसीयत या कोई अन्य प्रपत्र हो तो अपना दावा/शिकायत इस इश्तिहार छपने के 30 दिन के भीतर कार्यालय मार्केट कमेटी फरीदाबाद में लिखित में दें, लिखित में शिकायत दर्ज न होने पर कार्यालय को प्राप्त रिकार्ड को आधार मानते हुए इस प्लॉट को कार्यालय मार्केट कमेटी फरीदाबाद द्वारा अशोक कुमार पुत्र स्व. श्री अमीर चंद के नाम दर्ज कर देगी, इसके पश्चात कोई दावा होता है, तो यह कार्यालय इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी, मार्केट कमेटी, फरीदाबाद

ई–निविदा प्रेस सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता, सिविल मंडल–4, सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन प्रतिशत दर दिनांक 30.11.2019 और अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।

एच.ओ.ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिपार्टमेंन्ट ओफ डिवलमेंन्ट

1 एन आई टी न0 35/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_184313_1)
कार्य का नामः सीलमपुर विधान सभा क्षेत्र (एसी–65) ब्रहमपुरी मैन रोड़ पर ट्रासफार्मर के लिये एलिवैटिड प्लैटफार्म के निर्माण का कार्य। अनुमानित लागत 23,21,562/– धरोहर राशि रू 46,431/– समापन की अवधि 60 दिन।

एच.ओ.ए.: ट्रॉस यमुना एरिया डिवलमेंन्ट बोर्ड

2 एन आई टी न0 146/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_184217_1)
कार्य का नामः सीलमपुर विधान सभा क्षेत्र एसी–65 चौहन बंगुर वार्ड 41 ई में (शेष) क्षतिग्रस्त गलियों का सुधार का कार्य। अनुमानित लागत 88,58,040/– धरोहर राशि रू 1,77,161/– समापन की अवधि 100 दिन।

नोटः–
1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
1 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति/अप टू डेट रिटर्न फाईल प्रुफ।
2 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग में।
3 धरोहर राशि की छाया प्रति
4 ईएसआईसी/ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति।
5 पेन न0/स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
6 वैध फोन न0, वटसप न0/ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी/एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ई, सी डी–4 के संदर्भ में निविदा खोलने के 3.00 बजे तक भौतिक रूप में कार्यालय ई ई, सी डी–4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भौतिक रूप से जमा नहीं की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।

हस्ता/–
कार्यकारी अभियंता, सी डी–4
सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग,
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार,
DIP/Shabdarth/1048/19-20

कुलदीप के लिए आईपीएल बेहद अहम होगा : बांगड़

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने अगले साल होने वाले आईपीएल को कुलदीप यादव के लिए बेहद महत्वपूर्ण करार दिया और कहा कि इसमें अच्छे प्रदर्शन से वह टी20 विश्व कप की टीम में जगह बना सकते हैं। कुलदीप ने नौ महीने बाहर रहने के बाद हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टी20 टीम में वापसी की। उन्होंने इस सबसे छोटे प्रारूप में भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच इस साल फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, यह कुलदीप के प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी बात है और जहां तक स्ट्राइक रेट की बात है तो उसने वनडे में सबसे तेज 100 विकेट लिए और यहां तक कि छोटे प्रारूप में भी उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। कुलदीप के लिए यह आईपीएल बेहद अहम होगा और अगर वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे बाहर रखना आसान नहीं होगा। बांगड़ का इसके साथ ही मानना है कि रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी में महारत के कारण वह भारत की विश्व कप टी20 टीम में क्रुणाल पंड्या के बजाय बेहतर विकल्प होंगे। आपको टी20 प्रारूप में कलाईयों के स्पिनर की जरूरत पड़ती है। भारत की सफलता में इनकी भूमिका अहम रही है। भारत की सफलता में कलाईयों के दो स्पिनरों ने अधिकतर वनडे और टी20 श्रृंखलाओं में हर तरह की परिस्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए मुझे लगता है कि रविंद्र जडेजा का क्रुणाल पंड्या पर पलड़ा भारी है क्योंकि क्रुणाल एक समय में चार ओवर का कोटा पूरा करने में सक्षम नहीं है और जडेजा अभी शानदार फार्म में है।

पाक के खिलाफ मैच खेलने वाली भारत की डेविस कप टीम

पाक को पस्त करने को तैयार मजबूत भारत

भाषा। नूर–सुल्तान

● डेविस कप मुकाबले आज से शुरू होंगे

(कजाखस्तान)। मजबूत भारतीय टीम से उम्मीद है कि शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले डेविस कप मुकाबले में वह कमजोर पाकिस्तान की चुनौती आसानी से पार कर लेंगे जिसके नाटकीय परिस्थितियों के बाद तटस्थ स्थल पर आयोजित कराने का फैसला किया गया। स्थल पर अंतिम समय तक अनिश्चितता बनी रही जिससे दोनों टीमों में खिलाड़ियों के चयन को लेकर संदेह रहा।

आखिर में अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने इस मुकाबले को नूर–सुल्तान में कराने का फैसला किया क्योंकि उसके स्वतंत्र पंचाट ने पाकिस्तान टेनिस महासंघ की समीक्षा की अपील ठुकरा दी। इसे सुरक्षा की चिंताओं का हल निकल गया लेकिन मुकाबले को अंतिम समय में हटाना टूर्नामेंट के लिए अच्छा नहीं है। सुमित नागल, रामकुमार रामनाथन और अनुभवी लिएंडर पेस जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति से भारत के आसानी से जीतने की उम्मीद थी लेकिन पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ियों जैसे ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान के हटने से यह मुकाबला बिलकुल ही एकतरफा लगता है। भारतीय खिलाड़ियों में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का अनुभव मौजूद है जबकि पाकिस्तानी खिलाड़ी अब भी आईटीएफ फ्यूचर्स स्तर के टूर्नामेंट में छाप छोड़ने में जूझ रहे हैं। लेकिन जब तक पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी खेल रहे थे, तब तक युगल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा मौजूद थी लेकिन मुकाबले के स्थल को बदलने के खिलाफ विरोधस्वरूप उनके नहीं खेलने का फैसला करने के बाद यह भी खत्म हो गई। पाकिस्तान के उन जूनियर खिलाड़ियों के लिए सीखने वाला अनुभव होगा जो इस मुकाबले में देश की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस मुकाबले की विजेता टीम मार्च में क्रोएशिया में होने वाले 2020 में विश्व ग्रुप क्वालीफायर में जगह बनाएगी। वहीं 46 वर्षीय पेस के लिए सबसे ज्यादा युगल जीत का अपना डेविस कप रिकार्ड बेहतर करने का मौका होगा जिसमें वह 43 जीत से शीर्ष पर हैं। यह रिकार्ड उन्होंने पिछले साल चीन के खिलाफ खेलते हुए हासिल किया था। अठारह ग्रैंडस्लैम ट्राफियां हासिल कर चुके पेस डेविस कप पदार्पण कर रहे जीवन नेदुनचेझीयान के साथ जोड़ी बनाएंगे। जीवन डेविस कप में खेलने वाले भारत के 75वें खिलाड़ी होंगे। फार्म में चल रहे नागल के पास अपनी पहली डेविस कप जीत हासिल करने का मौका है क्योंकि वह स्पेन (2016) और चीन (2018) के खिलाफ अपने दोनों एकल मैच गंवा चुके हैं। रामकुमार इस मुकाबले में दूसरे नंबर के एकल खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे और वह अपने जीत–हार के रिकार्ड को बेहतर कर सकते हैं। रामकुमार शुक्रवार को मोहम्मद शोएब के खिलाफ मुकाबले की शुरूआत करेंगे जो आईटीएफ फ्यूचर्स टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में एक भी मैच नहीं जीते हैं। दूसरे एकल में नागल का सामना हुजाएफा अब्दुल रहमान से होगा जिन्होंने जूनियर आईटीएफ सर्किट में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने कहा कि वे वाइटवाश की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की टीम में युवा खिलाड़ी हैं जो मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलेंगे, उनके पास गंवाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे बताया गया कि उनकी प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि वे फाइटर हैं और अंत तक लड़ेंगे। हम वाइटवाश करने की कोशिश करेंगे। शून्य के कम तापमान के कारण यह मुकाबला इंडोर हार्ड कोर्ट पर खेला जाएगा। शनिवार को मुकाबले के दूसरे दिन पेस और जीवन का सामना उलट एकल में शोएब और हुजाएफा से होगा। अगर भारत 3–0 की अजेय बढ़त बना लेता है तब भी चौथा मुकाबला खेला जाएगा। टीमों के पास पांचवें मुकाबले को नहीं खेलने का विकल्प है। मुकाबले भारतीय समयानुसार शुक्रवार को दोपहर डेढ़ बजे और शनिवार को साढ़े 11 बजे शुरू होंगे।

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

राहुल महतो

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़का जिसका नाम **राहुल महतो, पुत्रः सैलेन्द्र महतो, पताः जे–3354, डीएसआईआईडीसी, नरेला, दिल्ली जोकि दिनांक 11.11.2019 से पुलिस थाना क्षेत्र नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली से गुमशुदा/अपहृत है।** इस सन्दर्भ में **FIR No. 672/19 dated 14.11.2019** पुलिस थाना, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा गंभीरता से इस गुमशुदा/अपहृत लड़के की तलाश करने की कोशिश की गई मगर कुछ पता नहीं चला। नीचे गुमशुदा/अपहृत लड़के की पहचान दी गई है:

नामः राहुल महतो, उम्रः 14 वर्ष, कदः 4'8'', चेहराः अण्डाकार, रंगः गेहुँआ, शरीरः सामान्य, पहनावाः पीले रंग की शर्ट, हरी जीन्स और पैरों में काली चप्पल।

अगर किसी को इस गुमशुदा/अपहृत लड़के के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया थाना प्रभारी, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली को संपर्क करें।

वेबसाइटः http://cbi.nic.in, ई–मेलः cic@cbi.gov.in
फोनः 011–24368638/24368641, फैक्सः 011–24368639

थाना प्रभारी
पुलिस थाना, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली
फोनः 011-27787592, 27787593

DP/804/ON/19

दीपिका और अंकिता ने ओलंपिक कोटा हासिल किया

● एशियाई तीरंदाजी दीपिका को स्वर्ण

भाषा। बैंकाक

दीपिका कुमारी ने यहां 21वीं एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप से इतर आयोजित महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में महिला रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण और अंकिता भक्त ने रजत पदक जीतकर भारत के लिए ओलंपिक कोटा स्थान सुनिश्चित किया। इस महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन से तीन व्यक्तिगत स्थान हासिल किए जा सकते थे और राष्ट्रीय महासंघ पर लगे निलंबन के कारण राष्ट्रीय ध्वज के बिना खेल रहे भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। इनमें शीर्ष वरीय दीपिका और छठी वरीय अंकिता का प्रदर्शन लाजवाब रहा। दीपिका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया की नूर अफीसा अब्दुल को 7-2, ईरान की जहरा नेमाती को 6-4 और स्थानीय तीरंदाज नरीसारा खुनहिरानचाइयो को 6-2 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर ओलंपिक कोटा हासिल किया। दीपिका ने कहा, हम अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहते थे। लेकिन हम शुरू में थोड़े नर्वस थे। तेज हवा भी चल रही थी। मैंने अपनी सांस पर ध्यान लगाए रखा और खुद से कहा, लगी रहो। मैं अब अच्छा महसूस कर रही हूं। स्थानीय खिलाड़ी नारीसारा के खिलाफ अंतिम राउंड से पहले दीपिका ने अपने मंगेतर और टीम के साथी अतनु से 28 निशाना लगाने का वादा किया लेकिन दीपिका ने दो परफेक्ट 10 और एक नौ जुटाकर जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, हम अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहते थे। साथ ही मैंने (मिश्रित टीम जोड़ीदार और मंगेतर) अतनु को वादा किया था कि मैं 28 अंक जुटाऊंगी। दीपिका ने कहा, अब हम अगले साल विश्व कप के बर्लिन चरण से टीम कोटा हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं। तीरंदाजी में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम मौका 2020 विश्व कप के बर्लिन चरण है। बाद में दीपिका ने वियतनाम की एनगुएट डो थि एन को एकतरफा अंतिम चार मुकाबले में 6-2 से शिकस्त दी। अंकिता ने हांगकांग की लाम शुक चिंग एडा को 7-।, वियतनाम की एनगुएन थि फुयोंग को 6-0 और कजाखस्तान की अनास्तासिया बानोवा को 6-4 से मात दी। अंकिता ने अंतिम चार में भूटान की कर्मा को 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में हालांकि अंकिता को दीपिका से 0-6 से हार मिली। भारतीय तीरंदाजी संघ पर प्रतिबंध के कारण दीपिका, अंकिता और लैशराम बोम्बायला देवी की भारतीय तिकड़ी तटस्थ (विश्व तीरंदाजी संघ) ध्वज के अंतर्गत प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। तीरंदाजी में भारत का यह दूसरा ओलंपिक कोटा है, इससे पहले तरूणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरूष रिकर्व टीम ने साल के शुरू में विश्व चैम्पियनशिप में कोटा हासिल किया था। भारत ने बुधवार को समाप्त हुई एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक हासिल किए। उन्होंने कहा, पूरी टीम बहुत खुश है कि कम से कम हमने एक कोटा तो हासिल किया। यह टूर्नामेंट हमारे लिए काफी अच्छा रहा।

सानिया होबार्ट इंटरनेशनल टूर्नामेंट से वापसी करेंगी

भाषा। मुंबई

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने गुरुवार को कहा कि जनवरी 2020 में होने वाले होबार्ट इंटरनेशनल टूर्नामेंट के जरिए वह मातृत्व अवकाश के बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। तैतीस साल की सानिया ने पिछली बार अक्टूबर 2017 में चीन ओपन में भाग लिया था। वह होबार्ट इंटरनेशनल में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज यूक्रेन की नाडिया किचेनोक के साथ जोड़ी बनाएंगी। पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी करने वाली सानिया ने पिछले साल अक्टूबर में बेटे इजहान को जन्म दिया। सानिया ने कहा, मैं होबार्ट में खेलूंगी, इसके बाद आस्ट्रेलियाई ओपन में खेलूंगी। मैं अगले महीने मुंबई में भी एक टूर्नामेंट (आईटीएफ महिला टूर्नामेंट) में खेलूंगी, हालांकि इस प्रतियोगिता में खेलना मेरी कलाई की चोट पर निर्भर करेगा लेकिन होबार्ट और आस्ट्रेलियाई ओपन में जरूर खेलूंगी। सानिया ने कहा कि वह पूरी तरह फिट है। जब आप मां बनते है तो बहुत सारे बदलाव होते हैं। आपकी दिनचर्या और नींद का तरीका बदल जाता है। मैं (अब) खुद को फिट महसूस कर रही हूं, मेरा शरीर अब वैसा ही है जहां यह मेरे बच्चे के जन्म से पहले हुआ करता था। मैंने छह-सात महीने पहले वापसी के बारे में सोचना शुरू किया। सानिया आस्ट्रेलियाई ओपन में अमेरिका के राजीव राम के साथ मिश्रित युगल जोड़ी बनाएंगी। सानिया ने यहां नए टेनिस कोर्ट का उद्घाटन करने के बाद कहा कि वह 2020 में तोक्यो में होने वाले ओलंपिक का टिकट पाने की कोशिश करेंगी। मैंने तीन बार ओलंपिक में हिस्सा लिया है और पिछली बार खराब किस्मत के कारण हम पदक नहीं जीत सके। मैं कोशिश करूंगी कि चौथी बार ओलंपिक में भाग ले सकूं,ए मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

रूस 2020 ओलंपिक में खेले इसके लिए हर संभव प्रयास करूंगा : ओलंपिक प्रमुख

मास्को। रूसी ओलंपिक समिति के प्रमुख ने गुरुवार को कहा कि उनके खिलाड़ी 2020 ओलंपिक खेलो मे भाग ले सकें, इसके लिए वह अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेंगे। रूस पर डोपिंग के कारण चार साल का प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। समाचार एजेंसी आरआइए नोवोस्ती के अनुसार स्टेनिस्लाव पोजदानयाकोव ने कहा, हमारी टीम रूस के ध्वज तले तोक्यो ओलंपिक मे खेले इसके लिए हम अपनी तरह से कोई कसर नही छोड़ेंगे। उन्होने कहा कि रूस के खिलाड़ियो के बड़ी संख्या मे ओलंपिक मे भाग लेने को लेकर किसी तरह की वस्तुपरक बाधाएं नही है। विश्व डोपिंगरोधी एजेंसी (वाडा) ने रूस से डोपिंग को लेकर गलत आंकड़े मिलने के बाद सोमवार को उस पर चार साल का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। अगर वाडा प्रमुख पेरिस मे नौ दिसंबर को होने वाली बैठक मे समिति की सिफारिशो को स्वीकार कर लेते है तो रूस प्रमुख खेल प्रतियोगिताओ से बाहर हो सकता है जिनमे 2020 तोक्यो ओलंपिक भी शामिल है।

मैराज, गुरजोत राष्ट्रीय निशानेबाजी में पुरूषों की स्कीट में आगे

नई दिल्ली। ओलंपियन मैराज अहमद खान और पंजाब के गुरजोत सिंह ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप मे गुरुवार को पुरूषो के स्कीट वर्ग के क्वालीफायर मे चार दौर मे सभी सौ निशाने सटीक लगाकर बढ़त बना ली। स्कीट निशानेबाजी मे जूनियर वर्ग मे पंजाब के राजवीर सिंह गिल शीर्ष रहे। वही गनीमत शेखो महिला और जूनियर महिला वर्ग मे अग्रणी रही। ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके अंगद वीर सिंह बाजवा , स्मित सिंह, अमरिंदर सिंह चीमा और राजवीर ने 98 का स्कोर किया।

मैनचेस्टर सिटी के मालिकों ने मुंबई सिटी एफसी के ज्यादा हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग चैंपियन मैनचेस्टर सिटी के स्वामित्व वाली कंपनी सिटी फुटबाल ग्रुप (सीएफजी) ने गुरुवार को इंडियन सुपर लीग फ्रेंचाइजी मुंबई सिटी एफसी की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। इस अधिग्रहण की घोषणा आज सीएफजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फेरान सोरियानो और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड एवं रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता अंबानी ने की। इस सौदे से मुंबई सिटी एफसी को ग्रुप की व्यावसायिक और फुटबॉल की जानकारियो का फायदा मिलेगा, साथ ही क्लब की पहुंच सीएफजी ग्लोबल कमर्शियल प्लेटफॉर्म तक होगी। इस अवसर पर नीता अंबानी ने कहा, यह एक ऐतिहासिक अवसर है।

मारूफ चाहती हैं पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मैच खेले भारत

कराची। पाकिस्तान की महिला टीम की कप्तान बिसमाह मारूफ ने गुरुवार को कहा कि भारत को खेलो को राजनीति से अलग रखकर पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मैच खेलने चाहिए। बिसमाह ने निराशा जताई कि पाकिस्तान इस साल आईसीसी महिला चैम्पियनशिप मे भारत के साथ नही खेल सका। भारत की टीम आला दर्जे की है और हम उसके साथ खेलना चाहते थे।

अब्बास दूसरे टेस्ट के लिए पाक टीम में

एडीलेड। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए पाकिस्तानी टीम मे शामिल किया जाना तय है क्योकि दूधिया रोशनी मे खेले जाने वाले मैच मे अपने गेंदबाजी आक्रमण मे निरंतरता चाहते है। कप्तान अजहर अली भी शुक्रवार से शुरू होने वाले मैच मे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे तथा शान मसूद के साथ इमाम उल हक पारी की शुरुआत करेंगे। हारिस सोहेल अंतिम एकादश मे नही होगे। अब्बास ने 14 टेस्ट मैचो मे 18.86 की औसत से 66 विकेट लिए है लेकिन उन्हे ब्रिस्बेन मे पहले टेस्ट मैच की टीम मे नही चुना गया था जिसमे पाकिस्तान को पारी और पांच रन से हार का सामना करना पड़ा ।

ब्रुक्स का शतकीय प्रहार, अफगानिस्तान की हार तय

● कार्नवाल ने मैच में 10 विकेट पूरे किए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छोटे फार्मेट की बेहतरीन टीम माने जाने वाली अफगानिस्तान की टीम टेस्ट मैच में फिसड्डी साबित हुई। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बाद दूसरी पारी भी सस्ते में निपटने के कगार पर है। अटल बिहारी स्टेडियम में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अफगानिस्तान के 109 रन पर सात विकेट गिर चुके थे। उसकी बढ़त केवल 19 रन की है जबकि उसके मात्र तीन विकेट ही बचे हैं। इससे पहले एस. ब्रुक्स (111) के शतकीय प्रहार की बदौलत वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के पहली पारी के 187 रनों के जवाब में 277 रन बनाकर 90 रन की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली। उसके बाद कैरेबियाई स्पिन गेंदबाजों रोस्टन चेज और पहली पारी के हीरो रहे रहकीम कॉर्नवाल ने तीन-तीन विकेट झटक कर अफगानिस्तान को हार की तरफ धकेल दिया।

ब्रुक्स ने अपने कल के स्कोर 19 रन से आगे खेलना शुरू किया और टिककर खेलने की रणनीति अपनाई। राशिद खान की अगुवाई वाले अफगान स्पिन आक्रमण का डटकर सामना किया और अपना पहला शतक पूरा किया। ब्रुक्स 214 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 111 रन बनाकर बाएं हाथ के स्पिनर अमीर हमजा की गेंद पर बोल्ड हुए। ब्रुक्स के अलावा जॉन कैम्पबेल (55) और विकेटकीपर बल्लेबाज शेन डोरिच (42) ने भी उल्लेखनीय योगदान किया। अफगानिस्तान की तरफ से पहला टेस्ट खेल रहे हमजा ने 74 रन देकर पांच विकेट झटके। इसके अलावा राशिद को तीन और जहीर खान को दो विकेट मिले। वहीं पहली पारी में 90 रन से पिछड़ने के बाद अफगानिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में ठोस शुरुआत की। इब्राहीम जादरान (23) और जावेद अहमदी (62) की ओपनिंग जोड़ी ने 19 ओवरों में 53 रन जोड़े, लेकिन कॉर्नवाल की गेंद पर जादरान के पगबाधा आउट होने के बाद विकेटों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। कुल 55 के स्कोर पर अफगानिस्तान को दोहरा झटका लगा, जब इहसानउल्ला (01) गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए और उसी ओवर में कॉर्नवाल ने रहमत शाह (00) को ब्रुक्स के हाथों कैच आउट कराकर अपना दूसरा विकेट लिया। अफगानिस्तान की अब सारी उम्मीदें जमकर बल्लेबाजी कर रहे अहमदी पर थी लेकिन दिन के आखिरी ओवर में चेज ने उन्हें 62 रन के निजी स्कोर पर कॉर्नवाल के हाथों कैच आउट कराकर अफगानिस्तान की रही-सही उम्मीदें भी तोड़ दीं। चेज ने 10 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि कॉर्नवाल ने इतने ही विकेट लेने के लिए 41 रन दिए।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान पहली पारी: 187 रन सभी आउट,वेस्टइंडीज : पहली पारी- क्रेग ब्रेथवेट पगबाधा बो. हमजा 11, जान कैम्पबेल कै. एहसानुल्लाह बो.राशिद 55, शाई होप का. इहसानउल्ला बो. राशिद 07, एसएस ब्रुक्स नाबाद बो. आमिर 111, एस. हेटमायर एलबीडब्ल्यू बो. राशिद 13, आर. चेज कै. इब्राहिम बो. जाहिर 2, एस. डाउरिच एलबीडब्ल्यू बो. जाहिर 42, जेसन होल्डर स्टम्प अफसर बो. आमिर 11, आर. कार्नवाल एलबीडब्ल्यू बो. राशिद 5, के. राउच एलबीडब्ल्यू 3, जे. वारिकन नाबाद 4, **अतिरिक्त:** 13,**कुल:** 83.3 ओवर में 277 रन, विकेट पतन: 1-27, 2-34, 3-116, 4-137, 5-150, 6-224, 7-243, 8-260, 9-270, 10-277, **गेंदबाजी:** यामिन अहमदजई 10-3-24-0, आमिर हमजा 28.3-4-74-5, राशिद खान 32-5-114-3, जाहिर 13-2-53-2

अफगानिस्तान दूसरी पारी: इब्राहित जादरान एलबीडब्ल्यू बो. कार्नवाल 23, जावेद अहमदी कै. कार्नवाल बो. चेज 62, एहसानुल्लाह रन आउट 1, रहमत शाह कै. ब्रुक्स बो. कार्नवाल 0, असगर अफगान कै. ब्रुक्स बो. कार्नवाल 0, नासिर जमाल बो. चेज 15, आमिर हमजा कै. कार्नवल बो. चेज 1, अफसर जाजाई नाबाद 2,**अतिरिक्त:** 5,**कुल योग:** 36 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 109 रन,विकेट पतन: 1-53, 2-2-55, 3-55, 4-59, 5-96, 6-98, 7-109, **गेंदबाजी:** के. राउच 4-2-5-0, जेसन होल्डर 3-0-18-0, जे. वारिकन 12-3-31-0, आर. कार्नवाल 14-3-41-3, आर. चेज 3-1-10-3

विकास दक्षिण एशियाई खेलों से एमेच्योर मुक्केबाजी में लौटेंगे

नई दिल्ली। पेशेवर मुक्केबाजी से कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर एमेच्योर मुक्केबाजी मे वापसी का फैसला करने वाले भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण को नेपाल मे होने वाले आगामी दक्षिण एशियाई खेलो की टीम मे चुना गया है जिसमे वह नए वजन वर्ग मे हिस्सा लेगे। इस 27 साल के मुक्केबाज ने पेशेवर बनने के बाद अमेरिकी सर्किट मे दो मुकाबलो मे जीत हासिल की और इसके बाद उन्होने साल के शुरू मे एमेच्योर मे वापसी करने का फैसला किया। उन्होने कहा कि वह 2020 तोक्यो ओलंपिक तक कोई पेशेवर मुकाबला नही खेलेगे। विकास ने यह भी खुलासा किया कि वह अब 75 किग्रा वर्ग के बजाय 69 किग्रा वर्ग मे भाग लेगे। हालांकि उन्होने अपने पहले के वजन वर्ग मे पिछले साल गोल्ड कोस्ट मे राष्ट्रमंडल खेलो मे स्वर्ण पदक जीता था। विकास ने 69 किग्रा वजन मे 2011 मे विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक जीता था। उन्होने कहा, मैने 69 किग्रा वजन वर्ग मे भाग लेने का फैसला किया है क्योकि पेशेवर सर्किट मे भी मेरा यही वजन है। दक्षिण एशियाई खेल एक दिसंबर से शुरू होगे। पेशेवर मुक्केबाजी के बारे मे बात करते हुए विकास ने कहा, यह इतनी आसान नही थी। पेशेवर मुक्केबाजी मे रिंग मे लगातार हिट करना होता है, जिसके लिए काफी स्टैमिना चाहिए था और मैने महसूस किया कि मुझे पूरी तरह से इस पर ध्यान लगाने के लिए इस पर कुछ और काम करना होगा। मै 2020 ओलंपिक खेलो के बाद इसमे लड़ूंगा और इस समय मेरा लक्ष्य सिर्फ तोक्यो के लिए क्वालीफाई करना है। मै अगले साल फरवरी मे होने वाले क्वालीफायर के लिए तैयारी मे जुटा हूं। विकास के अलावा टीम मे मनीष कौशिक भी इन खेलो मे भाग लेगे जिन्होने रूस मे विश्व चैम्पियनशिप मे कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक क्वालीफायर के लिए 63 किग्रा वर्ग मे अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। छह सदस्ईय महिला टीम की अगुआई सोनिया लाठेर (57 किग्रा) और राष्ट्रमंडल खेलो की पूर्व कांस्य पदकधारी पिंकी रानी (51 किग्रा) करेगी। टीमे : महिला :के श्रीनिवासन (48 किग्रा), पिंकी रानी (51 किग्रा), शिक्षा (54 किग्रा), सोनिया लाठेर (57 किग्रा), प्रवीण (60 किग्रा), मंजू बोम्बारिया (64 किग्रा)। पुरूष : विनोद तंवर (49 किग्रा), स्पर्श कुमार (52 किग्रा), सचिन (56 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), मनीष कौशिक (64 किग्रा), विकास कृष्ण (69 किग्रा), अंकित खताना (75 किग्रा), सचिन कुमार (81 किग्रा), गौरव चौहान (91 किग्रा), नरेंदर (91 किग्रा से अधिक)।

ओलंपिक में नए रूप में दिखूंगा : बजरंग

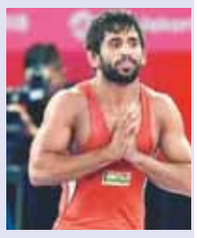

नई दिल्ली। अपने विरोधियो को परोक्ष चेतावनी देते हुए बजरंग पूनिया ने कहा कि कुश्ती जगत तोक्यो ओलंपिक मे उन्हे नए रूप मे देखेगा। बजरंग तोक्यो ओलंपिक मे भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीदो मे से एक है। लेग डिफेंस उनकी कमजोरी रहा है और उनके विरोधियो ने इसका फायदा हमेशा उठाया है। कई विशेषज्ञो को मानना है कि ओलंपिक मे यह कमजोरी उन पर भारी पड़ सकती है। इस कमजोरी के बावजूद वह 2018 मे 65 किलो वर्ग मे दुनिया के नंबर एक पहलवान बने। मेरे कोच का कहना है कि दोबारा मैट पर उतरने पर मुझे अपने विरोधी को चौकाने का शऊर आना चाहिए। मै बताऊंगा नही कि क्या कर रहा हूं लेकिन तोक्यो मे मैट पर आपको एक नया बजरंग देखने को मिलेगा। लोग कहेगे कि बजरंग का खेल बिल्कुल बदल गया है। चाहे तकनीक हो, दम खम या शैली , सभी पर मैने काम किया है। बजरंग ने यहां खेल रत्न पुरस्कार लेने के बाद यह बात कही। वह विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी मे व्यस्त होने के कारण पुरस्कार समारोह मे नही आ सके थे। मै कुछ समय मैट पर अभ्यास नही कर रहा था। मेरी चोट का दर्द कम नही हो रहा था और डाक्टरो का कहना था कि इससे पूरी तरह उबरना होगा वरना कुछ गंभीर समस्या हो जाएगी। मेरे पास आराम का समय था क्योकि ओलंपिक के आसपास जोखिम नही ले सकता था। मैने शारीरिक अभ्यास पर फोकस रखा, मैट अभ्यास पर नही। नए सत्र मे मेरा पहला टूर्नामेंट जनवरी मे होगा। इटली के बाद एशियाई चैम्पियनशिप है और एक रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट है। अभी शेड्यूल तय नही हुआ है।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग की टीम ने गेल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

ढाका। बांग्लादेश प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम चटगांव चैलेंजर्स ने वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के खिलाफ टूर्नामेंट मे भाग नही लेने की स्थिति मे कार्वाई करने की मांग की है। गेल को 11 दिसंबर से शुरु हो रहे इस टी20 टूर्नामेंट के लिए चैलेंजर्स की टीम ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग मे खेलने के लिए चुना था। दक्षिण अफ्रीका के घरेलू टी20 टूर्नामेंट मजांसी सुपर लीग मे जोजी स्टार्स के लिए निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले गेल ने कहा कि उन्हे ए जानकर आश्चर्य हुआ कि उनका नाम टीम मे शामिल है। उन्होने कहा कि उन्होने खेल से ब्रेक लेने की योजना बनाई है। गेल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, मै बिग बैश खेलने भी नही जा रहा हूं। मुझे नही पता कि आगे मै कहां क्रिकेट खेलूंगा। मै नही जानता कि बीपीएल (बांग्लादेश प्रीमियर लीग) मे मेरा नाम कैसे पहुंच गया। मेरा नाम एक टीम मे था और मुझे नही पता कि ऐसा कैसे हुआ। चैलेंजर्स के टीम निदेशक जलाल यूनुस ने कहा कि उनकी फ्रेंचाइजी ने गेल के एजेंट से बात करने के बाद उन्हे टीम के साथ जोड़ा है। उनके एजेंट से इस बात की पुष्टि की कि गेल को इस करार के बारे मे पता है। वह अगर अब नही आते है तो हम ड्राफ्ट के बाहर के किसी खिलाड़ी को टीम मे लेगे। लेकिन मुझे लगता है कि बीसीबी (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) को अनुशासन से जुड़े ऐसे मामलो मे कार्वाई करनी चाहिए। बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दिन चौधरी ने बुधवार को कहा कि उन्होने गेल के ड्राफ्टिंग प्रक्रिया को देखा है जिसमे कोई गलती नही है।

मेसी चमके, बार्सिलोना और लेपजिग अंतिम 16 में

पेरिस। स्टार फुटबॉलर लियोनल मेस्सी, लुई सुआरेज और एंटोइन ग्रिजमान के गोल की मदद से बार्सिलोना ने ग्रुप एफ मे बोरूसिया डार्टमंड को 3-1 से शिकस्त देकर चैम्पियंस लीग नाकआउट चरण मे स्थान सुनिश्चत किया जबकि आखी लेपजिग पहली बार अंतिम 16 मे जगह बनाने मे सफल रही। अर्जेंटीना के मेस्सी ने एक गोल करने के अलावा सुआरेज और ग्रिजमान को गोल करने मे मदद की। इस जीत से बार्सिलोना के 11 अंक हो गए और वह शीर्ष पर पहुंच गई। स्लाविया प्राहा पर 3-। से जीत दर्ज करने वाले इंटर मिलान और जर्मनी के क्लब डार्टमंड के सात सात अंक है। सुआरेज ने 29वे मिनट मे गोल की शुरूआत की जिसके बाद मेस्सी ने 33वे मिनट मे अपने 700वे मैच मे बार्सिलोना के लिए 613वां गोल दागा। ग्रिजमान ने 67वे मिनट मे टीम के लिए तीसरा गोल किया। डार्टमंड के लिए 77वे मिनट मे जाडोन सांचो के गोल ने हार के अंतर को कम किया। ग्रुप जी मे आखी लेपजिग और बेनफिका ने 2-2 से ड्रा खेला। लेपजिग ने इस तरह 10 अंक से अंतिम 16 मे स्थान सुनिश्चित किया।

भारत की टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की अंडर-19 एकदिवसीय सीरीज में 3-1 की अपराजेय बढ़त हासिल की ली है। इकाना बी ग्राउंड में खेले गए एकदिवसीय मैच में अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करके 35 ओवर में सभी विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाए। इमरान मीर ने 44, फरहान ने 23 और रहमानुल्लाह ने 15 रन का योगदान दिया। भारत की तरफ से मानव ने पांच, विद्याधर और शुभंग हेगड़े ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में भारत ने 29.1 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 114 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीत लिया। कुशाग्र ने 29 और सौरभ डागर ने 24 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से नूर अहमद ने दो विकेट लिए।

आईपीएल में भारतीय कोचों के लिए कम मौकों पर द्रविड़ ने निराशा जताई

लखनऊ। आईपीएल मे भारतीय कोचो के लिए मौको के अभाव पर निराशा जताते हुए महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने कहा कि उन्हे सहयोगी स्टाफ मे नही लेकर टीमे गलती कर रही है। पूर्व कप्तान और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक द्रविड़ ने कहा कि भारतीय कोच किसी से कम नही है। उन्होने ईएसपीएन क्रिकइनफो से कहा , मेरा मानना है कि हमारे पास कुछ बेहतरीन कोच है। मुझे उनकी काबिलियत पर पूरा भरोसा है। हमारे पास क्रिकेट मे काफी प्रतिभा है और कोचो मे भी। हमे उन्हे आत्मविश्वास देने की जरूरत है। मुझे दुख होता है कि हमारे कई कोचो को आईपीएल मे सहायक कोच के रूप मे काम करने का मौका नही मिलता। द्रविड़ ने कहा , आईपीएल मे इतने भारतीय खिलाड़ी है जिन्हे स्थानीय कोच रहने से फायदा मिलता। वे भारतीय खिलाड़ियो को बेहतर समझ सकते है।

श्रीकांत, सौरभ व कैरोलिना अंतिम आठ में

● सैयद मोदी बैडमिंटन
● कश्यप व लक्ष्य सेन का अभियान हारे
● ओलंपिक व वर्ल्ड चैंपियन कैरोलीना मारीन भी जीत के साथ अंतिम आठ में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किदांबी श्रीकांत, सौरभ वर्मा और कैरालिना मारिन ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में अंतिम आठ में जगह बना ली है। यूपी बैडमिंटन अकादमी में दूसरे दिन 2016 में खिताब जीतने वाले पी. कश्यप को कड़े मुकाबले में हराया। पहला गेम 18-21 से गंवाने के बाद के. श्रीकांत ने जोरदार वापसी करते हुए बाकी के दोनों गेम 22-20, 21-16 से जीत लिया। श्रीकांत का अब सातवीं वरीय कोरिया के सोन वान हो से सामना करेगा। वहीं सौरभ ने हमवतन भारतीय अलाप मिश्रा को 21-11, 21-18 से पराजित किया और अब उनका सामना थाइलैंड के कुनालवत वितिदसार्न से होगा जिन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले बी साई प्रणीत को 21-11, 21-17 से हराया। वहीं महिला एकल में स्पेन की कैरोलिना मारिन ने कोरिया की सीम यू जिन को 19-21, 21-13, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

दूसरी तरफ बेल्जियम इंटरनेशनल, डच ओपन, सारलोरलक्स ओपन और स्कॉटिश ओपन जीतने वाले 18 वर्षीय लक्ष्य भी अनुभवी सोन वान से हार गए। वान ने यह मैच 21-14, 21-17 से जीता। अजय जयराम को चीन के झाओ जुन पेंगे के हाथों तीन गेम तक चले मैच में 18-21, 21-14, 28-30 से हार का सामना करना पड़ा। 19 वर्षीय सिरील वर्मा का अभियान भी थम गया है। उन्हें कोरिया के हियो कवांग ही ने 21-9, 24-22 से हराया। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी इंग्लैंड की चोले बिर्च और लॉरेन स्मिथ के खिलाफ पहले गेम के बाद ही मैच से हट गई। सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर की महिला युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने हमवतन रिया मुखर्जी और अनुरा प्रभुदेसाई को 21-12, 21-15 से पराजित किया। उनका सामना अब जर्मनी की लिंडा इफलर और इसाबेल हर्टिंच से होगा। कुहू गर्ग और अनुष्का पारिख की एक अन्य भारतीय जोड़ी ने शेषाद्री सान्याल और लवण्या शर्मा को 21-13, 21-6 से हराया और अब उनका सामना हांगकांगी एनजी विंग इंग और इयुंग नगा टिंग से होगा। अन्य भारतीयों में कपिल चौधरी और अक्षय कदम तथा मनीषा के और रूतुपर्णा पांडा हारकर बाहर हो गए।

800 मी. रेस में सीएमएस के मेधांजय प्रथम

● एथलेटिक मीट कोलोजियम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ पब्लिक स्कूल द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय एथलेटिक मीट कोलोजियम में 800 मी. बालक रेस में सीएमएस गोमतीनगर के मेधांजय प्रथम रहे। इससे पहले एथलेटिक मीट का शुभारम्भ अर्जुन पुरस्कार विजेता अशोक ध्यानचंद और व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने किया। इस मौके पर एलपीएस संस्थापक डा. एसपी सिंह, एमएलसी कान्ति सिंह, उपनिदेशक खेल एसएस मिश्रा और क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेन्द्र यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। पणिाम: 800 मी. बालक अंडर-19 में सीएमएस गोमती नगर के मेधांजय प्रथम, एलपीएस सीतापुर के सुमित पांडेय द्वितीय औ र एलपीसी गोमती नगर के अभिषेक कुमार तृतीय रहे। 800 मी. बालिका अंडर-19 में एलपीसी गोमती नगर की अनामिका प्रथम, एलपीएस सीतापुर की प्राची मिश्रा द्वितीय और जयपुरिया स्कूल की मान्या दीक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शॉटपुट अंडर-19 बालिका में एलपीसी गोमती नगर की नंदनी प्रथम, एलपीसी सहारा स्टेट की अस्मिता सिंह द्वितीय और एलपीएस सीतापुर की विरद्धि अग्रवाल तृतीय रहीं। शॉटपुट बालक में एलपीसी बी ब्लाक के मोहम्मद अयूब प्रथम, एलपीएस वृंदावन के प्रणव अस्थाना, द्वितीय और करियर कान्वेंट के अभिषेक शुक्ला तृतीय रहे। लांग जम्प अंडर-19 बालक में जयप ुरिया स्कूल गोमती नगर के उत्कर्ष सिंह प्रथम, एलपीसी ए- ब्लाक के हर्ष त्रिवेदी द्वितीय और सीएमएस गोमती नगर के आयुष महासेठ तृतीय रहे। लाग जम्प अंडर-19 बालिका में एलपीसी सहारा स्टेट के फरवा रिजवी प्रथम, जयपुरिया स्कूल गोमती नगर की अरुणिमा मिश्रा द्वितीय और एलपीसी ए-ब्लाक की सृष्टि राय तृतीय रहीं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने ह्यूज को श्रद्धांजलि दी

एडीलेड। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने पांच साल पहले मैदान पर बाउंसर लगने के कारण जान गंवाने वाले दिवंगत क्रिकेटर फिलीप ह्यूज को एडीलेड ओवल की पिच पर श्रद्धांजलि दी। आस्ट्रेलिया के लिए 26 टेस्ट खेलने वाले ह्यूज को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान सिडनी में सीन एबोट की बाउंसर गेंद लगी थी। अपने 26वें जन्मदिन से तीन दिन पहले उनका निधन हो गया था। उनके निधन की खबर ने क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया था और इस घटना के बाद खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुरक्षा उपकरणों के अलावा चोट लगने की स्थिति में बेहतर प्रोटोकाल की मांग की गई थी। पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच की टीम का हिस्सा डेविड वार्नर और नाथन लियोन उस मैच में खेल रहे थे जिसमें ह्यूज को चोट लगी थी। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने कहा कि कोच जस्टिन लैंगर और टीम के खिलाड़ियों ने ह्यूज की बरसी के मौके पर पिच के पास एक घेरा बनाकर उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप के जरिए सैग ख

'इनविजिबल वुमन' का निर्देशन करेंगी एलिजाबेथ

लॉस एंजेलिस। अभिनेत्री एलिजाबेथ बैंक्स 'इनविजिबल वुमेन' नामक शीर्षक वाले एक हॉरर मूवी में अभिनय करेंगी व इसका निर्देशन भी करेंगी। हॉलीवुड रिपोर्टर डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, एलिजाबेथ अपने पति मैक्स हैंडेलमैन के साथ अपनी प्रोडक्शन कंपनी ब्राउनस्टोन प्रोडक्शन्स के माध्यम से इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' की लेखिका एरिन क्रेसिडा विल्सन इसकी स्क्रिप्ट लिखेंगी। बैंक्स ने साल 2015 की फिल्म 'पिच परफेक्ट 2' के साथ निर्देशन में अपना डेब्यू किया और इसके साथ ही उन्होंने हालिया रिलीज फिल्म 'चार्लीज एजेंल्स' को भी निर्देशित किया है। 'इनविजिबल वुमन', 'द इनविजिबल मैन' और 'द इनविजिबल मैन रिटर्न्स' जैसी बेहद डरावनी कहानियों की श्रेणी में शामिल है।

'हम भी अकेले..' को बेस्ट ऑडियंस फिल्म पुरस्कार

न्यूयॉर्क। जरीन खान और अंशुमान झा अभिनीत 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले' ने दक्षिण एशियाई फिल्म महोत्सव (एसआईएफएफ) में बेस्ट फिल्म ऑडियंस चॉइस अवार्ड जीता है। हरीश व्यास निर्देशित 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले' एक समलैंगिक पुरुष (अंशुमन झा) और समलैंगिक महिला (जरीन) के साथ मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्म है। अवार्ड मिलने पर व्यास ने कहा, 'यह खुश कर देने वाला है। अंशुमान पहले अभिनेता थे, जिन्होंने कई बड़े नामों द्वारा फिल्म के कॉन्सेप्ट को लेकर काम करने से मना करने के बाद इसमें काम करने के लिए हामी भरी थी। हमने सालभर में इसकी पटकथा तैयार की, फिल्म मार्केट में ले गए और इसे रिकॉर्ड समय में बनाया।' 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले'- की पटकथा भी एशिया की दस सर्वश्रेष्ठ पटकथाओं में से एक के तौर पर नवंबर 2018 में सिंगापुर में दक्षिण एशियाई फिल्म बाजार (एसएएफएम) में एक आधिकारिक चयन थी।

इफ्फी को अधिक बेहतर तरीके से आयोजित किए जाने की जरूरत: क्रिस्टर

पणजी (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्मोत्सव (इफ्फी) में भाग लेने के लिए पिछले 15 साल से लगातार गोवा आ रहे स्वीडिश फिल्म निर्माता, निदेशक और अभिनेता क्रिस्टर होल्मग्रेन इस समारोह में शामिल की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के स्तर से बेहद प्रभावित हैं लेकिन उनका मानना है कि इफ्फी को कहीं अधिक बेहतर तरीके से आयोजित किए जाने की जरूरत है। एनिमीज एनीमी , स्टार वार्स: थ्रेड आफ डेस्टिनी , मैकलीन , लव और डियर मौली समेत अपने 50 साल के फिल्मी कैरियर में 50 अधिक फिल्में बना चुके होल्मग्रेन ने भाषा के साथ यहां एक खास बातचीत में कहा, इफ्फी एशिया का बेहद प्रतिष्ठित फिल्मोत्सव है लेकिन इसका प्रबंधन और आयोजन उतनी गंभीरता से नहीं किया जाता, जितना होना चाहिए।वर्ष 1941 में स्वीडन के ओस्टरगोटलैंड्स एयान में जन्मे होल्मग्रेन ने अपनी पहली फिल्म सैली 1971 में बनाई थी। उनका कहना है कि वह पिछले 15 साल से इफ्फी की भव्यता : अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के मामले में : के गवाह रहे हैं लेकिन बात जहां प्रबंधन की आती है तो लगता है हर तरफ अव्यवस्था का माहौल है। ऐसा लगता है कि जैसे सारी तैयारियां अंतिम क्षणों में करने के लिए छोड़ दी गई थीं। होल्मग्रेन बताते हैं, 2004 में जब इफ्फी को गोवा में लाया गया तो बहुत बड़े पैमाने पर इसका आयोजन किया गया था। कार्निवाल आयोजन हुआ था। लेकिन उसके बाद से इसका स्तर लगातार गिर रहा है। यहां दर्शकों के लिए फिल्मों के टिकट की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं है।

महिला निर्देशकों को लैंगिक चश्मे से देखना गलत: फराह खान

फराह हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज को अपनी कोरियोग्राफी पर नचाना चाहती हैं

भाषा। पणजी

अपनी पहली ही फिल्म 'मैं हूं ना' के जरिए अपने निर्देशन का लौहा मनवाने वाली बॉलीवुड की प्रसिद्ध फिल्म निर्देशिका फराह खान का कहना है कि महिला निर्देशकों को लैंगिक विभेद के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

फिल्म निर्देशक, कोरियोग्राफर, प्रोड्यूसर फराह ने बुधवार को यहां कहा, फिल्म निर्देशन कोई लैंगिक आधार पर टिकी हुई भूमिका नहीं है। फिल्म निर्देशक एक फिल्म निर्देशक होता है, पुरूष या महिला नहीं। वह अपने नाम के साथ महिला निर्देशक का तमगा लगाना उचित नहीं मानती। हालांकि वह यह बात भी स्वीकार करती हैं कि कुछ महिला निर्देशकों को यह तमगा लगाना अच्छा लगता है लेकिन उनके नजरिए में यह लैंगिकता का मुद्दा नहीं बल्कि कौशल,दक्षता और पेशेवराना अंदाज का मसला अधिक है।

अभिनेताओं के मुकाबले अभिनेत्रियों को कम पैसा मिलने के सवाल पर फराह ने कहा कि व्यवस्था ही ऐसी बनी हुई है। उन्होंने इसके लिए दर्शकों की मानसिकता को अधिक जिम्मेदार बताया और दर्शकों से अभिनेत्रियों की केंद्रीय भूमिका वाली फिल्मों को अधिक प्रमुखता दिए जाने की बात कही। फराह ने यहां 50वे अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्मोत्सव में मास्टर क्लास सत्र में फिल्म आलोचक राजीव मसंद के साथ बातचीत में यह बातें कहीं।

श्याम बेनेगल की मंथन जैसी सामाजिक संदेश वाली फिल्मों के आज नहीं बनने संबंधी सवाल पर विस्तार में जाते हुए फराह ने कहा, फिल्मों का असर अगर समाज पर होता तो पूरी दुनिया आज गांधीगिरी अपना चुकी होती और भारत पाकिस्तान के बीच दोस्ती हो चुकी होती।

उनका मानना है कि फिल्में वही दिखाती हैं जो समाज में होता है। इसका उल्टा नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज की हर गलत प्रवृत्ति के लिए सिनेमा पर दोष मढ़ना उचित नहीं है। हालांकि उन्होंने टायलेट एक प्रेमकथा, मंगल मिशन और पैडमैन जैसी फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी सामाजिक संदेश देने वाली फिल्में काफी संख्या में बन रही हैं और दर्शक उन्हें सराह भी रहे हैं लेकिन वे उनसे कितना संदेश लेते हैं यह तो उन पर ही निर्भर करता है। फराह ने डिजीटल प्लेटफार्म को फिल्मों के लिए खतरा बताने वाले सवाल के जवाब में कहा, डिजीटल स्ट्रीमिंग का भविष्य है लेकिन यह कहना कि यह मुख्य धारा के सिनेमा की जगह ले लेगा तो ऐसा नहीं है।

मैं हूं ना , ओम शांति ओम , जाने कहां से आई है , हैप्पी न्यू ईयर और स्टूडेंट आफ दी ईयर जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुकीं फराह श्रीदेवी से लेकर अनन्या पांडे तक बॉलीवुड की तमाम जानी मानी अभिनेत्रियों को अपनी कोरियोग्राफी से सफलता की बुलंदियों पर पहुंचा चुकी हैं लेकिन अभी भी उनकी एक दिली तमन्ना बची हुई है। वह हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज को अपनी कोरियोग्राफी पर नचाना चाहती हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में 1982 की हिट फिल्म सत्ते पे सत्ता के रिमेक की खबरों को पूरी तरह अफवाह बताते हुए फराह खान ने कहा कि ए सब कोरी अफवाहें हैं और यह अफवाह तभी सच होगी जब वह खुद इसकी पुष्टि करेंगी। फराह ने अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी अभिनीत फिल्म के रिमेक के जवाब में कहा, किसने बोला कि सत्ते पे सत्ता की रिमेक बन रही है। हम बोलेंगे तभी सच होगा। मैं हूं ना फिल्म की निदेशक फराह ने हंसते हुए कहा, मीडिया तो हर सप्ताह रिमेक की एक खबर चला देता है। मीडिया ही हर सप्ताह रिमेक बनाता है, मैं नहीं। मैंने आज तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि हालिया मीडिया रिपोर्टों में यह बात सामने आई थी कि फराह खान की अगली फिल्म सत्ते पे सत्ता का रिमेक होगी जिसे वह फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ मिलकर बनाएंगी और रितिक रोशन तथा अनुष्का शर्मा मुख्य भूमिका में होंगे।

महिलाओं के प्रति आशुतोष गोवारीकर सम्मान भाव रखते हैं: कृति सैनन

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक आशुतोष गोवारीकर की आगामी महत्वाकांक्षी परियोजना 'पानीपत' में अभिनेत्री कृति सैनन एक अहम किरदार में हैं। कृति का कहना है कि आशुतोष गोवारीकर एक ऐसे फिल्मकार हैं जो फिल्म में अपने महिला किरदारों को कभी भी कमजोर नहीं देख सकते हैं और यही वजह है कि उनकी फिल्मों में महिलाओं के किरदार हमेशा मजबूत और शक्तिशाली होते हैं। 'पानीपत' में कृति मराठा योद्धा सदाशिव भाऊ की पत्नी पार्वती बाई के किरदार को निभा रही हैं। गोवारीकर ने किस तरह से पार्वती बाई की कल्पना एक सशक्त महिला के रूप में की है इस बारे में बात करते हुए कृति कहती हैं, 'आशु सर मेरे ख्याल से एक ऐसे इंसान हैं, जो अपनी महिलाओं को कमजोर नहीं देख सकते हैं। उनका यह विचार है। मेरे ख्याल से उनके मन में इस भावना की वजह उनकी पत्नी सुनीता हैं, जो स्वयं एक सशक्त महिला हैं।'

कृति ने आगे कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि यद्यपि उनकी फिल्में ऐतिहासिक होती हैं, लेकिन इसके किरदार बेहद समकालीन होते हैं। उन्होंने पार्वती बाई की रचना ऐसे की, जो जरूरत पड़ने पर अपने लोगों के लिए लड़ सकती हैं। उन्हें वह शक्ति देना, वह कद देना, अपने आप में सशक्तीकरण है और जब आपको इस तरह के किरदार निभाने का मौका मिले, तो आपको वास्तव में गर्व का अनुभव होता है।'

जानबी को अजय-अतुल से मिला गाने का ब्रेक

मुंबई। सोनी इंटरटेन्मेंट टेलीविज़न चैनल पर चल रहे शो 'इंडियन आइडल' ने अपनी गुणवत्ता के बल पर दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। इसके जजों के पैनल में अनु मलिक, नेहा कक्कड़ तथा विषाल डडलानी जैसे चर्चित और नामचीन कलाकार शामिल हैं। इस बार इस शो की थीम है 'एक देश एक आवाज़' और अपने नाम के ही अनुरूप कार्यक्रम हर प्रकार की रुढ़िवादिता को तोड़ते हुए विविधता में एकता की भारतीय परिपाटी को आगे ले जाने का कार्य कर रहा है। इस सप्ताह इंडियन आइडल ने अपने शीर्ष 10 प्रतिभागी पा लिये हैं।

दमदार प्रदर्शन कर रही प्रतिभागी दिल्ली की जानबी दास ने अपने गायन से सभी को प्रभावित किया है। फिल्म हावड़ा ब्रिज के गाने 'मेरा नाम चिन चिन चू...' को गाकर उन्होंने सभी का दिल जीत लिया है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में वहां बैठे संगीतकार अजय-अतुल की जोड़ी ने तो उन्हें तुरंत अपने एक गाने के लिए साइन भी कर लिया। इस एक पल ने जानबी को अत्यंत भावुक बना दिया और उन्हें तो सहसा विष्वास ही नहीं हो पा रहा था कि ये वास्तव में हो रहा है और कोरी कल्पना नहीं है। अजय ने कहा कि उनकी इच्छा है कि वे जानबी को एक पियानो उपहार में दे सकें। उन्होंने बताया कि वैसे वो पहले गाना लिखते हैं और फिर गायक की तलाश करते हैं लेकिन जानबी के मामले में उन्होंने गायक को पहले चुन लिया है और गाना उनकी आवाज को ध्यान में रखकर ही लिखा जाएगा। उन्होंने जानबी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'जब भी आप परफॉर्म करते हैं बिलकुल छा जाते हैं। ये संभव है कि आप अन्य गायकों जैसा न गा पाती हों लेकिन अन्य गायक भी आप जैसा नहीं गा सकते। आप जिस प्रकार से गाती हैं आप एक अलग सा वातावरण रच जाती हैं।

मैंने नग्नता को बढ़ावा दिया: किम करदाशियां

लॉस एंजेलिस। रियलिटी टीवी स्टार किम करदाशियां ने स्वीकार किया है कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर नग्नता को बढ़ावा देने में ज्यादा योगदान दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, द कट नामक पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में किम ने कहा कि किस तरह से एक सेक्स सिंबल बनना जटिल हो सकता है और उनके पति कान्ये वेस्ट उनकी ड्रेसिंग स्टाइल से क्यों प्रभावित होते हैं।

किम ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह सही है भी या नहीं, जो मेरे पति ने कहा है कि कभी-कभार बहुत ज्यादा सेक्सी होना भी भारी पड़ सकता है और वह इस चीज के साथ सहज नहीं है। मैं उनकी सुनती हूं और समझती हूं। खर, अन्ततः वह मुझे हर वह चीज करने की छूट देते हैं जो मैं करना चाहती हूं।' हालांकि, यह सबकुछ किम को कुछ हद तक जागरूक करने जैसा है। किम ने आगे कहा, 'मैंने महसूस किया कि मैं अपने बच्चों के सामने इंस्टाग्राम को स्क्रॉल तक नहीं कर सकती, क्योंकि हर वक्त मेरी फीड में अश्लील चीजें आ ही जाती हैं और निश्चित रूप से मैंने इसमें अपना योगदान दिया है।'

जमीला ने भयावह घटना को याद किया

लॉस एंजेलिस। अभिनेत्री जमीला जमील ने कहा कि 'द गुड प्लेस' में उनके सह-कलाकार टेड डैनसन संग फिट रहने की कोशिश में एक बार उनकी जान पर बन आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 33 वर्षीय यह अभिनेत्री सेट पर टेड संग तालमेल नहीं बैठा पाती थीं। जमीला का कहना है कि उनके साथ काम करते हुए कई बार वह बहुत थक भी जाती थीं। अभिनेत्री ने कहा, 'एक बार एक डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि मैं शारीरिक रूप से कमजोर हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'टेड ने देखा कि मैं थकी हुई हूं, लेकिन फिर भी वह मेरे चारों ओर चक्कर लगाने लगा और वह मुझसे चालीस साल बड़े हैं, तो उन्हें ऐसा करते देख मैंने भी जॉगिंग करना शुरू कर दिया और पहली बार की मेरी कोशिश ने ही मुझे खतरे में डाल दिया, मैं बाल-बाल बची।' जमील ने कहा कि वह दौड़ते-दौड़ते मधुमक्खी के एक छत्ते से टकरा गईं और इससे बचने के लिए वह सड़क पर जा पहुंची। उन्होंने कहा, 'छह लेन की सड़क पर दौड़ते हुए आना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।' जमील ने आगे कहा, 'मैं दौड़ रही थी कि एक कार ने मुझे टक्कर मार दी और मैं कार के ऊपर जा गिरी। वैसे बता दूं, उस वक्त मैंने 'द गुड प्लेस' की शूटिंग शुरू ही की थी। खैर, शुक्र है कि कार ने अपनी गति धीमी कर दी थी क्योंकि उसने एक महिला को मधुमक्खी से घेरे हुए देख लिया था, इसलिए उसने टक्कर धीरे से मारी थी। इसके बाद वह पास स्थित एक बार में जा पहुंची और तब जाकर उन्हें इस भयावह स्थिति से छुटकारा मिला।

किरदारों के चयन में परिपक्व हो गए हैं शाहिद: पंकज कपूर

मुंबई। फिल्म व रंगमंच के प्रख्यात कलाकार पंकज कपूर का कहना है कि उनके बेटे व अभिनेता शाहिद कपूर अपने किरदारों के चयन के मामले में परिपक्व हो गए हैं और उनकी अभिनय क्षमता बार-बार साबित हुई है. पंकज कपूर ने बताया, एक कलाकार के रूप में उनकी क्षमता बार-बार साबित हुई है। लगभग डेढ़ दशक पहले जब लोगों ने मुझे उनके बारे में पूछा था तो मैंने कहा था, 'जब तक उन्हें नाटकीय भूमिकाएं नहीं मिलने लगती तब तक इंतजार करे और फिर उनकी वास्तविक क्षमता देखने को मिलेगी.बीते 4-5 सालों में उनकी हालिया फिल्मों के साथ लोगों ने महसूस किया है कि वह किस तरह के

अभिनेता हैं। अपने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के बारे में पूछे जाने पर कपूर ने कहा कि सीखने व आत्मसात करने के मामले में वे सबसे अधिक रचनात्मक दिन थे। आज वर्ल्ड ऑफ सिनेमा के बारे में उनके क्या विचार हैं? इस पर पंकज ने कहा, मुझे लगता है कि सिनेमा कहीं ज्यादा खुले विचारों वाले बनने लगे हैं. तीस साल पहले हमें मिलने वाली अवसरों की तुलना में अब कहीं ज्यादा है। अलग तरह की फिल्में बन रही हैं, लोग अलग-अलग तरह की स्क्रिप्ट के साथ आ रहे हैं, वे कुछ इस तरह की कहानियों के साथ आगे आ रहे हैं जो दर्शकों को भाए और साथ ही जिसमें उनके लिए कहने को कुछ हो, जो वाकई में दिल को छू लेने वाली एक बात है. उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि सिनेमा की विभिन्न शैलियों का विकास हो रहा है और निभाने के लिए भिन्न किरदार भी आगे आ रहे हैं।

नब्बे के दशक जैसी फिल्म है 'ऐ काश कि हम'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता विवान शाह की आगामी फिल्म 'ऐ काश कि हम' एक रोमांटिक दुखांतक कहानी है। उनका कहना है कि आजकल बॉलीवुड में इस तरह की फिल्मों में कमी आई है, 'ऐ काश कि हम' बहुत ही सुंदर रोमांटिक फिल्म है। ये काफ ी हद तक दर्दनाक भी है और किसी भी प्रकार से ये रोमांटिक कॉमेडी नहीं कही जा सकती। ये एक प्रकार से इस जॉनर की फिल्मों की पुनर्वापसी कही जा सकती है। आजकल इस प्रकार की फिल्में नहीं बनाई जा रहीं।'

विषाल मिश्रा इसके निर्देषक हैं। उन्होंने इससे पहले कॉफी विद डी, मरुधर एक्सप्रेस और होटल मिलन जैसी फिल्में की हैं। इस फिल्म में विवान अभिनेत्री प्रिया सिंह के साथ दिखने वाले हैं। सोफिया सिंह इसमें

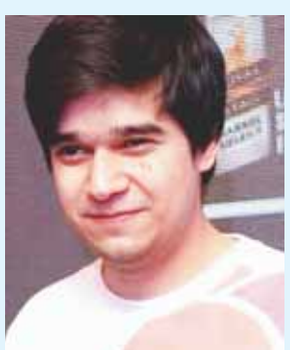

एक केन्द्रीय भूमिका कर रही हैं फिल्म का पोस्टर भी रिलीज़ हो चुका है। फिल्म की कहानी में आयुष और परी दो चरित्र हैं। दोनों द्वारा अपने प्यार को बताने से पहले ही कहानी में एक मोड़ आता है और वे दूर हो जाते हैं। सालों बाद जब वे पुन: मिलते हैं तो परी आयुष को पहचान ही नहीं पाती क्योंकि उसका स्मृतिलोप हो चुका होता है। विशाल ने बताया, 'हमनें 90 के दषक को दुबारा से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है जो आज के रोम-कॉम कलेवर में खो चुका है जिनमें किसी प्रकार की किसी भावना आदि के लिए कोई जगह नहीं होती। फिल्म के केन्द्र में संगीत है इसमें छ: सुरीले गाने हैं। हमनें संगीत भी स्पष्ट रखने का प्रयास किया है। इसमें उच्चस्वर का संगीत, हिंग्लिष शब्दावली और रिमिक्स का प्रयोग नहीं किया गया हैं।' ये दो स्कूली छात्रों की प्रेम कहानी है। विवान ने बताया, 'स्कूल यूनीफॉर्म में दुबारा सामने आना अच्छा लगा। मुझे लगा कि मैं अपने पुराने बोर्डिंग के दिनों में वापस आ गया हूं।' फिल्म 17 जनवरी को रिलीज़ हो रही है।